संलग्नक क्रमांक-04 ①

कार्यवाही विवरण

मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड, ग्राम–बरपाली, तहसील–तमनार, जिला–रायगढ़ (छ.ग.) में प्रस्तावित इस्पात संयंत्र की स्थापाना जिसमें 3,30,000 टी.पी.ए. स्पंज ऑयरन का उत्पादन करने के लिये 4x250 टी.पी.डी. डी.आर.आई. किल्न, 4x15 टन का इण्डक्शन फर्नेस, 15 टन का एल.आर.एफ और 10 टी.पी.एच. का आर.एच.एफ. सी.सी.एम. के साथ हॉट बिलेट्स/एम.एस. का उत्पादन, 1,94,040 टी.पी.ए., हॉट चार्जिंग और रीहीटिंग फर्नेस के माध्यम से 1,86,766 टी.पी.ए. के रोल्ड उत्पाद (टी.एम.टी. बार्स/एंगल्स/चैनल) का उत्पादन करने वाली रोलिंग मिल, 4000 एन.एम.3/घंटा का कोयला आधारित उत्पादक गैस संयंत्र, 9 एम.व्ही.ए. x 2 संख्या का फेरो अलॉय संयंत्र 34,000 टी.पी.ए. सिलिको मैग्नीज (या) 19,000 टी.पी.ए. फेरो सिलिकॉन (या) 43,000 टी.पी.ए. फेरो मैग्नीज (या) 68,000 टी.पी.ए. पिग ऑयरन का उत्पादन करने की क्षमता, डब्ल्यू.एच.आर.बी. 24 मेगावाट और एफ.बी.सी. 8 मेगावाट के माध्यम से बिजली उत्पादन और 54,900 ईट/दिन का फ्लाई ऐश ईट संयंत्र की स्थापना के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु लोक सुनवाई **दिनांक** 15.05.2025 का **कार्यवाही विवरण :–**

भारत सरकार पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना दिनांक 14.09.2006 के अनुसार, मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड, ग्राम–बरपाली, तहसील–तमनार, जिला–रायगढ़ (छ.ग.) में प्रस्तावित इस्पात संयंत्र की स्थापाना जिसमें 3,30,000 टी.पी.ए. स्पंज ऑयरन का उत्पादन करने के लिये 4x250 टी.पी.डी. डी.आर.आई. किल्न, 4x15 टन का इण्डक्शन फर्नेस, 15 टन का एल.आर.एफ और 10 टी.पी.एच. का आर.एच.एफ. सी.सी.एम. के साथ हॉट बिलेट्स/एम.एस. का उत्पादन, 1,94,040 टी.पी.ए., हॉट चार्जिंग और रीहीटिंग फर्नेस के माध्यम से 1,86,766 टी.पी.ए. के रोल्ड उत्पाद (टी.एम.टी. बार्स/एंगल्स/चैनल) का उत्पादन करने वाली रोलिंग मिल, 4000 एन.एम.3/घंटा का कोयला आधारित उत्पादक गैस संयंत्र, 9 एम.व्ही.ए. x 2 संख्या का फेरो अलॉय संयंत्र 34,000 टी.पी.ए. सिलिको मैग्नीज (या) 19,000 टी.पी.ए. फेरो सिलिकॉन (या) 43,000 टी.पी.ए. फेरो मैग्नीज (या) 68,000 टी.पी.ए. पिग ऑयरन का उत्पादन करने की क्षमता, डब्ल्यू.एच.आर.बी. 24 मेगावाट और एफ.बी.सी. 8 मेगावाट के माध्यम से बिजली उत्पादन और 54,900 ईट/दिन का फ्लाई ऐश ईट संयंत्र की स्थापना के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु **लोक सुनवाई दिनांक 15.05.2025, दिन–गुरूवार को प्रातः 11:00 बजे से स्थल–परियोजना स्थल, ग्राम–बरपाली, तहसील–तमनार, जिला–रायगढ़ (छ.ग.)** में अपर कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी रायगढ़, की अध्यक्षता में लोकसुनवाई प्रातः 11:00 बजे प्रारंभ की गई। लोक सुनवाई में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रायगढ़ तथा क्षेत्रीय अधिकारी, छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल रायगढ़ उपस्थित थे। लोक सुनवाई में आसपास के ग्रामवासी तथा रायगढ़ के नागरिकों एवं स्वयं सेवी संस्थाओं ने भाग लिया। सर्वप्रथम पीठासीन अधिकारी द्वारा उपस्थित प्रभावित परिवारों, त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों, ग्रामीणजनों, एन.जी.ओ. के पदाधिकारी, गणमान्य नागरिक, जन प्रतिनिधि तथा इलेक्ट्रानिक एवं प्रिंट मिडिया के लोगों का स्वागत करते हुये जन सुनवाई के संबंध में आम जनता को संक्षिप्त में जानकारी देने हेतु क्षेत्रीय पर्यावरण

अधिकारी को निर्देशित किया। क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा ई.आई.ए. नोटिफिकेशन दिनांक 14.09.06 के प्रावधानो की जानकारी दी गयी, पीठासीन अधिकारी द्वारा कंपनी के प्रोजेक्ट हेड तथा पर्यावरण सलाहकार को प्रोजेक्ट की जानकारी, पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव, रोकथाम के उपाय तथा आवश्यक मुद्दे से आम जनता को विस्तार से अवगत कराने हेतु निर्देशित किया गया।

लोक सुनवाई में कंपनी के प्रतिनिधि द्वारा परियोजना के प्रस्तुतिकरण से प्रारंभ हुई। मैं कमल अग्रवाल मेसर्स केलो स्टील एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड कंपनी की ओर से इस जनसुनवाई सभा में उपस्थित आप सभी सम्मानित नागरिकों का स्वागत करता हूँ। जिला प्रशासन की ओर से उपस्थित श्रीमान अतिरिक्त जिला अध्यक्ष श्री अपूर्व टोप्पो जी एवं छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल की ओर से क्षेत्रीय अधिकारी श्री अंकुर साहू एवं उनकी टीम के सभी सदस्यों का स्वागत करता हूँ। जिला प्रशासन के अन्य सम्मानित अधिकारियों, पुलिस विभाग के अधिकारियों एवं मीडिया के प्रतिनिधियों तथा उपस्थित समस्त सम्मानित जल प्रतिनिधियों, नागरिकों तथा ग्रामवासियों का स्वागत है। नवीन प्रस्तावित परियोजना हेतु हमने पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय नई दिल्ली के समक्ष आवेदन किया था जिसके तारतम्य में हमारी परियोजना से पर्यावरण प्रभाव एवं सामाजिक, आर्थिक प्रभाव के अध्ययन हेतु टॉर जारी किया गया है। उपरोक्त टॉर के संदर्भ में हमारे ई.आई.ए. कंसलटेंट मेसर्स ई.आई.ए. सलाहकार मेसर्स ग्रास रूट रिसर्च एण्ड क्रिएशन इंडिया प्राईवेट लिमिटेड ने बेसलाईन डाटा एकत्रित कर ई.आई.ए. रिपोर्ट तैयार किया है। उन्होने उद्योग परिसर से 10 किलोमीटर त्रिज्या के अध्ययन क्षेत्र में बेसलाईन डाटा का अध्ययन किया है। प्रतिवेदन में प्रस्तावित परियोजना की स्थापना से जल, वायु, ध्वनि, मृदा आदि पर्यावरणीय घटकों पर संभवित पर्यावरणीय प्रभाव तथा उनके शमनकारी उपयों का वर्णन किया है। भारत शासन पर्यावरण, वन तथा जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की ई.आई.ए. अधिसूचना 2006 के अनुसार परियोजना स्थल के आस–पास के पर्यावरणीय सुधार हेतु सामाजिक कल्याण के उपयों में निवेश जन परामर्श में प्राप्त अनुक्रिया के अनुसार किया जाना है। तदैव आप सबसे इस विषय पर भी सुझााव आमंत्रित है। साथ ही आप सभी उपस्थित नागरिकों से निवेदन है कि आप परियोजना में सुधार से संबंधित सुझााव/टिप्पणियां प्रदान करें, उन्हें हम यथासंभव तथा श्रेष्ठ ढंग से परियोजना के अंतर्गत शामिल कर उनका अनुपालन/निराकरण करने का प्रयास करेंगे। आप सबके द्वारा इस जन परामर्श सभा में उपस्थिति हेतु समय देने के लिये प्रबंधन की ओर से आभार व्यक्त करता हूँ। इस तारतम्य में परियोजना के संबंध में अधिक जानकारी हमारे ई.आई.ए. सलाहकार मेसर्स ग्रास रूट रिसर्च एण्ड क्रिएशन इंडिया प्राईवेट लिमिटेड की ओर से श्री निखिल जल प्रदान करेंगे। मैं पीठासीन अधिकारी जी की अनुमति से उन्हें परियोजना तथा ई.आई.ए. के संबंध में जानकारी प्रदान करने आमंत्रित करता हूँ। धन्यवाद।

आदरणीय रायगढ़ जिले से अतिरिक्त जिलाधीश महोदय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल के क्षेत्रीय अधिकारी महोदय, अन्य अधिकारीगण, जनसुनवाई में उपस्थित जनप्रतिनिधि, मिडिया के प्रतिनिधिगण एवं आस–पास के क्षेत्र से आये हुये मेरे भाईयो एवं बहनो मैं निखिल कुमार ई.आई.ए. सलाहकार मेसर्स ग्रास रूट

रिसर्च एण्ड क्रिएशन इंडिया प्राईवेट लिमिटेड की ओर से आप सब का स्वागत करता हूँ। आज हम सब केलो स्टील एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड द्वारा ग्राम–बरपाली, तहसील–तमनार, जिला–रायगढ़ (छ.ग.) में प्रस्तावित ग्रीनफील्ड स्टील संयंत्र परियोजना के पर्यावरण स्वीकृति हेतु जनसुनवाई के लिये यहां उपस्थित हुये है। प्रस्तावित परियोजना में 4x250 टी.पी.डी. डी.आर.आई. किल्न के द्वारा 3,30,000 टन प्रतिवर्ष आयरन का उत्पादन क्षमता वाली स्पंज ऑयरन प्लांट 4x15 टन इंडक्शन फर्नेस, 15 टन एल.आर.एफ. एवं सी.सी.एम. के माध्यम से 1,94,000 टन प्रतिवर्ष, एम.एस. बिलेट्स का उत्पादन क्षमता वाली स्टील मेल्टिंगशॉप, हॉट चार्जिंग एवं 10 टन के आर.एच. एफ. के माध्यम से 1,86,000 टन प्रतिवर्ष, रोल्ड प्रोडक्ट टीएमटी बार, एंगल्स अथवा चैनल्स के उत्पादन क्षमता वाली रोलिंग मिल 4000 सामन्य घनमीटर प्रतिघंटा की क्षमता वाली कोयला आधारित प्रोड्यूसर गैस प्लांट, 2x9 एम.व्ही.ए. वाली सबमर्ज्ड आर्क फर्नेस के माध्यम से 34,000 टन प्रतिवर्ष सिलिको मैग्नीज या 19,000 टन प्रतिवर्ष, फेरो सिलिकॉन या 43,000 टन प्रतिवर्ष, फेरो मैग्नीज या 68,000 टीपीए पिग ऑयरन के उत्पादन क्षमता वाली फेरोएलायज प्लांट 32 मेगावाट की क्षमता की कैप्टिव पॉवर प्लांट तथा 54,900 ब्रिक्स प्रतिदिन की उत्पादन क्षमता की फ्लाई ऐश ब्रिक प्लांट की स्थापना का प्रस्ताव शामिल है। परियोजना के लिए कुल 15.83 हेक्टेयर के भूमि की आवश्यकता है जो की परियोजना प्रस्तावक के अधिकार में है। परियोजना की कुल लागत 445.1 करोड़ रूपये है तथा परियोजना के संचालन के लिए कुल 830 लोगो की जरूरत होगी। परियोजना के लिए प्रतिदिन कुल 1845 किलोलीटर जल की जरूरत होगी जिसे निकटतम सतही जल स्त्रोत जैसे कुरकेट नदी, राबो डेम से प्राप्त किया जायेगा। इसके साथ ही कुल 47 मेगावाट बिजली की जरूरत होगी जिसमें 32 मेगावाट कैप्टिव पॉवर प्लांट से की जाएगी तथा शेष 15 मेगावाट की आपूर्ति छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड द्वारा की जायेगी। प्रस्तावित परियोजना पर्यावरण एवं वन मंत्रालय द्वारा जारी ई.आई.ए. नोटिफिकेशन 2006 की श्रेणी ए में आति है जिस वजह से परियोजना के पर्यावरण स्वीकृति हेतु परियोजना का पर्यावरण प्रभाव अध्ययन आवश्यक है। अतः इस परियोजना का पर्यावरण प्रभाव आंकलन जी.आर.सी. इंडिया प्राईवेट लिमिटेड द्वारा कराया गया है। जी.आर.सी. इंडिया प्राईवेट लिमिटेड नोएडा उत्तर प्रदेश में स्थित एक पर्यावरण परामर्श की एक संस्था है जिसे नेबेर्ट द्वारा पर्यावरण प्रभाव आंकलन अध्ययन हेतु मान्यता प्राप्त है जो फिलहाल 16 अगस्त 2027 तक वैध है। परियोजना के पर्यावरण प्रभाव आंकलन हेतु टी.ओ.आर. के लिये आवेदन दिनांक 26.06.2024 को किया गया था तथा इसे पर्यावरण एवं वन मंत्रालय द्वारा दिनांक 29.11.2024 को टी.ओ.आर. प्रदान किया गया। पर्यावरणीय अध्ययन 1 मार्च 2024 से 31 मई 2024 के बीच की गई है। ई.आई.ए. अध्ययन के दौरान परियोजना स्थल के संपर्क साधन एवं पर्यावरणीय परिवेश की विश्लेषण की गई है। प्रस्तावित परियोजना स्थल तमनार नगर से 16.6 किलोमीटर की दूरी पर एवं बरपाली गांव से 600 मीटर की दूरी पर है। सराईपाली रोड परियोजना स्थल से सटी हुई है। स्टेट हाईवे 17.2 किलोमीटर की दूरी पर पूर्व दिशा में तथा नेशनल हाईवे 499.7 किलोमीटर की दूरी पर, निकटतम रेलवे स्टेशन भूपदेवपुर रेलवे स्टेशन है तथा निकटतम हवाई अड्डा झारसुगुड़ा है। परियोजना स्थल से 10 किलोमीटर की त्रिज्या की पर्यावरणीय परिवेश में बनारी नाला, राबो बांध, कुरकेट नदी, मांड नदी, तराईमाल आरक्षित वन,

उर्दना आरक्षित वन, सामारूमा आरक्षित वन, पानीखेत आरक्षित वन, सुहाई आरक्षित वन तथा लाखा आरक्षित वन शामिल है। महोदय परियोजना के ई.आई.ए. अध्ययन के दौरान 10 किलोमीटर के द्वोत्र में वायु, जल एवं मृदा गुणवत्ता तथा ध्वनि स्तर की जांच की गई है। 8 जगहों पसर वायु एवं जल की गुणवत्ता एवं ध्वनि स्तर तथा 5 जगहों पर मृदा गुणवत्ता की जांच की गई है। वायु, जल, मृदा एवं ध्वनि से जुड़े सारे मापदंड सी.पी.सी.बी. द्वारा निर्देशित मानकों के अनुरूप पाए गए हैं। महोदय प्रस्तावित संयंत्र के संचालन के दौरान वायु, जल एवं ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण के मुकम्मल इंतजाम किये जायेंगे। रोटरी किल्न से निकलने वाली उत्सर्जन गैसें पहले वेस्ट हीट रिकव्हरी बॉयलर से होकर गुजरेगी और ताप उर्जा के पुनः प्राप्ति के बाद ये गैसे उच्च दक्षता वाले इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रेसिपिटेटर से होकर निकलेगी ताकि उत्सर्जन गैसों में मौजूद ठोस कणों की मात्रा को 30 मिलीग्राम प्रति नार्मल घन मीटर से कम किया जा सके। इसके बाद उपचारित गैसों को 65 मीटर ऊची एक चिमनी के माध्यम से वायुमंडल में छोड़ा जाएगा जो ताकि उत्सर्जनों का प्रभावी रूप से फैलाव सुनिश्चित किया जा सके। इसी तरह इंडक्शन फर्नेस से निकलने वाले फ्यूजिटिव उत्सर्जन को हुड्स के माध्यम से खींचा जाएगा और वह उत्सर्जन एक फ्यूम एक्सट्रेक्शन सिस्टम से होकर गुजरेगा जिसमें बैग फिल्टर्स लगे होंगे। इसके बाद उपचारित गैसों को 30 मीटर ऊंची एक चिमनी के माध्यम से वायुमंडल में छोड़ा जाएगा। ए.एफ.बी.सी. बॉयलर से निकलने वाले उत्सर्जन गैसों को उच्च दक्षता वाले इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रेसिपिटेटर से होकर निकाला जाएगा। इसके अलावा वायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु अन्य उपाय भी किये जायेंगे जिसमें नियमित जल छिड़काव, वृक्षारोपण, पी.यू.सी. सर्टिफाईड ट्रक्स का इस्तेमाल आदि शामिल है। जल प्रदूषण नियंत्रण के मुकम्मल इंतजाम किये जायेंगे। प्लांट पूरी तरह से जीरो लिक्विड डिस्चार्ज पर आधारित रहेगा। पॉवर प्लांट से निकलने वाले अपशिष्ट जल का उपचार संयंत्र परिसर में स्थापित 100 के.एल.डी. क्षमता वाले ई.टी.पी. के माध्यम से किया जाएगा और उपचारित जल का उपयोग पानी के छिड़काव, धूल दमन तथा सिंचाई के कार्यों में किया जाएगा। मलजल के उपचार के लिए 35 के.एल.डी. की एस.टी.पी. की स्थापना की जाएगी। संयंत्र से निकलने वाले ठोस अपशिष्टों का निवारण भी विद्यमान नियम के अनुसार किया जायेगा। डी.आर.आई. किल्न से निकलने वाले डोलोचार को पॉवर प्लांट में उपयोग किया जायेगा, एस.एम.एस. स्लैग को मेटल रिकव्हरी के बाद निकट के ठेकेदारों को लैंड फिलिंग के लिए दिया जायेगा तथा पॉवर प्लांट एवं प्रोड्यूसर गैस प्लांट से निकलने वाले राख को ईट निर्माण के लिए उपयोग किया जायेगा। वायु एवं ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण के लिए प्लांट में 5.6 हेक्टेयर भूमि में वृक्षारोपण की जाएगी, जिसमें कुल 14700 पेड़ लगाए जायेंगे। पर्यावरण प्रबंधन के अन्य उपाय किये जायेंगे, जिसमें वर्षा जल संचयन, सोलर प्लांट की स्थापना पर्यावरण मानिटरिंग इत्यादि शामिल है। पर्यावरण प्रबंधन के लिए कुल 44.51 करोड़ रूपये खर्च किये जायेंगे। इसके अलावा 6.71 करोड़ रूपये प्रतिवर्ष इन संसाधनों के रख-रखाव के लिए खर्च किये जायेंगे। महोदय संयंत्र के स्थापन क्षेत्र के औद्योगीकरण को भी बढ़ावा मिलेगा और जिले के विकास में तेजी आयेगी। स्थानीय लोगो को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनो तरह से रोजगार के अवसर भी उत्पन्न होंगे। संचालन चरण के दौरान अनुमानित रूप से लगभग 830 व्यक्तियों को कुशल, अर्धकुशल और अकुशल श्रेणी में नियुक्त किया जायेगा। अर्धकुशल और

अकुशल श्रेणी में रोजगार के लिए स्थानीय जनसंख्या को प्रथमिकता दी जायेगी। इसके अलावा क्षेत्र के आधारभूत संरचना के विकास एवं आस–पास के लोगो के हितों में काम किये जायेंगे। सी.ई.आर. गतिविधि के लिए कुल 6.6 करोड़ रूपये खर्च किये जायेंगे जिसके लिए एक्शन प्लान आज जनसुनवाई में उपस्थित लोगो के सुझाव एवं मांगों को ध्यान में रखकर बनाया जायेगा। इसी के साथ मैं एक बार फिर से आप सब को यहां आने के लिए हार्दिक अभिनंदन करता हूँ और आप सबसे अनुरोध करता हूँ कि आप केलो स्टील एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड द्वारा ग्रीनफील्ड स्थल संयंत्र परियोजना को अपना अपार समर्थन देते हुए आज की इस जनसुनवाई को सफल बनाये। आप सब का बहुत–बहुत धन्यवाद।

तदोपरांत पीठासीन अधिकारी द्वारा परियोजना से प्रभावित ग्रामीणजनों/परिवार, त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों, जन प्रतिनिधियों, एन.जी.ओ. के पदाधिकारियों, समुदायिक संस्थानों, पत्रकारगणों तथा जन सामान्य से अनुरोध किया कि वे परियोजना के पर्यावरणीय प्रभाव, जनहित से संबंधित मुद्दों पर अपना सुझाव, विचार, आपत्तियां अन्य कोई तथ्य लिखित या मौखिक में प्रस्तुत करना चाहते है तो सादर आमंत्रित है। यहां सम्पूर्ण कार्यवाही की विडियोग्राफी कराई जा रही है।

इसके उपरांत उपस्थित जन समुदाय से सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणी आमंत्रित की गयी, जो निम्नानुसार है –

सर्व श्रीमती/सुश्री/श्री –

1. विपिन डनसेना, लाखा – माननीय महोदय को मेरा नमस्कार। यहा सभी कुर्सी को साफ करा दीजिये उसके बाद ही बोलने के लिये सुनिश्चित करें। हम 9 बजे से बैठे है। प्रबंधन को बोल चुके है।

   खीरसागर मालाकार – यहा पुलिस वाले अपने टोपी से पोछ लिये हमारे पास तो टोपी भी नहीं है सर कुर्सी को साफ करा दीजिये।

   विपिन डनसेना – हमारा निवेदन है कुर्सी साफ होना चाहिये। सफाई हो रहा है चलिये चालु करवाईये। मैं कुछ नहीं बोला हूँ दुबारा बोलुंगा।

2. सरोज कुमार गुप्ता, लाखा – आज लोकसुनवाई मेसर्स केलो स्टील प्राइवेट लिमिटेड ग्राम बरपाली तहसील तमनार जिला रायगढ़ पहली बार ऐसा लोकसुनवाई जिसमें कोई भी व्यवस्था नहीं ऐसे जनसुनवाई का मैं पूर्ण रूप से विरोध करता हूं। किलो डुबान में मेरा घर गया जमीन गया खेत गया खलिहान गया लेकिन किलो परियोजना से कोई लाभ नहीं हुआ लेकिन प्रदूषण से हमारे केलो डैम में मछली 2013 से 2023 तक में ठेका लिया था उसमें करोड़ों रुपया का नुकसान हमारी समिति को हुआ है जो कि समिति में 216 व्यक्ति जीवन यापन करने के लिए माननीय मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह ने 13 जनवरी 2013 को इसी ग्राम के समीप सरायपाली के विकास यात्रा में हमें 10 साल के लिए लीज और पट्टा दिया गया था उसे पट्टा से हम 10 साल तक क्या जीवन यापन करेंगे हम तो बर्बाद हो गए इसीलिए आज की लोक सुनवाई का मैं विरोध करने आया हूं इसलिए विरोध करूंगा क्योंकि यह अकेले इस्पात के नाम से प्लांट लग रहा है इसके

डायरेक्टर कौन है इसके मैनेजर कौन है यह तो हमें पता चले। किलो प्लांट का कोई व्यक्ति हमारे गांव में जाकर देखा ना पानी का व्यवस्था है ना सड़क का व्यवस्था है ना नाली की व्यवस्था है हम जहां माइक में बोल रहे हैं वहां पानी की व्यवस्था नहीं है इसलिए मैं विरोध कर रहा हूं। अगर पानी की व्यवस्था यहां नहीं होगी तब तक मैं यहां खड़ा रहूंगा। जनसुनवाई बंद कर दीजिए सर क्यों हमें धूप में तड़प रहे हो हम लोग अपने घर जा रहे हैं। स्पंज आयरन संगठन का अध्यक्ष है कमल अग्रवाल पूरे रायगढ़ में पानी की व्यवस्था कर रहा है तो यहां भी पानी का व्यवस्था होना चाहिए। केलो डुबान का गंदा पानी पी पी के आंख नाक से काला पानी निकल रहा है धन्यवाद पानी पिलाने के लिए। लोहे के उद्योग से प्रदूषण वायु प्रदूषण कोयला आधारित डी आर आई किलन की प्रक्रिया से कार्बन डाइऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड एवं अन्य हानिकारक गैसों का उत्सर्जन होता है तो इस रायगढ़ जिले में भारत सरकार ने राते लाइट अलर्ट कर दिया है रायगढ़ जिला और झारसुगुड़ा तो यहां नया जितना लगा है उतने का हम लोग डस्ट नहीं खा पा रहे हैं तो और नए उद्योग का कितना डस्ट खाएंगे सर। लोहे की प्रक्रिया से निकलने वाले धूल के कारण से सांस लेने की समस्याएं दमा और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं हो रही है। सरायपाली गांव में सर्वे कराया जाए तो वहां सिलिकोसिस नामक गंभीर बीमारी होता है इसके बावजूद यहां नया उद्योग लग रहा है तो यह छत्तीसगढ़ का दुर्भाग्य है सर। उद्योग से निकलने वाले अपशिष्ट जल से भारी धातु एवं अन्य रसायन होते हैं जो जलीय जीवन को प्रभावित करते हैं। सरायपाली तालाब जाकर देखिए अगर वह नहाने योग्य है मवेशियों को पिलाने योग्य है तो आप इस जनसुनवाई को समर्थन कीजिए अन्यथा बंद कर दीजिए सर। जल प्रदूषण से इतना केवल जलीय जीवन बल्कि मनुष्य के लिए भी बहुत खतरनाक हो रहा है सर इस जल का उपयोग पानी और भोजन में हो रहा है आज मैं यहां कुआं का पानी लाऊं तो आप उसका पानी पियेंगे क्या कर उसका पानी पीने योग्य नहीं है। फलाई ऐश का निपटान अच्छे तरीके से नहीं किया जा रहा है। 2003 से 2025 हो गया आज फ्लाइ ऐश से पूरा रायगढ़ जिला प्रदूषित हो रहा है इस कारण नया उद्योग ना लगे सर प्रार्थना है। मृदा प्रदूषण से फसलों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है जिससे खाद्य सुरक्षा का खतरा बढ़ रहा है। रायगढ़ इस्पात की डस्ट के कारण देलारी गांव में फूलगोभी नहीं मिल रहा है। फूल गोभी का रंग काला हो चुका है कुछ और में फूलगोभी 100 रूपये किलो मिलता है तो देलारी का फूल गोभी 20 रूपये किलो बिकता है। लोहे के उद्योग से होने वाले प्रदूषण को कम करने का उपाय किसी उद्योग द्वारा नहीं किया गया है। रात के 10:00 से सुबह 6:00 तक किसी भी उद्योग में ईएसपी नहीं चलाया जा रहा है। अधिकारी हेतु सर्वे कराया मैं आपको रात में दिखा दूंगा लाखा की गांव में कितना डस्ट जमता है हमारा सफेद शर्ट काला हो जाता है। पर्यावरण पर लोहे के का प्रभाव नियमित रूप से कम करने के लिए उद्योग द्वारा कोई कार्य नहीं किया गया है क्यों नहीं किया गया है उद्योग संघ का अध्यक्ष है कमल अग्रवाल क्यों नहीं किया गया उसके द्वारा निर्देश दियां जाता तो रायगढ़ प्रदूषण मुक्त होता है जब अध्यक्ष के प्लांट से काला धुआं निकलेगा तो बाकी प्लांट का कैसे नहीं निकलेगा। 1, 2, 3, 4 उद्योग लगाए तो मैं

इसका समर्थन किया लेकिन आज मैं इसका विरोध करता हूं। गांव की विकास के लिए समर्थन किया था ना लाखा गेरवानी में काम हुआ है आज तक से सी एस आर का काम रायगढ़ इस्पात द्वारा नहीं किया गया। अगर किया गया है तो कौन से ग्राम पंचायत में कितने लाख रुपए का काम किया गया है हमें बता दें। उसे प्लांट में एक एंबुलेंस की भी व्यवस्था नहीं है ना रोड की व्यवस्था है आज आप लोग आए हो तो मिट्टी पाटा गया है कल उसी रोड के गड्ढे में मेरा कार टूट गया है हजारों रुपए खर्च हुआ है मेरा। 12 टन के सड़क में 100 टन की गाड़ी चल रही है चाहे नवदुर्गा रूपनाधाम रायगढ़ इस्पात की हो। आप लोग आओगे तो रोड चिकना हो जाएगा फिर कल सुबह इस रोड में गड्ढा हो जाएगा वहां पर आसपास स्कूल है उसी रोड में बच्चे आ जा रहे हैं जिससे डेली एक्सीडेंट हो रहा है और नुकसान हो रहा है आज तक वह रोड नहीं बना 100 मी रोड को तो उद्योग मिलकर डामर लगा सकते हैं मुख्यमंत्री प्रशासन सभी से निवेदन करके थक गए। स्कूल के बच्चे वहां चक्का जाम करते हैं हर साल हाई स्कूल के सामने इसी उद्योग के सामने वहां गड्ढा हो रहा है अगर 12 टन की गाड़ी चले तो एक भी गड्ढा नहीं होगा प्लांट की गाडी 100–100 टन क्यों चल रही है इस सड़क में गाड़ी ना चले। जब उद्योग वाले उद्योग लगा सकते हैं तो अपना रोड भी बन सकते हैं। उर्दना से पूंजीपथरा तक ऐसा एक दिन भी ना हो जब रोड एक्सीडेंट में एक आदमी ना मरे। थाना में रिपोर्ट भी नहीं हो रहा है। इतना नुकसान होने के बाद और नए उद्योग लगाने की अनुमति न दें इस जनसुनवाई को निरस्त कर दें। पूरा रायगढ़ में एक ही उद्योगपति थोड़ी है जो एक ही आदमी प्लांट लगाते रहेगा और भी उद्योगपति हैं। रायगढ़ इस्पात सन स्टील अच्छा है परंतु यहां प्लांट लगाने से इस क्षेत्र की जंगली जीव जंतु कहां जाएंगे। दलाल लोगों को यहां से भगाओ। आज एक भी व्यक्ति समर्थन नहीं करेगा मैं यहां खड़ा हूं 10 बजे तक चलेगा। आज केवल विरोध के लिए व्यक्ति यहां आए हैं और नया उद्योग ना लगे इसलिए विरोध करने आए हैं। अभी हमारी क्षेत्रीय विधायक लैलूंगा की आने वाली है वह भी विरोध करेंगे। विधायक विरोध करेगा तो उद्योग कैसे लगेगा। इतनी घनी जंगल में उद्योग लगाने का अनुमति कैसे मिला। महुआ, तेंदू, चार सभी गया। तेंदू का पत्ता नहीं मिल रहा है। कल डस्त के कारण तेंदु पत्ता व्यापारी हर साल नुकसान उठा रहा है इसलिए तेंदूपत्ता बंद हो गया है। हम लोग डोरी का तेल भी नहीं पा रहे हैं। हम लोग गांव के आदमी हैं चार, महुआ, डोरी से अपना घर चलाते हैं। माननीय पीठासीन अधिकारी पर्यावरण अधिकारी महोदय से निवेदन है रात में गस्त कीजिए कि कौन से प्लांट का ईएसपी चल रहा है और किसका नहीं चल रहा है। मैं सबूत के लिए साथ में खड़ा रहूंगा किसी भी उद्योग में जाऊंगा। 23 साल से हमने उद्योग का समर्थन किया लेकिन अब उद्योग के लिए जगह नहीं है। मैं लाखा गांव का गोटिया था मेरे पास 125 एकड़ जमीन था आज 1 एकड़ नहीं है। मेरे जमीन में केलो बांध बना उस पानी का प्रयोग केवल उद्योग वाले कर रहे हैं। किसान कुशहाल होता तो मैं इस कंपनी का विरोध नहीं करता उसे बांध का पानी किसान तक नहीं पहुंच रहा है। मैं घर से बेघर हूं केवल विनाश हुआ है विकास नहीं हुआ है विकास का रास्ता बताइए सर। जो किसान खेती करते थे आज फैक्ट्री

का डस्ट खाने के लिए मजबूर है। इस जंगल में चार तेंदू महुआ देखने को नहीं मिल रहा है। यहां महुआ के पेड़ को काटकर उद्योग लगाया गया है यहां इतना पेड़ है कि उसे काटकर उद्योग नहीं लगाया जा सकता। मैं आपको दंडवत प्रणाम कर रहा हूं कि रायगढ़ जिले में और उद्योग लगाने की अनुमति न दें किसान के लिए कुछ योजना लाइए किसान के लिए धान की फैक्ट्री लगाइए लोहे की फैक्ट्री बंद करके अन्य फैक्ट्री लगाइए मैं पूरा समर्थन करूंगा मैं डस्त के लिए कभी समर्थन नहीं करूंगा। सुनील स्पंज, ओम श्री रुपेश, अग्रोहा यह सब का विरोध किया आज केलो स्टील का भी विरोध करने आया हूं। केलो डैम यहां से 10 किलोमीटर दूर है और राबो दम का इसमें उल्लेख ही नहीं है। दो डैम के बीच में फैक्ट्री लगाओगे तो कहां से विकास होगा यह तो विनाश है यह तो जल का दोहन कर रहे हैं केलो और राबो दोनों डैम से पानी लेंगे जिंदल वाला महानदी से पानी ला रहा है। रायगढ़ इस्पात कहां पर डैम बनाएगा। कुआं का पानी यहां पर मिलना चाहिए ना की पूछ वाला पानी बांटना चाहिए। इस जनसुनवाई को तत्काल निरस्त कर दीजिए। आज केवल विरोध है कोई समर्थन में नहीं है। हमने ओम श्री रुपेश का विरोध किया था एक साल तक प्लांट नहीं लगा। हमने सुनील स्पंज का विरोध किया था धरना दिया था 400 लोगों ने लेकिन पीछे से आकर लोगों ने समर्थन दे दिया आज प्लांट प्रदूषण फैला रहा है। रायगढ़ जिले में और जमीन नहीं बचा है जो जमीन है वह वन भूमि है उसमें केवल वृक्ष लगाने हैं। लोहे की उद्योग को छोड़कर अन्य उद्योग लगाने से मेरा समर्थन है। केलो स्टील ने ग्रीन फील्ड परियोजना का प्रसाद दिया है जिसमें स्पंज आयरन बिलेट स्टील फेरो एलॉय फलाई एस के लिए गिविंग निर्माण सुविधाओं की स्थापना की जाएगी। इसके साथ ही कैपटिव पावर प्लांट की स्थापना की जाएगी जिसमें वेस्ट हीट रिकवरी बॉयलर यह परियोजना ग्राम बरपाली तहसील तमनार जिला रायगढ़ छत्तीसगढ़ में स्थित होगी सरायपाली रोड परियोजना स्थल से सटी हुई है निकटतम रेलवे स्टेशन भूदेवपुर है। परियोजना स्थल से लगभग 6.6 किलोमीटर दक्षिण पश्चिम दिशा में स्थित बरपाली ग्राम प्रस्तावित परियोजना की सीमा से 600 मी पूर्व दिशा में स्थित है महाद्वारी परियोजना मंदिर से 2.2 किलोमीटर दक्षिण पूर्व में स्थित है संचालन के लिए किसी भी निवास स्थान पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। कैसे प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा सर बरपाली इससे नजदीक है तो कैसे प्रभाव नहीं पड़ेगा। तमनार परियोजना स्थल से 16 किलोमीटर उत्तर पूर्व दिशा में स्थित है निकटतम हवाई अड्डा सुरेंद्र हवाई अड्डा झारसुगुड़ा जो परियोजना से लगभग 78 किलोमीटर पूर्व दिशा में स्थित है रबो डैम परियोजना स्थल से 3 किलोमीटर में स्थित है और कैलोरीम 10 किलोमीटर पूर्व दिशा में स्थित है संयंत्र क्षेत्र में कोई भी नदी नहर नहीं है संयंत्र क्षेत्र में कोई भी गांव मानव बस्ती नहीं है इस क्षेत्र की जलवायु शुष्क और तापमान से अत्यधिक परिवर्तन होता है संयंत्र क्षेत्र से 5 किलोमीटर के भीतर कोई भी राष्ट्रीय उद्यान नहीं है। जो डैम बना है 855 हेक्टेयर में पानी भरा हुआ है 2256 एकड़ में सुख है क्योंकि सभी उद्योग वाले पानी को खींच ले रहे हैं अगर उसमें पानी रहता तो आज पुसौर और रायगढ़ क्षेत्र में संचित होता लेकिन सभी उद्योग द्वारा पानी खींच लेने से डैम का पानी सूख गया है उसके कारण 10 साल से जो मछली हम

पाल के रखे थे वह आज अमृत अवस्था में है फ्लाई ऐश डस्त के कारण। आज केवल विरोध है एक भी समर्थन नहीं होगा इसलिए आज के लोकसुनवाई को निरस्त कर दिया जाए। परियोजना में 47 मेगावाट बिजली की आवश्यकता है जिसमें से 32 मेगावाट पावर प्लांट से पूरी की जाएगी और 15 मेगावाट राज्य से सीएसपीडीसीएल से ली जाएगी। हम 9:00 से अपना बात बोलने के लिए बैठे हैं और अभी आकर इन लोग नेतागिरी करेंगे तो नहीं चलेगा। स्पंज आयरन स्टील निर्माण प्रक्रिया में जल प्रक्रिया वाटर की आवश्यकता नहीं होगी पानी केवल कुलिंग पर्पस के लिए लिया जाएगा दैनिक ताजा पानी की आवश्यकता 18.45 केएलडी होगी पानी कुरकुट नाला और राबो डैम से लिया जाएगा इसके लिए संबंधित प्राधिकरण से सम्मति प्राप्त की जाएगी। अभी तक राबो डैम से अनुमति नहीं लिया गया है तो प्लांट कैसे लगेगा। कुल जनसंख्या 52211 कुल परिवारों की संख्या 12973 औसत परिवार 4.02 प्रति गांव औसत परिवारों की संख्या 351 प्रति गांव औसत जनसंख्या 1411 लिंगानुपात प्रति हजार पुरुषों पर महिलाएं 984 कुल जनसंख्या में पुरुष जनसंख्या का प्रतिशत 18.40 कुल जनसंख्या में महिला जनसंख्या का प्रतिशत 49.7 कुल जनसंख्या में अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या 1284 कुल जनसंख्या में अनुसूचित जाति का प्रतिशत 14.98 कुल जनसंख्या में साक्षर जनसंख्या का प्रतिशत 64.02 फूल जनसंख्या में पुरुष साक्षरता प्रतिशत 26.82 प्रतिशत है। जनसुनवाई को तत्काल निरस्त कर दीजिए। नया उद्योग लगने की अनुमति नहीं दीजिए जितना उद्योग लगा है उसको पालन करवा लीजिए। आज की जनसुनवाई को किसी भी व्यक्ति ने समर्थन नहीं कर दिया है इसे तत्काल निरस्त कर दीजिए। विरोध करने वालों का गेट में साइन दिया जा रहा है क्यों साइन लेंगे 403 प्लाट आवंटन हुआ है 403 लोगों के यहां विरोध करेंगे आज केलो के नाम पर परियोजना लग रहा है इसलिए लाखा के 403 परिवार यहां विरोध करने आए हैं केलो के नाम से प्लांट नहीं लगता तो हमारे लाखा वालों को पीड़ा नहीं होता। गेट के पास जो साइन दिया जा रहा है उसे बंद करवाइए सर हमारे लाखा के 403 परिवार आए हैं। चेकिंग करने के पश्चात अंदर आने दे रहे हैं मेरा भी चेकिंग हुआ है तो वहां साइन किस चीज का ले रहे हैं केलो परियोजना सरकार का है कमल अग्रवाल का नहीं जो प्लांट लगाएगी और हमें घर से बाहर निकालेगा। केलो नदी पर किलो बांध किस के फसल उत्पादन के लिए बना था लेकिन यहां तो उद्योग वालों को फायदा हो रहा है, उद्योग ही पानी ले रहा है किस को पानी नहीं मिल रहा है मैंने रात 10 बजे बजे तक जनसुनवाई किया हु, विरोध किया हूं। ग्राम गेरवानी में मुनादी नहीं हुआ है, न हीं ग्राम पंचायत में सूचना दी गई है जबकि 45 दिन पहले मुनादी होना चाहिए एवं ग्राम पंचायत में सूचना देना चाहिए 10 किलोमीटर के रेडियस के अंदर जितनी भी गांव आते हैं उनमें। किसी भी ग्राम पंचायत में ई आई ए रिपोर्ट उपलब्ध नहीं कराया गया है। ग्राम गेरवानी में मुनादी नहीं हुआ है वहां 1500 की जनसंख्या है अगर मुनादी हुआ रहता तो कम से कम 500 लोग समर्थन या विरोध करने आते लेकिन कोई नहीं आया है गेरवानी से, लाखा से 403 परिवार विरोध करने आए हैं समारूमा से भी विरोध करने आए हैं फिर क्यों जनसुनवाई को चालू किये हो इसे बंद कर दो। आसपास के सभी गांव में किसी प्रकार

का कोई कार्य उद्योग द्वारा नहीं कराया गया है। अगर कोई आज यहां समर्थन नहीं करते हैं तो क्या उद्योग लगेगा कि नहीं लगेगा यह बता दीजिए सर।

पीठासीन अधिकारी – दूसरे लोगों को मौका मिलेगा तब तो बात रिकॉर्ड में आएगा कौन विरोध कर रहा है कौन समर्थन कर रहा है।

सरोज कुमार गुप्ता – गेरवानी में कब मुनादी किया गया है।

पीठासीन अधिकारी – आप अपनी बात को रखिए।

सरोज कुमार गुप्ता – मैं अपनी बात तो रख रहा हूं सर की गेरवानी पंचायत में कब मुनादी कराया गया। उसका डेट और समय बता दीजिए गेरवानी का कोटवार इसी पंडाल में है कब उसकी सूचना दिया गया है आपके पर्यावरण विभाग से कब मुनादी कराया गया है बता दीजिए। किसी गांव में मुनादी नहीं हुआ है तो लोग कहां से आएंगे सर पीठासीन अधिकारी और पर्यावरण अधिकारी का यह जवाबदेही है कि 10 किलोमीटर रेडियस में सभी गांव में जनसुनवाई हो और उसका वीडियोग्राफी हो डेट और समय बताया जाए और गांव के लोगों का पंचनामा में हस्ताक्षर हो कि इस दिन को मुनादी हुआ है। ग्राम गेरवानी में अगर मुनादी हुआ रहता तो वहां के लोग आते हैं हर जनसुनवाई में गेरवानी के लोग सबसे ज्यादा उपस्थित होते हैं वे लोग यहां उपस्थित क्यों नहीं है, लाखा मैं भी मुनादी नहीं हुआ है। गांव के लोगों को सूचना नहीं है उद्योग में काम करने वाले कर्मचारी यहां आए हैं बिना आधार कार्ड के यहां समर्थन विरोध न कराया जाए मैं भी अपना आधार कार्ड दिखाता हूं सर। कौन बाहरी है कौन 10 किलोमीटर के रेडियस का है पता चल जाएगा उद्योग के कर्मचारियों को समर्थन के लिए यहां लाया जा रहा है। केलो परियोजना में हमारी मछली का क्या होगा यह बता दीजिए अगर नहीं होगा तो सालाना मेरे से 5 लाख रुपया क्यों ले रहा है कलेक्टर रायगढ़ के द्वारा कपिल बछवा सहकारी समिति मर्यादित कसडोल पंजीयन क्रमांक 1169 से हर साल 5 लाख रुपया लिया जा रहा है सर उसको छूट करवाइए, काला डस्त के कारण मछली नहीं मार पा रहे हैं। डैम में पानी नहीं है काला डस्त के कारण मछली मर रहा है तो मछली पालन के नाम से मछली पालन रायगढ़ द्वारा सालाना 5 लाख रुपया लिया जा रहा है तो उसे बंद करवाइए। 216 परिवार केलो डैम से प्रभावित है 216 सदस्य हैं 36 गांव के सदस्य हैं उसमें। प्रदूषण के कारण में मछली नहीं है डैम का पानी किसानों को नहीं मिल रहा है केवल उद्योग को दिया जा रहा है केलो डैम किसके लिए बनाया गया है जब उद्योगों के लिए बनाया गया है तो लाखा और दनोट गांव को विस्थापित नहीं करना था। केलो डैम में लाखा के 403 परिवार दनोट के 417 परिवार प्रभावित है। इस केलो के नाम से केलो स्टील एंड प्राइवेट लिमिटेड प्लांट बनाया जा रहा है मैं इसका पुरजोर विरोध करता हूं। केलो के नाम से जो प्लांट लगा है उसका नाम चेंज करवा दो मेरे दादा परदादा वहां निवासरत थे। 1975 से वहां डैम बनेगा बोल रहे थे पांच पांच मुख्यमंत्री भूमि पूजन कर चुके लेकिन कोई बांध नहीं बनाया लेकिन 2008 में छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री माननीय डॉक्टर रमन सिंह 3 जनवरी 2008 को भूमि पूजन किया और 12 जून 2012 को बांध बनकर तैयार

हो गया 2012 से हम लोग बेघर है। कमल अग्रवाल कौन होता है केलो के नाम से प्लांट लगाने वाला क्या उसका जमीन गया है घर गया है उसका कोई हानी हुआ है हानी तो मेरा हुआ है मेरे नाम से प्लांट लगना चाहिए। लुड़ेग पर्वत से किलो नदी उत्पन्न होकर 65 किलोमीटर की यात्रा करके रायगढ़ होते हुए कनकतूरा के पास महानदी में विलय हुआ है उदय कुमार थवाईत केलो के नाम से पेपर चलता है उसका मैं स्वागत करता हूं लेकिन केलो के नाम से प्लांट लगाएगा तो मैं उसका विरोध करूंगा। कमल फैक्ट्री कर देता है क्या फैक्ट्री की जगह नाम को किया अगर मलिक का नाम कमल अग्रवाल है तो कमल स्टील प्राइवेट लिमिटेड करता दिल्ली सुप्रीम कोर्ट तक जाकर मैं इसका विरोध करूंगा। केलो का अगर सच्चा सबूत है तो स्वर्गीय श्री हरिराम गोटिया स्वर्गीय श्री गंगाधर गोटिया केलो का नामकरण को ऑलरेडी हो चुका है स्वर्गीय राजा दिलीप सिंह जूदेव के नाम से परियोजना का नाम है सर, केलो का नाम अगर होगा तो उस गांव के गोटिया सरोज गोटिया के नाम पर होगा ना कि कमल अग्रवाल के नाम पर होगा। कमल अग्रवाल सरिया से आया है कमाने खाने और रायगढ़ में उद्योग लगाया है तो उसको गंगा या महानदी गंगा के नाम से लगाना था क्योंकि वह सरिया का है सरिया से आया है कमाने खाने और नाम दे रहा है केलो स्टील और केलो जिससे लाखा वाले डूबे हैं उनको कोई उनसे परख किया क्या व्यवस्था है कैसे जीवन यापन हो रहा है उद्योग प्रबंधन द्वारा विस्थापित गांव में कभी गए हैं क्या वहां क्या व्यवस्था है देखें है क्या। आप पर्यावरण अधिकारी हो सभी गांव में जाते हो कभी नया लाखा या नया दनोट गए हो क्या केलो स्टील नाम को तत्काल चेंज करें क्योंकि केलो का सच्चा सबूत मेरे दादा परदादा है गांव उजड़ जाने का दर्द उस गांव के गोटिया को पता होता है आप लोग क्या जानोगे मेरा वहां कितना आम का पेड़ था महुआ का पेड़ था चार का पेड़ था जमीन खेत और घर था मेरा तो सब कुछ गया तो सरकार ने जो डुबाया वो तो डुबाया प्लांट वाले भी केलो के नाम से प्लांट लगाकर हमारे केलो को बदनाम कर रहे हैं केलो स्टील नाम का विरोध है यह तत्काल चेंज हो उद्योग प्रबंधन से बात करके बताइए सर उसका नाम के केलो क्यों रखा। जिस उद्योग का हमने विरोध किया उसमें आज कौन सा टीएमटी बनता है मालूम है सर आपको वास्तु टीएमटी पंच धातु से निर्मित सोना चांदी तांबा पीतल वास्तु टीएमटी बनता है। केलो स्टील फैक्ट्री लगाएगा तो क्या बनाएगी फ्लाई ऐश बनाएगा की सोना चांदी बनाएगा की धान को उपज करेगा कि गेहूं का उपज करेगा यह केवल फ्लाई ऐश फैलाएगा जहर भी फैलाएगा आप जान रहे हैं रायगढ़ जिला रेड जोन में है। प्रदूषण के मामले में रायगढ़ जिला पूरे भारत में तीसरे नंबर पर आ गया है। आज के लोकसुनवाई को यही स्थगित किया जाए इसका नाम चेंज कराया जाए फिर जनसुनवाई कराया जाए। जब तक नाम चेंज नहीं होगा तब तक मैं यहां से नहीं हटूंगा चाहे रात के 10:00 बज जाए नाम चेंज होगा तो चला जाऊंगा। मैं जब पैदा नहीं हुआ था तब से किलो प्रवाह चल रहा है सर का संस्थापक है उदयराम थवाईत रायगढ़ जिले का सबसे अच्छा समाचार पत्र है तो केलो प्रवाह है सर तो क्या यह एक नंबर का उद्योग बनेगा मैं इसका विरोध करता हूं नाम को चेंज करें नाम से क्यों केलो के नाम से प्लांट खोल रहा है। केलो से

लाखा दनोट डूब गया उसके नाम से तू प्लांट लगा ले। केलो डुबान से हम लोग आश्रित ग्राम नया लाखा में बसे है सर। लाखा वालों का कोई मान सम्मान नहीं है क्योंकि यह लोग डूब गए उनके नाम से प्लांट लगा लो नाम चेंज होगा कि नहीं बताइए सर उद्योग प्रबंधन से पूछ लीजिए सर नाम चेंज होगा कि नहीं केलो स्टील की जगह कमल स्टील हो जाए मुझे आपत्ति नहीं है लेकिन केलो स्टील में मुझे आपत्ति है क्योंकि हमारे दादा परदादा उसे पानी में डूबे हुए हैं। 13 जनवरी को किलो आरती होता है रायगढ़ के राजा पारा किलो जहां उत्पन्न हुआ है लुड़ेग के पास वहां भी केलो आरती होता है उसके नाम से प्रदूषण केलो के नाम को डूबायेगा यह उद्योग प्रबंधन इसलिए मुझे आपत्ति है इसलिए इसे तत्काल निरस्त करिए। लाखा और दनोट को पूछा है क्या अपने नाम से कैसे नाम केलो स्टील कर दिया। केलो नाम से हमें विरोध इसलिए लाखा वाले आए हैं 403 परिवार। न ही लाखा में कभी कोई व्यवस्था नहीं कराया है 14 वर्ष के वनवास के दौरान श्री राम लाखा के लक्ष्मण चरण पादुका है उसमें एक इट नहीं रखवाया है न ही कभी चंदा दिया है तो उसके नाम से कैसे प्लांट रखेगा। श्री लक्ष्मण चरण पादुका मंदिर में कभी माथा नहीं टेके हैं ना ही उसमें कभी मंदिर बनाया है इन लोग कभी वहां भव्य मंदिर बनाएंगे क्या यह केवल विनाश करते हैं। जब आज तक मंदिर को नहीं बनवाया जो केलो नदी के किनारे स्थित वह मंदिर है फिर क्यों केलो नदी के नाम पर प्लांट रखेगा। केलो प्लांट लगाने से पहले लक्ष्मण चरण पादुका में भव्य मंदिर बने चाहे पांच करोड रुपए भी क्यों ना लगे नहीं तो इसे तत्काल निरस्त किया जाए। भगवान के नाम से एक ईट नहीं दे सकता और भगवान के चरण पादुका के किनारे ही प्लांट लगाएगा केलो के नाम से क्यों प्लांट लगा रहा है कमल अग्रवाल के नाम से प्लांट लगाए हम 403 परिवार यहां इसका विरोध करने आए हैं क्या उसे हानी हुआ है क्या उसका जमीन गया है क्या उसके दादा परदादा शहीद हुए हैं क्यों वह केलो स्टील के नाम से प्लांट लगाएगा बताइए सर मुझे। हमारे बीच में लैलूंगा विधायक विद्यापति सिदार भी विरोध करने आई हैं इनका जोरदार तालिया से स्वागत करिए। 11:00 बजे से एक भी समर्थन नहीं हुआ है सर तत्काल इसे निरस्त कीजिए। सभी गांव वाले विरोध कर रहे हैं इसके बाद यदि आप इसको अनुमति दे रहे हैं तो आप धन्य है। 2003 से किसी भी जनसुनवाई में विधायक नहीं आए हैं आज विधायक विरोध करने आए हैं तो इसी तत्काल निरस्त होना चाहिए। 11:00 बजे से एक भी समर्थन नहीं हुआ है बस विरोध हुआ है तो क्यों फैक्ट्री लाने की अनुमति दे रहे हैं धन्य है पर्यावरण अधिकारी धन्य है पीठासीन अधिकारी। मैं इसका पुरजोर विरोध करता हूं। मुझे पीड़ा हो रही है मेरे दादा पिताजी वहां शहीद हुए हैं मेरे दादा ने वहां 50 आम के पेड़ लगाए थे आज कोई भी पेड़ जीवित नहीं है सभी पेड़ डूब गए 2012 से कमल अग्रवाल लाखा ग्राम में कितना पेड़ लगाया है यह बता दीजिए अगर पेड़ नहीं लगाया गया है तो केलो और राबो डैम का पानी कैसे ले रहा है। यह सरिया के सेठ साहूकार है रायगढ़ आए रायगढ़ में प्लांट लगाया है और रायगढ़ तमनार क्षेत्र धुल डस्ट खा रहा है इसलिए आपसे निवेदन है जनसुनवाई को बंद कर दीजिए कोई समर्थन नहीं है बस विरोध है। ग्राम लाखा और गेरवानी में मुनादी नहीं हुआ है केलो स्टील नाम क्यों रखा

गया है यह भी बता दीजिए क्या उद्योग प्रबंधन नहीं है यहां पर यदि है तो पूछिए यहां पर। बाकी जनसुनवाई 1:00 तक हो जाता है 500 लोग समर्थन करके चले जाते हैं। कोई भी समर्थन नहीं कर रहा है तो समझ लीजिए उद्योग कितनी मनमानी कर रहा है 70 स्पंज उद्योग का अध्यक्ष है कमल अग्रवाल। क्या कमल अग्रवाल का जमीन गया है घर डूबा है नहीं डूबा है तो वह क्यों केलो नाम से प्लांट लगा रहा है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय दिलीप सिंह जूदेव के नाम से परियोजना का नाम रखा था तो कमल अग्रवाल मुख्यमंत्री से भी बड़ा हो गया क्या। किलो की सच्ची श्रद्धांजलि मेरे दादा परदादा है। केलो स्टील नाम क्यों रखा नहीं रखा होता तो मैं लाखा से विरोध करने नहीं आता। ओम श्री रुपेश का जाल सनी रात 10:00 बजे तक हुआ है। जब तक केलो स्टील का नाम चेंज नहीं होगा तब तक मैं यहां धरना दूंगा। मुझे गिरफ्तार कराए हथकड़ी लगाये लेकिन मैं केलो के नाम पर प्लांट लगने नही दूंगा। बार–बार निवेदन कर रहा हूं सर इसे बंद कर दीजिए एक घंटा हो गया सर एक भी आदमी समर्थन नहीं किया है केवल विरोध ही किए हैं अपनी उच्च अधिकारी को अवगत करें कि केलो स्टील के नाम से विरोध हो रहा है लाखा वाले गेरवानी तरायमाल वाले विरोध करने आए सभी गांव से सभी नागरिक आए हैं सभी विरोध करने आए हैं अगर समर्थन करने आते तो मैं यहां विरोध करने नहीं आ पाता मैं 9:00 बजे से यहां हूं पंडाल नहीं बना था तब से यहां नीचे बैठा हूं क्योंकि मुझे पीड़ा है केलो स्टील के नाम से। सच्चे सपूत है तो स्वर्गीय रामकुमार जो रायगढ़ की विधायक रह चुके हैं उनके नाम से केलो बनना चाहिए उनके नाम से नहीं हुआ कोई बात नहीं केलो प्रवाह जो की रायगढ़ का दैनिक समाचार पत्र है उदयराम थवाईत जो की 80–90 वर्ष से पेपर छप रहा है रायगढ़ का केलो प्रवाह छपता है इस किलो प्रवाह में केलो स्टील की जनसुनवाई का समाचार छपी है और केलो डुबान लाखा वालों को पूछा तक नहीं है हमको पता भी नहीं है कि हमारे नाम से प्लांट लग रहा है ना हमें मुनादी से सूचना दी गई है किसी भी ग्राम में मुनादी नहीं हुआ है न ही सूचना दी गई है गुपचुप तरीके से जनसुनवाई किया जा रहा है किस कारण इसका पुरजोर विरोध है। आपका पैर छूकर निवेदन कर रहा हूं इसको निरस्त कर दें। मेरे दर्द को समझिए इसका जमीन गया खेत खलियान गया फलदार पेड़ गए 125 एकड़ के खेत में। पहले कलेक्टर हमारे फार्म हाउस में आते थे 1952 की बात बता रहा हूं 1962 में चकबंदी हुई है उसे समय से केलो पर योजना बने को है लेकिन कभी नहीं बना। 1968 में पहले प्राथमिक शाला लाखा में बना है तब से केलो बांध बनेगा बोल रहे हैं लेकिन बांध बन गया रायगढ़ क्षेत्र के खरसिया क्षेत्र के लोगों को पानी दो कि केवल उद्योग वालों को ही केलो बांध का पानी मिलेगा। जितना उद्योग को प्राथमिकता देते हो उतना एग्रीकल्चर को प्राथमिकता दो उद्योग को बोलो कि वह फ़लदार वृक्ष लगाए केला संतरा यह सब का पेड़ लगाए इससे भी उत्पादन करके कमा सकता है की खाली फलाई ऐश और धूल धुआ उड़ाएगा। जितना क्षेत्र में उद्योग लग रहा है उतना क्षेत्र में इसे फ़लदार वृक्ष लगाने के लिए बोलो। केलो स्टील को तत्काल निरस्त कर दीजिए अन्यथा मुझे हथकड़ी पहनाकर कर जेल भेज दीजिए। मांड नदी महानदी के नाम से उद्योग लगाए नाम से मुझे विरोध है। कमल अग्रवाल क्या रमन

सिंह से बड़ा हो गया जो की विधानसभा अध्यक्ष है और पूर्व मुख्यमंत्री है यह बांध के नाम से प्लांट लगा रहा है केलो स्टील। जब तक सरोज गोटिया यहां खड़ा है तब तक कोई समर्थन नहीं करेगा मुझे हथकड़ी पहनाकर कर जेल भेज दीजिए। मुझे केलो के नाम से आपत्ति है। केलो स्टील के नाम से प्लांट लगाना है तो मुझे मरवा दीजिए मैं जब तक स्वर्गीय नहीं होऊंगा तब तक केलो के नाम से प्लांट लगने नहीं दूंगा। अगर मैं आज मरता हूं तो इसका हकदार कमल अग्रवाल होगा क्योंकि 9:00 बजे से मैं विरोध कर रहा हूं और मुझे कोई जवाब नहीं मिल रहा है मुझे कितना पीड़ा हो रहा है मैं जान रहा हूं आप लोग कुछ समझ नहीं रहे हो। मांड नदी महानदी के नाम से उद्योग लगाना था केलो के नाम से प्लांट क्यों लग रहा है केलो बांध भी किलो के नाम से नहीं है स्वर्गीय श्री दिलीप सिंह जुदेव के नाम से है। केलो का सच्चा सपूत मैं हूं ना कि कमल अग्रवाल है। 9:00 बजे से मैं विरोध कर रहा हूं सरोज गोटिया के साथ पूरा रायगढ़ एवं लैलूंगा विधायक भी साथ में है। 2003 से कोई भी विधायक जनसुनवाई में नहीं आए हैं लेकिन आज आए हैं केलो स्टील का विरोध है इसे निरस्त कर दीजिए आपसे निवेदन है कमल अग्रवाल जो केलो स्टील के डायरेक्टर है मेरी बात को सुन रहे हैं तो माइक में आ जाए नहीं तो मैं नहीं हटूंगा, उसको मेरे को पूछना है कि केलो स्टील नाम कैसे रख रहा है क्या उसकी जमीन डूबा है क्या उसका पेड़ पौधा डूबा है क्या उसके घर डूबा है मेरे पिताजी का आत्मसम्मान डूबा है। 1988 में गेरवानी पंचायत से विभाजित होकर लाख चिराईपानी और पाली ग्राम पंचायत बना जिसका पहला नागरिक स्वर्गीय श्री गंगाधर गोटिया मेरे पिताजी थे उसका पुत्र हूं मैं आज। केलो स्टील एंड पावर लिमिटेड के नाम का मुझे विरोध है उसका समाधान तो करिए चला जाऊंगा मैं ।

क्षेत्रीय अधिकारी – आप अपनी बात रखिए।

सरोज कुमार गुप्ता – आप मुझे गिरफ्तार करके जेल भेज दीजिए मैं जेल की रोटी खाने के लिए तैयार हूं लेकिन उद्योंग की रोटी नहीं खाऊंगा काला डस्ट नहीं खाऊंगा गर्म पानी नहीं पियूंगा।

क्षेत्रीय अधिकारी – आप अपनी बात रखिए। और आपको जो कुछ भी कहना है आप बोलिए लेकिन बाकी लोग भी खड़े हैं उनको भी मौका देना चाहिए।

सरोज कुमार गुप्ता – मेरे साथ 403 परिवार आए हैं मेरे समर्थन के लिए आए हैं।

क्षेत्रीय अधिकारी – आप उनको भी तो बोलने दीजिए जो आपके पीछे में है।

सरोज कुमार गुप्ता – मेरा बात समाप्त होने के बाद वे लोग बोलेंगे वह लोग मेरे समर्थन में आए हैं।

क्षेत्रीय अधिकारी – आप बोलिए आप रुकिए मत मैं यह बोल रहा हूं आपको।

सरोज कुमार गुप्ता – केलो इस्पात की एमडी को मेरे सामने खड़ा कीजिए सर उसका चेहरा तो देखू कौन सा गुण किलो डैम में डूबा है जो केलो नाम से प्लांट लग रहा है। मैं नहीं हटूंगा।

पीठासीन अधिकारी – देखिए आपने अपनी बात रख दी। और भी लोग आए हैं जो आपत्ति दर्ज करना चाहते हैं उनको बात करने का मौका दीजिए।

सरोज कुमार गुप्ता – जवाब तो दीजिए सर।

पीठासीन अधिकारी – सब जवाब देंगे आपको आप दूसरों को पहले आपत्ति तो दर्ज करने दीजिए।

सरोज कुमार गुप्ता – मेरा जवाब कौन देगा।

पीठासीन अधिकारी – मिल जाएगा आपको जवाब।

सरोज कुमार गुप्ता – आप दोगे।

पीठासीन अधिकारी – समय पर मिल जाएगा लेकिन पहले आप दूसरों को आपत्ति दर्ज करने दे एक साथ मिल जाएगा।

सरोज कुमार गुप्ता – कितना बजे मिलेगा मैं उतना बजे आ जाऊंगा।

पीठासीन अधिकारी – आप वेट करिए जैसे ही सब की आपत्ति दर्ज हो जाएगी जवाब मिल जाएगा।

सरोज कुमार गुप्ता – टाइम बता दीजिए सर मैं उतने बजे आऊंगा।

पीठासीन अधिकारी – मैं कैसे बताऊं कितना टाइम लगेगा दूसरों को अपना आपत्ति दर्ज करने में।

सरोज कुमार गुप्ता – फिर मैं कहां बैठू सर।

पीठासीन अधिकारी – यहां पर इतनी जगह है कुर्सी भी साफ करवा दिए हैं दूसरों को अपनी आपत्ति दर्ज करने दीजिए एक बार सबकी आपत्ति दर्ज हो जाएगी तो विधिवत आपको जवाब दिया जाएगा।

सरोज कुमार गुप्ता – लेकिन कमल अग्रवाल सामने नहीं आएगा बोलिए सर।

पीठासीन अधिकारी – आपसे यह निवेदन है कि और भी लोग आए हैं।

सरोज कुमार गुप्ता – मेरे साथ ही आए हैं सर।

पीठासीन अधिकारी – उनको भी अपनी आपत्ति दर्ज करने दीजिए उनको भी अपनी बात रखने का मौका दीजिए।

सरोज कुमार गुप्ता – सभी विरोध करेंगे सर समर्थन करने नहीं आए हैं।

पीठासीन अधिकारी – तो विरोध करना है तो उनका स्वयं विरोध करने दीजिए ठीक है तो उनको मौका दीजिए प्लीज।

सरोज कुमार गुप्ता – लाखा में सबसे पहले मूली और लाल भाजी हुआ करता था जो पहले सब्जी मंडी में बिकता था लाखा का लाल भाजी और मूली पूरा रायगढ़ जिला में फेमस हुआ करता था आज मूली और लाल भाजी की जगह केलो का फलाई ऐश पानी किसी फैक्ट्री का काला पानी आप तो काला पानी नहीं पी रहे हैं सर बिसलेरी का पानी पी रहे हैं लाल भाजी और मूली तो आप खाए नहीं है उसका टेस्ट जानते है सर लाखा के भूमि में क्या उर्वरक थी क्या गुणवत्ता था की लाखा का लाल भाजी और मूली पूरा रायगढ़ में फेमस था अब तो काला डस्ट खा रहे हैं। गेरवानी में मोड़ के पास आज आए है तो रात भर पहले उसमें मिट्टी पाटा गया है कल फिर वहां गड्ढा हो जाएगा क्या उद्योग प्रबंधन उसमें डामर लगाएगा गेरवानी से

शिवपुरी सरायपाली बरपाली चार उद्योग का मालिक बनने जा रहा है स्टील एसोसिएशन का अध्यक्ष है ना रायगढ़ जिले का तो क्या बनवा नहीं सकता है।

पीठासीन अधिकारी – आप अपनी आपत्ति दर्ज किये उसके बाद बोलने का मौका देंगे।

सरोज कुमार गुप्ता – बिल्कुल दूंगा सर।

पीठासीन अधिकारी – आपत्ति दर्ज तो करने दीजिए उसके बाद सब जवाब मिलेगा दूसरों को समय ही नहीं दे रहे हैं तो कैसे होगा।

सरोज कुमार गुप्ता – मेरा बात खत्म होगा तब तो दूसरों को मौका दूंगा सर।

पीठासीन अधिकारी – तो आप बोलिए। एक ही चीज बार–बार बोल रहे हैं दूसरों को भी मौका दीजिए प्लीज।

सरोज कुमार गुप्ता – केलो स्टील के नाम से मुझे आपत्ति है ना सर आपत्ती क्लियर कहां कर रहे हो।

पीठासीन अधिकारी – आपत्ती क्लियर करेंगे। दूसरों को आपत्ति दर्ज करने का मौका तो दो एक साथ सबका जवाब देंगे आपको।

सरोज कुमार गुप्ता – केलो स्टील के नाम को कमल स्टील कर दीजिए।

पीठासीन अधिकारी – आपकी आपत्ति है आप दूसरों को भी आपत्ति दर्ज करने दीजिए उसके बाद आपको जवाब देंगे।

सरोज कुमार गुप्ता – मेरा जवाब दीजिए मैं चला जाऊंगा बाहर। केलो स्टील नहीं लगना चाहिए किलो के नाम से मुझे आपत्ति है।

पीठासीन अधिकारी – आपकी आपत्ति दर्ज कर ली गई है आप दूसरों को बोलने का मौका दीजिए प्लीज।

सरोज कुमार गुप्ता – अभी आकर नेतागिरी करेंगे पहले आते। मैं कितना बजे से आया हूं आप सीसीटीवी कैमरा में चेक कर लो। केलो के नाम पर नहीं लगना चाहिए। मुझे गिरफ्तार कीजिए मुझे हथकड़ी पहनाईये है सर मैं जेल चला जाऊंगा सरोज गोटिया हथकड़ी पहनने को तैयार है।

पीठासीन अधिकारी – आपकी आपत्ति दर्ज कर ली गई है आप दूसरों को बोलने का मौका दीजिए प्लीज।

सरोज कुमार गुप्ता – लाइन में लगने के लिए बोलिए सर।

पीठासीन अधिकारी – लाइन तभी क्लियर होगी जब आप माइक छोड़ेंगे प्लीज।

सरोज कुमार गुप्ता – आप लोग 11:00 बजे से है हम लोग 9:00 बजे से बैठे हैं।

पीठासीन अधिकारी – समझ रहे हैं हम। आपकी बात भी हो गई अब उनको बोलने दीजिए। हां बोलिए आप बोलिए।

3. खीरसागर मालाकार – सर! मेरा नाम खीरसागर मालाकार है, मैं सर्वप्रथम पूछना चाहूंगा–समय की कोई पाबंधी थोड़ी है? क्योंकि ई.आई.ए. इतने पन्नों में बन रखी है कि अगर मैं इसको पढ़ने जाऊंगा तो रात के 8 बजेगी। 8 बजे तक मेरे को परमिशन दिया जाये कि ई.आई.ए. के साथ बोल सकूं।

पीठासीन अधिकारी – आपको जो बोलना है बोलिए।

खीरसागर मालाकार – पीछे जीतने भी नौजवान साथी हैं कृपया शांती बनाये रखें। मैं सादर अनुरोध करूंगा कि आप ये जन सुनवाई को निरस्त कर दें।

पीठासीन अधिकारी – आप अपनी बात रखिए यदि आपको कुछ नहीं कहना है तो दूसरों को कहने दीजिए।

खीरसागर मालाकार – मेरा यही कहना है सर ये जनसुनवाई को आप निरस्त कर दीजिए और मेरा 8 बजे रात तक भी यही कहना रहेगा। मैं ई.आई.ए. पढ़ने जा रहा हूं आप इसको सुनने को बाद्ध है क्योंकि ये ई.आई.ए. आपके विभाग के द्वारा बनवाया गया है और मैं इसको पढ़ने जा रहा हूं। मैं विशेष संबंध में बात करूंगा और बढ़िया विस्तार से बात करूंगा जिसको हमारी जनता सुनेगी आज। शासन के पास कोई ऐसी व्यवस्था है क्या जिससे पीछे शांती व्यवस्था हो। मेसर्स केलो स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड की ड्राफ्ट ई.आई.ए. में उन्होंने उल्लेख किया है कि छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल, पर्यावास भवन, नार्थ ब्लॉक, सेक्टर – 19 में इन्होंने आवेदन दिया था, सर उसमें इन्होंने अपनी, आपके पीछे जीतने भी चस्पे हैं केलो स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड के, सभी का इन्होंने विस्तार से वर्णन किया है लेकिन ये एक जगह चूक कर गये, मैं इसलिये आपको बार–बार पृथक आवेदन पर पावती लेके जनसुनवाई निरस्त करने का आग्रह करूंगा। ये वही ई.आई.ए. है. जो आपके सामने प्रस्तुत हैं ये मेरे विचारं से मेसर्स ग्रीन रूल्स रिसर्च एण्ड क्रिएशन प्राईवेट लिमिटेड नोएडा यूपी इंडिया ने फर्जी ई.आई.ए. रिपोर्ट बनाई है। क्या उसके कोई भी जवाबदार अधिकारी यहां हैं क्या? उनके मैनेजिंग डारेक्टर हैं मिस्टर डॉ. धीरज कुमार सिंह जो अवेलेबल्स हैं? मिस्टर धीरज कुमार सिंह। सर! कोई कन्सल्ट ऐसी कम्पनी का कोई भी है क्या? इशारा से बोल दीजिए है बोलके, नहीं हैं तो नहीं हैं।

पीठासीन अधिकारी – आप अपनी बात रख दो, आपको जवाब मिल जायेंगे।

खीरसागर मालाकार – ई.आई.ए. जो बनाई है ओ कम्पनी है क्या? मिस्टर धीरज कुमार सिंह। सर! अपने को अ से अनार पढ़ाया गया था, अ से पतंग नहीं पढ़ाया गया था सर। यहां कोई भी उल्टा–सीधा लिख दे और उसको हम क्षेत्रीय आदमी मानने के लिए तैयार नहीं हैं। आप जरूर एक पढ़े लिखे अच्छे पद में हैं सर, आपकी रिस्पांसिंबिलिटी बनती है कि आपके पास कोई भी याचक आये तो उसकी सुनवाई हो इसलिये सादर आपने पढाई किये हैं। क्या मंच के इधर या उधर कोई कन्सल्टेंसी कम्पनी है जिसने ई.आई.ए. लिखी है, हाथ उठायेगें प्लीज, नॉट अवेलेबल हियर, तो मैं वहीं बताने समझाने जा रहा हूं इसको, आप ई.आई.ए. 500 पेज का लिख दिये, हमको थमा दिये और इसके बोर में विस्तार से सुनेंगे नहीं न बोलेंगे अपनी बातों को रखो, मैं कोई अपनी सादी का तो नहीं बता रहा हूं सर कि मंगलवार को सादी हुआ था रात को बारात पहुंचे थे करके। मैं इस ई.आई.ए. के संदर्भ में बात कर रहा हुं जो कि आपकी कन्सल्टेंसी कम्पनी ने फर्जी ई.आई.ए. रिपोर्ट बनाया है उसका मैं जवाब चाह रहा हूं। तो मेसर्स केलो स्टील्स जो लिखती है कि 10 कि.मी. की परिधि में जितने भी गांव है सबको सूचना देगें और जनसुनवाई करायेंगे सब निमंत्रित हैं करके।

तो मैं उन गांव को यहां आपके समक्ष नाम पकड़ना चाहुंगा। इन्होंने अपनी ई.आई.ए. में उल्लेख किया है प्रभावी क्षेत्र में कुनकुरी गांव आयेगें, दबगांव, राबो, तुमीडीह, समारूंआ, देलारी, सराईपाली, छर्राटांगर और गेरवानी गांव आयेगें। मैं तराईमाल का निवासी हूं, यहां पे तराईमाल का उल्लेख नहीं हैं, तो मैं यहां पे विरोध करने का हकदार नहीं हूं शायद। लेकिन उन्होंने अपनी ई.आई.ए. में एक गलती कर दिया सर, फर्स्ट पेज ई.आई.ए. जिसको हम छत्तीसगढ़ी में बरामद। माने बरामद की ई.आई.ए.। ई.आई.ए. का जो फर्स्ट पेज है उस सर्कल से 0.3 कि.मी. में तराईमाल आ रहा है। तराईमाल जंगल जो मात्र 0.3 कि.मी. है, तो वो जंगल क्या सराईपाली में बसी है और गांव तराईमाल है ऐसा कुछ है क्या कि भारत देश का छत्तीसगढ़ इंगलैण्ड में बसा है ऐसा कुछ है क्या? तो ये आपको दिखाना चाहुंगा सर, बस इसी के आधार पर जनसुनवाई निरस्त कर दीजिये। तराईमाल के लोग जागरूक हैं और यहीं का पंचायत उठा रहा है, मेन तराईमाल का नाम इसिलिये नही दिया गया। लाखा गांव के 100 किसान यहां बसे हैं, इसी वृक्क में। क्या गलत ई.आई.ए. रिपोर्ट बनाने वाली कन्सल्टेंसी कम्पनी जिनके मैनेजिंग डायरेक्टर मिस्टर धीरज कुमार सिंह है, वो हैं क्या यहां पर चलिये कोई बात नहीं उनके को–आर्डिनेटर या समन्वयक रहते हैं मिस्टर सोनु अवेलेबल हैं क्या यहां पे? दोनों नहीं हैं तो साबित होता है कि ये फैक्ट्री चोर है। आप ई.आई.ए. बनवायेंगे उन लोगों से और हम मूर्ख जैसे ई.आई.ए. को जय हनुमान ज्ञान गुन सागर, जय कपिस तिहु लोक उजागर जैसे पढ़ लेगें। नो सर नो अब जागरूक हो गये हम लोग। इस ई.आई.ए. की एक–एक पेज पे 5–5 मिनट समय दिया हुं सर! और आज एक–एक त्रुटि आपके सामने उजागर करूंगा। अगर वो कन्सल्टेंसी कम्पनी है यहां पे तो आपसे मार खाने के लिये यहां पे रहे, क्यों आप ही मारोगे इनकी गलती पे। अगर आपको कोई प्रशासनिक बाध्यता न हो तो कृपया बताने की कृपा करे कि वो कन्सल्टेंसी कम्पनी का एक भी कर्मचारी से लेकर अधिकारी या प्यून भी इस मंच में हो तो थोड़ा सा हाथ खड़ा कर दे मैं चेहरा देखना चाहता हुं कि हमलागों को कैसे वो भ्रमित कर रहा है। खाली चेहरा देखुंगा कितनी मासूम चेहरा है जो बरपाली, सराईपाली और इस सर्कल को गुमराह करने में उसकी दक्षता है। है कोई जवाबदार व्यक्ति इस ई.आई.ए. में अगर हो तो बात बनेगी अगर ये ई.आई.ए. वाला यहां पे मौजुद है तब तो ये ई.आई.ए. लिखा हुआ है सर! और यदि ये ई.आई.ए. वाले यहां पे नहीं हैं तो मेरे विचार में सर आप कलेक्टर नहीं हो और आप पर्यावरण अधिकारी नहीं हो सर। आज बच्चा घर में पैदा होता है तो हम घर में सपना देखते हैं कि बच्चा बड़ा होकर मेरा काम आयेगा और मेरे से पहले ये समाज का काम आयेगा तो मैं अपने आपको गौरान्वित महसूस करूंगा और हम लोग उसको आई.ए.एस. आई.पी.एस. इधर–उधर दुनिया भर के रणनीति के साथ सामर्थ्यता करके उसे ज्यादा सहभागिता देकर पढ़ाते हैं जो समाज का काम आ सके, एक निर्बल व्यक्ति को सहारा दे सके। एक निर्धन को वित्तीय सहयोग दे ऐसी सहानुभूति के साथ हम बच्चे को पढ़ाते हैं, न कि ये बच्चा चोर बने, कोयला से कमीशन ले, प्रदूषण जो हमारे घरो में जा रही है उस पर आवेदन लिखें और उस आवेदन के विपक्ष को जा करके उस संस्थान से जाके ये फलाना आवेदन फलाने व्यक्ति ने

किया है, इसका तुम मेरे को पैसा दे दो जिसका मैं समाधान करूंगा। ऐसी धांधली से कोई भी माता–पिता अपने बच्चे को नहीं पढ़ाता है। मैं इस मंच से पारदर्शिता चाहूंगा और उम्मीद रखुंगा कि आप शाम रात 8 बजे तक मेरा सहयोग करें और मैं केवल 5–7 प्रश्न पूछूंगा आप ईशारा से उत्तर दे दीजिएगा मैं धन्य समझुंगा अपने आप को कि सही शंकर भगवान ने आज मेरे को प्रदर्शित होके कुछ पूर्ण किये करके। जैसे कि सरोज गौटिया जो कि लाखा से निवासरत हैं और उनके भी गांव को सम्मिलित नहीं किया गया है। गांव को सम्मिलित नहीं करने का एक कारण ये कि वहां पे सरोज गौटिया, अभी–अभी जो वहां के सरपंच बने हैं इन्दर पण्डा जी, जिला पंचायत में आये हैं गोपाल अग्रवाल जी, लाखा के जितने भी प्रधान लोग हैं सब के सब पढ़ें लिखे आदमी हैं और उनको ये सब बर्दास्त नहीं होगा, ये जो फर्जी ई.आई.ए. रिपोर्ट बना था इसलिये। माननीय पुलिस प्रशासन की आलाधिकारी आपसे निवेदन है कि कृपया शांति बनवाये। मै मालाकार हूं और पेशा से व्यापारी हूं आपसे विनम्र निवदेन है कि मेरा एक भी अंश प्रशासन के खाते में लगता होगा, तो शासन अपनी जिम्मेदारी निभाये ताकि मैं उत्सुक हूं उस टेक्स को पटाने में और इस प्रकार से शासन प्रणाली चलता रहे। ये बहुत विडम्बना और शर्म की बात है कि मंच पे माननीय विधायक महोदय उपस्थित हैं और इस तरह का दुराचरण हो रहा है, पुलिस प्रशासन और जिला प्रशासन बहुत शर्मन्दगी की बात हैं। आज मैं एक पिता हूं और एक बेटा हूं। मैं एक पिता का फर्ज निभा रहा हूं बाल–बच्चों का परवरिश कर रहा हूं और माता–पिता का पालन पोषण कर रहा हुं, व्यक्तिगत जवाबदारी है। शासन की जवाबदारी है कि जनता कि रक्षा करना, क्योंकि ये जो सेलेरीज हैं सर आपकी पुलिस व्यवस्था की हमारे पिछड़ों की और जितने भी प्रशासनिक हैं सबकी ये जो हमारे पीछे जनता है, ये जनता सर! भरी दोपहर में लड़ाई–झगड़ा करने नहीं आई है यहां पे अपना विरोध करने आई है इस कतार वाले और उस कतार वाले समर्थन करने आई हैं। विचारों में परिवर्तन हो सकती है सर! व्यवस्था आपको करनी हैं एक लाईन बनावाईये सब सुचारू रूप से है। ये सब जितने तराईमाल से आये हैं सब खड़े उनके लिये कुर्सी लगवाईये और उनके पीछे खड़े हो जाए हमलोग 8 बजे से आये हैं हमको मंच मिला है, जो 11 बजे आये हैं उनको भी मिलेगा। धक्का–मुक्की का कोई मतलब नहीं हैं। ये केलो स्टील एण्ड प्राईवेट लिमिटेड मेसर्स ग्रीन रूल्स रिसर्च एण्ड क्रिएशन प्राईवेट लिमिटेड नोएडा यूपी ने फर्जी ई.आई.ए. रिपोर्ट बनाई है। मैं आपसे आग्रह करूंगा सर ये जनसुनवाई निरस्त कर दें। सर ये ई.आई.ए. कोई बड़ी बिन्दु नहीं है बताना चाहूंगा बड़ी बिन्दु यहां पे व्यवस्था है। अगर इस तरह से हम क्षेत्रीय आदमी आवेदन लगाते रहें पर्यावरण विभाग में और उस आवेदन का दुरूपयोग होता रहे तो सर प्लीज हमलोगों को जहर दे दीजिए। पुलिस प्रशासन से करबद्ध निवेदन है कि लाईन व्यवस्था बनाया जाए। मैं भैया आपके पीछे और आपके पीछे जो भी खड़े हैं सबके सुविधा की बात कर रहां हूं, आज इस मंत्र के माध्यम से आप सब जागरूक हैं। मैं कोई व्यक्ति विशेष या महात्मा गांधी की बात नहीं कर रहां हूं। निराश न हों सबसे निवेदन है कोई दीदी है कोई भाई है कोई बहोरिया है कोई चाची है सबसे निवेदन है। हम जीवन प्रणाली जी रहे हैं यहां मेरे को 40 साल हो

गया और उस 40 में जो अनुभव देखा उसी चीज को बया कर रहा हूं इस मंच के माध्यम से। ई.आई.ए. सर यहां सेक्रेटरी में दम है, अगर कोई चीज में प्रतिक्रिया होती है तो क्षेत्रीय आदमियों को साधु बना रहता है, अंकुर साहु सर गुड परसन हैं उनके पास जायेगें और अंकुर साहु सर वहां जाके घण्टा बजायेंगे अंकुर साहु सर बोलेंगे खीरसागर मालाकार इन लोगों को क्यों लेकर आये हो? मैं कहूंगा सर इस प्लांट से डस्ट उड़ रहा है या उड़ने वाला है जहां जनसुनवाई होने वाला हैं। इस स्थित में पॉसिबल नहीं है सर जनसुनवाई को समर्थन करना। ये विडियों है सर कल का, केलव 2 इंच मिट्‌टी है बाकी सब काला डस्ट है सर तो इस स्थिति में हमलोग कैसे बोल सकते है कि स्वच्छ पंत है। सर मैं इसमें कुछ पढ़ा भी हूं ये लोग कुछ किसान से जमीन लिये हैं तो इसकी रजिस्ट्री कृषि भूमि के नाम से करवाये हैं तो इन चीजों को ध्यान में रखें सर। ये लोग बहुत बत्तमीज लोग हैं सर, मैं अपने पड़ोसी का विरोध करूंगा अंत में लाईन के अंत में जो खड़ा है उसका विरोध करूंगा चाहूंगा। ये उद्योग सर गुमराह करने वाला उद्योग है ये फर्जी ई.आई.ए. 500 पेज जो कि कट एण्ड पेस्ट है। ये बोलती है यहां पे एक्टेंशन करूंगा, 250 टीपीए 4 किल्न सर। हमलोग तराईमाल से है सर वहां 100–100 के किल्न है मात्र। 2–4 किल्न लगे वहां जीना दूभर हो गया है। कई आवेदन वहीं पर बने हैं जिसकों पर्यावरण विभाग को दिया हूं, उन आवेदनों को समय मिले तो आपको दिखा दूंगा साहब। शायद आप तक नहीं पहुचा होगा। हम चाहते हैं, जनता चाहती है कि सूरजपुर से आये हुए ध्रुव अग्रवाल आप इनके खाने पीने और बाल–बच्चों के खाने–पीने में कमी है क्या? खाने पीने और बाल–बच्चों के खाने–पीने में कोई कमी नहीं है मैं इनके घर गया हूं, जितना बड़ा ये पंडाल है उतना बड़ा इनके घर का हॉल है। मेरा रिलेशन इनसे व्यक्तिगत है। मैं इनसे संबंध खराब करने के चक्कर में नहीं बोल रहा हूं। लेकिन ये क्षेत्रीय आदमी पे आया है। मैं उनके साथ में बैठकर उनके हॉल में चाय पिया हूं। उनके पास जीवन चर्या चलाने के लिये बहुत सारे उद्योग हैं, इनका पेट्रोल पम्प हैं इनका गैरेज है। इन्होने मतलब इनके पास कोई कमी नहीं है। उस स्थिति पे आके हमारे छाती पर न बैठे हमारे सांस को न रोकें। हमलोग भी चावल खा भी रहे हैं और ध्रुव अग्रवाल और कमल अग्रवाल चावल खा रहे हैं। उद्योग लगाने से कोई सोना नहीं खयेगा सर! उनकी पत्नि सोना नहीं परोसेगी। तो समानता का भाव है और भूमि को कृषि योग्य रहने दें। अब रेती जी. शायद दिख रहें हैं जो कि पर्यावरण कन्सल्टेंसी हैं खैर बात को जागृत नहीं की तो स्कीप करना चाहुंगा। बनाये सर ई.आई.ए. सब बनाये लेकिन इस तरह से मन–गढ़त न बनाये। मैं तो बहुत ज्यादा पढ़ा लिखा नहीं हूं केवल 12 वी पढ़ा हूं लेकिन ठोकर खाया हुआ आदमी 24 तक पढ़ा हूं सर। सर क्या है देखिए मैं आपको 60–70 या 1 लाख तक की नौकरी अर्निंग करने में कोई बड़ी बात नहीं है। आज ये जितना बड़ा पंडाल है उतना बड़ा मेरी दुकान है यहां पर मुझे आने की जरूरत नहीं थी। सभी घरों पे एसी लगी हुई है। इस धूप में मुझे विरोध करने की कोई खुजली नहीं हैं सर लेकिन मैं यहां जनता को जागरूक करने आया हूं। शासन–प्रशासन को जागरूक करने आया हूं। यहां शासन के सभी प्रभावशील आप यहां पे उपस्थित हैं सर! मैं चाहुंगा कि हमलोग एक आदमी बनके रहें। सर

देखिये सामने वाला बंदा खाना खाया मैं खाना खाया, एक प्रकृति हो गई दोनों खाना खाये। सामने वाले का खाना अगर मैं छीन के खाया तो दुष्ट प्रवृति होगा, तो अंकुर सर खाना खाये यें सोचकर मैं यहां खड़ा हूं हमारी संस्कृति हो गई। एक बार तालियां चाहूंगा मेरे दोस्तों से तो ये संस्कृति बनी रहे सर। यहां से न कुछ लेके जायेगें सर! न आप पर्यावरण अधिकारी हो भगवान करें आप इससे भी बड़े अधिकारी बन जाओ। कल आप कलेक्टर महोदय बन जाओ, उससे भी बड़े मुख्यमंत्री साहब या प्रधानमंत्री बन जाओं। लेकिन उस दिन भी सर आप आदमी ही रहोगे। यही पहचान है, यही आंख रहेगा और बाल रहेगा सर। तो जनता के बारे में सोच लें थोड़ा सा तो हमारी संस्कृति होगी। कोई बंदा बोल देता है तू तड़ाक या अपशब्द बोल देता है तो उससे अपने को आघात नहीं होना है, उससे उसके परिवार की संस्कृति पता चलती है कि इस परिवार में पाला बढ़ा और इस परिवेश में इसका पालन–पोषण हुआ ये संस्कृति बतायेगी। मैं तराईमाल वालों से चाहुंगा शांति बनाये रखें, इनसे कुछ नही होना है। अगर सर! मेरे पीछे खड़े एक व्यक्ति का एक प्रतिशत भी भला कर दिया तो कालर और क्रीच दोनों उपर हो गया सर। इसकों मैं अभी व्यक्तिगत अर्निग समझुंगा न कि उद्योग से लिये हुए धन को। पुलिस की ऑलाधिकारी मौजूद है और वो लोग भी विवश है कि यहां बैठते उठते नहीं बन रहा है। मैं व्यक्तिगत रूप से विश्वास दिलाता हूं मेरे रहते कोई भी प्रार्थी प्रताड़ित नहीं होगी आप लोग खाना खाने जा सकते हैं। आदरणीय महोदय जैसे कि एक्सपेंशन की बात आई, उद्योग पे जाता हूं थोड़ा–सा तो ये 4 किल्न लगायेगें 250 की, हरेक किल्न लगाने में हमारी वो दुर्दशा हुई है कि 11 बज जाता हैं टाईल्स में पोंछा मारते–मारतें। 100 की किल्न 5–6 है तराईमाल में बाहर है अगर ये 4x250 की किल्न सर यहां लग जाये तो जो समर्थन–समर्थन कर रहें हैं मेरे को बोलने की मौका दो बोल रहें हैं सर!, मां की कसम खा के कहता हूं आज से 1 साल बाद गाली देंगे ये लोग। उद्योग से सर इन लोगों को पता नहीं है हमको पता है 2021 में हमारे दादा जी ने साढ़े तीन एकड़ जमीन मेरे बाद न कि मेरे पापा की, मेरे बड़े पापा की साढ़े तीन एकड़ और मेरे नन्हें पापा के कुल 27–28 एकड़ जमीन बेचे थे। बेचे थे उस दुर्दशा को आज हमलोग भुगत रहे हैं। वो कौन–सी घड़ी थी कि उद्योग के पास बेच पाये किसी किसान, महावीर के पास बेच दिये रहते तो मैं और मेरी बीवी वहां जों सेल्फी ले रहे होते। दादाजी चले गये तो उनकी शिकायत नहीं कर सकते। मगर इनकी एक्सपेंशन पे दूसरा 15–15 टन की चार इण्डक्शन फर्नेश लगाने जा रहे हैं। इण्डक्शन फर्नेश क्या होता है इस भीड़ में से किसी को भी बुला लूं सामने में पूंछू इण्डक्शन फर्नेश में क्या उत्सर्जन होता है ये लोग नहीं बता पायेगें। क्षणिक लाभ के लिये किसी का समर्थन कर देना या विरोध कर देना अपने पद की लाभ है सर। ये ठीक उसी प्रकार है जिस प्रकार चुनाव में जाते टाईम में हाथी या घोड़ा छाप में में मुहर लगाने के लिये पौवा धर ले भैया, जा तै मुहर लगा के आ जा, पौवा लेके सो जा, और 2 बजे फिर उसका नशा खुलेगा 5 साल तक उसके रोना पड़ता है, वहीं आज क्षेत्रीय आदिमियों को समर्थन करके 5 पीढ़ी भोगना पड़ेगा सर! मैं आप दोनों की भी कहना चाहूंगा और टक टीक करने वाले कम्प्यूटर वालों को और कन्सल्टेंसी कम्पनी को भी कहना चाहूंगा।

सिक्के के दो पहलू हैं विरोध या समर्थन करें। कहना चाहुंगा सर प्रथम सुरक्षा स्वयं की फिर साथी की, यहां तो हमलोग खुद सुरक्षित नहीं हैं। ये उद्योग जहां लगा वहां ये जो क्षेत्रीय 10 ग्राम है इनको चिन्हांकित नहीं किया गया है लेकिन इन्हीं के द्वारा वृत्त में हाइलाईट कर दिया गया है। वो सर्कल के दसों गांव प्रभावित होगें, वो हंसता–खिलता समर्थन देने की जो चाहत है वो 5 पीढ़ी तक नष्ट हो जायेगी। पर्यावरण मूल्यांकन को 500 पेज लिखने की जरूरत नहीं थी सर। एक आपके कार्यालय से बंदा आता जो कि अंतिम प्यून है, जो पानी पिलाता या झाड़ू करता होगा एक सुईपर जो संविदा में काम कर रहा है उसको भेज देते इस जगह पे मैं एक पत्ता तोड़ के देता, सील मार देता उसमें और वो आपको दिखा देता प्रदूषण का आंकलन उसी में हो जाता। पत्ता जो हरित होते हैं वो काला हो जा रहा है तो पर्यावरण प्रदूषण के लिये 500 पेज खराब करने की जरूरत नहीं थी। ये किसी स्टूडेंट को दिया जाए उसका भविष्य बनायेगा। यहां बहुत सारे जहरिले गैंस निकलते हैं जो कि क्षेत्रिय लोगों को बता देना चाहूंगा इससे सल्फर गैस निकलती है जो कि अभी हमारे बीच पीछे एक चाची हैं बतायेंगी क्योंकि वो एक स्वयं सहायिका स्वास्थ्य विभाग से विलाग करती हैं इस क्षेत्र में क्या–क्या बीमारियां ज्यादा हो रही है बता देंगी। सीसीएम के साहब आय रीहिस गा हामर करा। सर यू केन अंडस्टेण्ड छत्तीसगढ़ी लेंगुएज? थैंक यू सर! इससें जो एक्सपेंशन हैं वो उद्योग द्वारा प्रस्तावित है रि–हिटिंग फर्नेश और इनके द्वारा प्रस्तावित है सीएमसी का उत्पादन करने के लिये ये लोग रोलिंग मिल भी बैठायेंगे सर। और कोयला आधारित प्रोड्यूसर गैस प्लांट, फ्लाई ऐश प्लांट और इनका कहना रहता है अंत में ये लोग ब्रिक्स प्लांनिंग देते हैं संख्या में इकाई, दहाई, सैकड़ा, हजार ऐसे करके ये लोग 58298 ईटा बनायेंगे। तो ब्रिक्स प्लांट करके एक इनका चोचला रहता है तो हमारे उद्योग से जितने भी फ्लाई ऐश निकलेंगे उसका ब्रिक्स बना देगें करके जबकि ऐसा कुछ नहीं है। हम उद्योग के बीचो बीच रहतें है अपने को उद्योग का उ से लेके जेड तक पता है। उद्योग में क्या–क्या होती है ऐसा कुछ नहीं है फ्लाई ऐश जहां मैं हूं वहीं बातें हैं आप जहां बैठे हो वहीं पटा है ये किसी किसान की भूमि थी। आपको भी पता नहीं है कि ये लोग इस जगह फ्लाई ऐश पटाई किये हैं, जिसकी आपने अनुमति नहीं दी थी। बाई कार आप आये हैं, इस जगह पे नहीं गड्ढा कोड़ कर दिखाते कि हम लोग जहां जाने वाले हैं वहां सुरक्षा है कि नहीं। मैं कल रात को डरा भी था कि यहां सुरक्षा नहीं है। उस कोने पे देखिये एक छोटा नाला है मेरे सुनील भैया को कोई दो आदमी समर्थन वाले ले गये तो सुनील भैया नहीं मिलेगें और बाकी का जवाब देना पड़ेगा कि सुनील भैया तो हमारे साथ नहीं आये यहीं स्थिति इस जगह पे है। ऐसे संवेदनसील जगह पे आप ये जनसुनवाई को न करवाये ये मेरा आग्रह है। इसको आप स्कूल प्रांगण में करवाईये आपको कोई नहीं रोकेगा। हमलोग आपके कृतज्ञ रहेंगे, वहां शौचालय है, पानी की व्यवस्था रहती है एक गांव का वहां स्नेह रहेगा सर। न कि ये संवेदनसील जिसको अपनी जान और माल क्षति तक की आशंका बनी रहेगी, उस जगह में न करवायें सर। कुछ नहीं अगले जनसुनवाई में मैं वादा करता हूं आप दो पुलिस अधिकारी लेके आना कोई टीआई सीआई लाने की जरूरत नहीं है, बारी बारी से सबको मौका दिया जायेगा सब कोई

अपना समर्थन विरोध करेंगे। शांति पूर्वक तरीके से जनसुनवाई का निदान करेंगे और सबसे बढ़िया अधिकारी श्री अंकुर साहू जी जिला में आपको अवार्ड मिलेगा सर। मजाक नहीं कर हूं एक नया कोशिश करके देखिए सर। ये जो उद्योग इतनी सारी एक्सपेंशन लेके है, इस एक्सपेंशन का अनुमानित लगात पता है क्या आपको सर? 445.10 करोड़। मेरा तो केल्कुलेटर में नहीं आयेगा उतना, अगर इसका 1 प्रतिशत भी गेरवानी से बरपाली पहुंच मार्ग तक खर्च हो जाए सर! तो यही सरोज गुप्ता जो कि अभी विरोध करके 2–3 घण्टा लिया। छोटी–छोटी बातों को अपने का ध्यान देना है। बच्चे को पढ़ाई करवाना है जो जिसको नहीं पढ़ाया उसी का रिविजन करके फर्स्ट डिवीजन में पास हो जायेगा न कि जो कल पढ़ाये हैं उसको आज पढ़करके हम टार्चर करते रहेंगे न खुदा मिला न जनाजे करते समय हो जायेगा सर। तो ये एक प्रतिशत लागू होता है इसके लिये न उद्योग सुधरने वाली है न क्षेत्रीय लोग सुधरने वाले हैं। आपसे हमारी एक आशा रहेगी कि आपके पद से पर्यावरण अधिकारी माननीय कलेक्टर महोदय निश्चित ही आशा रहेगी बढ़िया अधिकारी जरूर हमारे क्षेत्र में आये। मैं अपने तराईमाल में एक पानी बॉटल से साहू सर स्वागत कर सकुं। छवि आप और मैं ये कॉम्बिनेशन आपके और मेरे दिल से नहीं जुड़ता है तो यहां समर्थन विरोध की कोई आवश्यकता नहीं, ये टेन्ट, पुलिस प्रशासन, ये धूप में में खड़े होने की आवश्यकता नहीं है। तो सर मैं ई.आई.ए. पे बातें रख रहा हूं बोलना चाहूंगा उद्योग एक्सपेंशन 445.10 करोड़ रूपये हैं इसका एक अंश हमारे गेरवानी से तराईमाल प्रधानमंत्री रोड हेतु बन जायेगी जिसमें हमलोगों को आने जाने में कोई परेशानी नहीं होगी और एक भी इस मंत्र के माध्यम से विरोध नहीं होगा। इन चीजों को फोकस करें। सर इनके ई.आई.ए रिपोर्ट के आधार को चेप्टर–1 के 1.1 बढ़ता साहब रिपोर्ट ई.आई.ए का जो उद्देश्य है उस पर उनके द्वारा उल्लेख किया गया है कि पर्यावरण प्रबंधन किसी देश की सतत् विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। ये अंग्रेजी भाषा में था जिसको टूटी भाषा में ट्रांसलेट करके बताया हूं। क्योंकि पीछे वालों को अंग्रेजी समझ तो आयेगी नहीं ये विडम्बना है। तो क्षेत्रीय लोगों को समझ आये करके मैं हिन्दी भाषा में इसको लेके आया हूं कि पर्यावरण प्रबंधन किसी देश की सतत् विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके लिये भारत सरकार के वन और जलवायु मंत्रालय में प्राकृतिक संसाधनों के दोहन को रोकने और विकास परियोजना में पर्यावरण संबंधित नियमित्ताओं को बढ़ावा देने के लिये औद्योगिक और अन्य विकासात्मक गतिविधियों को नियंत्रण करने वाली नीति और प्रक्रियाओं को तैयार किया था इस ई.आई.ए. रिपोर्ट ने। 18 मई 2016 को केन्द्रिय मंत्री मण्डल द्वारा अनुमोदित भारत सरकार की राष्ट्रीय पर्यावरण नीति के अनुसरण में किसी भी मौजुदा संयंत्र की नई या प्रस्तावित परियोजना के लिये एनईओईएफएनएसीसी नई दिल्ली ई.आई.ए. अधिनियम को श्रेणी 3ए, ये जो हमारे क्षेत्रीय लोगों को बताना चाहूंगा ये जो लौह अयस्क वो तृतीय परियोजना की श्रेणी तीन धातु दर में आती है। धातु दर में उद्योग लौह, लौह अयस्क के रूप में वर्गीकृत किया गया है, जिसमें पर्यावरण प्रभाव आंकलन ई.आई.ए. रिपोर्ट तैयार करके विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति ई.सी. एमओईएफएनएसीसी नई दिल्ली से पूर्व पर्यावरण मंजूरी प्राप्त करना अनिवार्य होता है। मद्दे

नजर ई.आई.ए. में निकायों की आवश्यकताओं और निर्देशों द्वारा मेसर्स केलो स्टील एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है। ये मैं नहीं कह रहा हूं सर आपकी ई.आई.ए. रिपोर्ट कह रही है और ये चेप्टर–1 में पर्पज ऑफ गोल में। तो ये क्यों नही कह रही है सर कि क्षेत्रीय लोगों का कुछ किया जाय, हम उद्योगपति हैं क्यों ऐसी करेंगे। ये प्रश्न मेरा इसमें है। ई.आई.ए. अध्ययन रिपोर्ट का उद्देश्य पर्यावरण की मौजुदा गुणवत्ता का जायजा लेना रहता है। मौजुदा धरातल का जायजा देगें ये लोग। यहां पे हमारा 0.3 कि.मी. पे तराईमाल स्थित है उसका आपने उल्लेख किया नहीं। ई.आई.ए. में बोलते है कि 10 कि.मी. के भीतर में जितने भी प्रभावशील गांव हैं सभी आयेगें। तो इन्होनें कहा कि ई.आई.ए. अध्ययन रिपोर्ट का उद्देश्य पर्यावरण की मौजुदा गुणवत्ता का जायजा लेना होता है तो मौजुदा धरातल का जायजा ले रहे हैं अगर यहां पर 2 इंच खोदाई करें तो पायेगें की क्या जायजा है सर। ई.आई.ए है जिसको मैं पढ़ रहा हूं पर मै अपना समय बर्बाद ही कर रहा हूं, प्रस्तावित प्रतिनिधि पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव का आकलन करना है, प्रस्तावित उद्योग के गतिविधि, प्रस्तावित उद्योग की प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के लिये उचित पर्यावरणीय अध्ययन की योजना इस ई.आई.ए. में बन रखी है। निम्नलिखित क्रमों में निर्धारित किये गये हैं पर्यावरण की मौजुदा स्थिति का आंकलन, जो कि मन गढ़ंत हैं। दूसरा बिन्दु ये लोग लिखते हैं प्रस्तावित परियोना के कारण होने वाले दुष्प्रभावों का आंकलन। इन्होनें अपनी ई.आई.ए. में मौजुदा स्थिति का आंकलन मूल्यांकन किया है जो 101 प्रतिशत पता नहीं रह गया है। जो कि ये शानदार नोएडा के कार्यालय में बैठके इनके को–आर्डिनेटर हैं मिस्टर सोनु अग्रवाल। साहु सर ई.आई.ए. आप तो बीजी परसन है किसी एक्सपर्ट को बुला लिजियेगा कि ये ई.आई.ए. में मन गढ़ंत कहानी तो नहीं। मैं ई.आई.ए. का कोई भी पन्ना नहीं निकाल रहा हूं, सेल्फ स्टडी पढ़ रहा हूं। ई.आई.ए. पढ़ना चाहूं न, मौका से चौका नहीं आयेगा सर। ये अगला सुझाव देते हैं कि प्रदूषण नियंत्रण एवं प्रभाव को न्यूनतम करने के सुधारात्मक उपाय का सुझााव मांगे हैं, इस ई.आई.ए. के माध्यम से। इन्होंने बहुत सारे ऐसे बात लिखे हैं जो आम आदमी की समझ में नहीं आयेगा और उस मापन का सुझाव देने आप मंच पर आये हैं और क्षेत्रीय लोगों को बुलाया गया है। 16 आदमी समर्थन दिये 4 आदमी विरोध किये फिर भी समर्थन है, ऐसा एक्सपर्ट की टीम बनाये न कि जनसामान्य का सर। विभिन्न उपायों की प्रभावकारिता का आंकलन करने के लिये निगरानी कार्यक्रम का सुझाव दें। पर्यावरण नियंत्रण उपाय का भी सुझाव दें इस मंच के माध्यम से, मतलब कम्पनी हमसे सुझाव चाह रही है और यह भी लिखी है उद्देश्य पे वैधानिक प्रतिकारियों की वैधानिक प्रतिकारियों से मंजूरी। तो मजूरी पास–फैल से संलग्न बड़ा हो उसमें वन विभाग द्वारा एनओसी दी गई है, इसका पन्ना मेरे पास है। ई.आई.ए. बोलती है कि कार्य को करने में कोई अनैतिक व्यवहार किया जाता है यानि किसी के गर्दन पे चाकू रखें, साहित्यिक चोरी इसको कम्प्यूटर की भाषा में कॉपी–पेस्ट कहते हैं। क्षेत्र का सरल अध्ययन ई.आई.ए. के एकार्डिंग किया गया है, जो कि नहीं किया गया है। मैं कुछ क्षण के लिये

अपने को कन्ट्रोल करता हूं। मेरे साथ मेरे दीदी सहपाठी लोग आये हैं वो बोल सकें उसके बाद मैं पुनः आता हूं।

4. हेममती साहू, बगबुड़ा – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
5. सराई बाई – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
6. हरिशंकर, बरपाली – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
7. लतावती, सराईपाली – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
8. मंगलमती – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
9. जगमती, सराईपाली – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
10. उमेश प्रधान, सराईपाली – हमारे केलो स्टील का पुराना प्लांट रायगढ़ इस्पात है जो इस क्षेत्र में कंपनी के वजह से कोई बेरोजगार नहीं है, स्वास्थ्य सिविर लगाया जाता है। मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
11. माखनलाल – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
12. जगमती, सराईपाली – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
13. कमला, सराईपाली – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
14. फुलबाई, भुईकुर्री – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
15. तेजकुमारी – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
16. गणेशी बाई, सराईपाली – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
17. तेजमती, सराईपाली – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
18. विमला, सराईपाली – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
19. अंगई बाई – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
20. गोमती – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
21. – शासन से मेरा अनुरोध है हमारे गांव में जो महिला, पुरूष, बच्चे खेती करते थे लेकिन आज यहां पुरा डस्ट है जिसके कारण पौधा भी नहीं हो रहा है। हमारे तराईमाल, पूंजीपथरा, गेरवानी में पुरा प्रदूषण हो रहा है जिसको कोई चेक नहीं होता है। इसका जिम्मेदार कौन है मेरे गांव वाले लोगो को बेवकुफ मत बनाईये। हमारे जमीन को लेकर कोई काम तो नहीं दोगो। कलेक्टर महोदय से विनती करती हूँ यहा के बच्चे लोग आप से भी बुड़ा दिख रही हूँ। मैं पानी बाटल लाई में आप उस पानी को पी कर दिखाईये तो मैं भी पी लूंगी। जो 250 रोजी कमायेगा तो वो सब्जी कहां से खरीद कर खायेगा। हम घर में काम कराते है तो बोलते है कंपनी के रेट में देना। जितने भी लोग बेरोजगार घुम रहे है उनको नौकरी दिलवा दीजिये। आप मुझे जवाब दो। प्रशासन से मेरा गुस्सा बहुत है इतना सारा पेड़ कटवा दिये। आप कटपुतली की तरह बैठ दिये है। इतना सारा डस्ट उड़ा है उसको कम करवा दीजिये नौकरी दिलवा दीजिये।

22. विद्यावती सिदार, लैलूंगा – सबसे पहले मैं तमनार ब्लॉक की एवं सराईपाली क्षेत्र के सभी जनताओं को मैं इस जनसुनवाई के कार्यक्रम में आये हैं और इनके कार्यक्रम में आप लोगों ने जिस तहर से यहां विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं बहुत लोग समर्थन कर रहे हैं मैं उन लोगों को बताना चाहती हूं कहना चाहती हूं आपकी क्षेत्र की विधायक आपकी क्षेत्र की जनप्रतिनिधि आपके सामने बैठी है आपके साथ आई है फिर भी आप कंपनी का समर्थन कर रहे हैं यह बहुत बड़ी विबंडना इस क्षेत्र के लिए। आज पहली बार लैलूंगा विधानसभा में एक विधायक यहां आके खड़ी है लेकिन आपकी विडंबना देखिये जब मैं आपके क्षेत्र के लिए लड़ सकती हूं तो आप मरे साथ कंधे से कंधे क्यों नहीं मिला पा रही है। इन कंपनियों के दलाली कर रहे हैं आप लोग मैं सोंच रही थी मैं यहां बैठी हूं यहां आई हूं। मैं आप लोगों को बता देना चाहती हूं की जब तक इस क्षेत्र में विद्यावती सिदार विधायक रहेगी पब्लिक के साथ में रहेगी आप लोगों को किसी से डरना नहीं है और मैं आप लोगों के विधायक होने के नाते किसी भी कंपनी से नहीं डरती हूं। मैं आप लोगों को जनताओं को अभिमत देना चाहती हूं आप लोग अपने हक के लिए लड़ने के लिए बताना चाहती हूं आज हमारे सामने कलेक्टर महोदय हों नये कलेक्टर हमारे रायगढ़ जिले में आये हैं आपको बहुत–बहुत बधाई क्यों कि आज आपके कार्यकाल में यह पहला जनसुनवाई हो रहा है और इस जनुसनवाई में मैं आप लोगों को बताना चाहती हूं कलेक्टर महोदय की 2003 में जब जिंदल स्टील प्लांट का जनसुनवाई हुआ था उस समय धरना प्रदर्शन हुआ था लेकिन आज क्या हुआ आज लैलूंगा विधान सभा में इतनी कंपनियां हैं लेकिन विकास की बात कोई नहीं करता है। आज जनसुनवाई के माध्यम से लोगों को बरगलाया जाता है लोगों को चंद पैसा के लिए यहां समर्थन करना पड़ रहा है। यह हमारा आदिवासी अंचल है और कोई भी ऐसी आदिवासी नेता इस जनसुनवाई में नहीं आता है क्यों नहीं आता है क्योंकि सब कंपनी के दलाल हैं, कंपनी का पैसा खाते हैं इसलिये जनसुनवाई में यहां के सांसद, विधायक और रायगढ़ जिले कि जितने भी जनप्रतिनिधि है है कोई नहीं आये हैं लेकिन मैं आज आपके सामने आई हूं जनता के लिए आई हूं आपके लिए अपने पब्लिक के लिए आई हूं मेरे को यहां का विधायक बनाया गया है इसिलये बनाया गया है की मैं पब्लिक के लिए लडूं। आज हमारे चंद महिला लोग 500 के नोट के लिए यहां पर केलो इस्पात को समर्थन देने के लिए महिलाओं को चाहती हूं की 500 मैं अपना क्या भविष्य निर्धारण कर सकेगें आप लोग। मैं कलेक्टर महोदय से कहना चाहती हूं कि आप भी इस छत्तीसगढ़ के रहने वाले हैं और इस छत्तीसगढ़ में कितने वन संपदा है कितने प्रकृति है यहां कंपनी के आने से यहां कितने लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। 2003 से मैं यहां पर बता देना चाहती हूं कुंजेमुरा में राख डेम बना है और राख डेम में हर साल वहां पर राख उड़ता है लेकिन कोई भी इसका निराकरण नहीं हो रहा है तो नया कंपनी और कपंनी का विस्तार जो स्टील प्लांट यहां खोलना चाहते हैं वहां हमारे लोगों को क्या रोजगार मिलता है, क्या शिक्षा मिलेगी, क्या यहां सड़के आयेंगी, पानी आयेगी। मैं कमल इस्पात को कहना चाहती हूं की इस मंच के माध्यम से क्या हमारे लिये आप लोगों ने क्या किया है। इस चीज को आज कोई नहीं बोलता है

जिन पैसों के लिए समर्थन आज माताऐं कर रही हैं लेकिन आने वाले भविष्य में आपके इस तमनार ब्लाक में क्या होगा आप इसको नहीं जानते हैं बहुत बड़ी विडंबना है इस क्षेत्र की विधायक हूं लेकिन आपकी जनप्रतिनिधि आपके सामने खड़ी हूं फिर भी आप लोग समर्थन कर रहे हैं आंख में आंसू आ गया मैं आपके लिए लड़ने के लिए यहा आई हूं मैं आपका समर्थन करने के लिए आई हूं। लेकिन आप समर्थन कर रहे हो कंपनी को क्या यह कंपनी आपके बच्चों के भविष्य का निर्माण करेगा। मैं यह पूछना चाहती हूं जनताओं को यहां जो समर्थन कर रहे हैं। दूसरी बात मैं इस क्षेत्र में कितने लोग जो समर्थन कर रहे हैं उनका जानकारी चाहती हूं। कमल इस्पात को मैं पूछना चाहती हूं की कितने लोग यहां पर क्षेत्रीय लोग हैं या आप बाहर से खरीद के लाकर यहां पर समर्थन करवा रहे हैं उसका पूरा मेरे को जानकारी चाहीये। अगर आप जानकारी नहीं देंगें तो विधानसभा में क्वेशचन लगाऊंगी सारी कंपनियां जो यहां पर काम करती हैं आज तराईमाल में रोड को देखिये तराईमाल के रोड में डामर डला था यहां की क्षेत्रीय विधायक क्या कर रही है। लेकिन ये कंपनी क्या करती हैं कलेक्टर महोदय आप स्वयं इस रोड में आये होंगे। उस रोड में कितना गढ्ढा और प्रदूषण है और मैं कहना चाहती हूं कि आप कितने लोगों को रोजगार देंगें लोगों के लिए क्या व्यवस्था करेंगें, महिलओं के लिए क्या व्यवस्था करेंगें, बच्चों के लिए क्या व्यवस्था करेंगें मैं कमल इस्पात को पूछना चाहती हूं कि आज यहां जनसुनवाई हो रहा है लेकिन किसान का जमीन कितने रेट में आप खरीदे हैं उसका भी मेरे को जानकारी चाहीये। माननीय कलेक्टर महोदय इस क्षेत्र की जनप्रतिनिधि और इस क्षेत्र की विधायक होने के नाते पहली बार लोग मेरे को बोलते थे की विधायक नहीं आती है। लेकिन मैं बहूत दम रखती हूं मेरे को कोई खरीद नहीं सकता कोई कंपनी नहीं खरीद सकता है, न शासन, प्रशासन खरीद सकता है। क्योंकि मैं जिस समय में यहां की जनप्रतिनिधि बनी हूं यहां पर सबने विरोध किये लेकिन जनता ने मेरे को जिताया है और जनता के अधिकार के लिए मैं यहां पर खड़ी हुई हूं और वन विभाग जो हमारे तमनार ब्लॉक में फोरेस्ट में है फॉरेस्ट से मैं कमल इस्पात को पूछना चाहती हूं कि कितने दूरी पर आपका फैक्ट्री लगा हुआ है, और फैक्ट्री लगा है तो इसकी दूरी कितने किलोमीटर तक होना चाहीये इसका भी जानकारी मेरे को चाहीये। और कमल इस्पात को मैं ऐ भी पूछना चाहती हूं कि आपके फैक्ट्री बनने से वन भूमि जंगल जो हमारा अधिकार है जल, जंगल, जमीन हमारा अधिकार है। यहां पर कोयला से हमारा तेंदूपत्ता नष्ट हो रहा है, कोयले से हमारे बच्चों का स्वास्थ्य बिगड़ रहा है। हमको रोजगार नहीं मिल रहा है रोजगार की मांग करते हैं बड़ी–बड़ी कंपनी तमनार ब्लाक में आया है 143 कंपनी इस तमनार ब्लाक में है लेकिन आज तक आपने कितने लोगों को रोजगार दिया है। कोई भी सरकार आता है सरकार बोलता है कि आपके क्षेत्र में हम कंपनी बनायेंगे रोजगार देंगें। लेकिन सरकार आने के बाद में नौकरी नहीं देता है क्यों भाईयों। दिल्ली से आये हैं छत्तीसगढ़ से बाहर से आये हैं जब हमारी सरकार थी कांग्रेस की सरकार थी उस समय आवाज उठाई थी। लेकिन आज जो सरकार बैठी है मैं उन लोगों को पूछना चाहती हूं यहां की जो जनसुनवाई करी रहा है उनको पूछना चाहती हूं। एक बार मैं कमल इस्पात जी के पास बैठी थी

लेकिन इन्होने मेरी बातों पर ध्यान नहीं दिया, ये मेरे को समझे की आदिवासी महिला है सरल महिला है ये कुछ नहीं कर सकती लेकिन मैं इस जमीन से जुड़ी हूं। आदिवासी पढ़ी लिखी महिला हूं मेरे को आप बेवकूफ नहीं बना सकते यहां लोगों को रोजगार मिलना चाहीये यहां लोगों के साथ में अच्छा व्यवहार होना चाहीये। जैसी रायगढ़ में ओ.पी. चौधरी जी सड़कें बना रहे हैं लैलूंगा विधानसभा के तमनार ब्लाक में सभी कंपनियां जैसी रायगढ़ में चमचमा रही है रोड हमारे विधान सभा में होनी चाहीये। अगर आप ये सब नहीं कर सकते तो जनसुनवाईयों को यहां निरस्त कर दिजिये बंद कर दिजिये मैं आपके जनसुनवाई के लिये विरोध करने के लिए आई हूं बिल्कूल आपके विरोध में मैं यहां पर खड़ी हूं इतना कहकर अपनी वाणी को विराम देती हूं। बोलिये भारत माता कि जय।

23. पुष्पा राठिया, भुईकुरी – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
24. कमला चौहान – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
25. सुखमती – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
26. तारावती – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
27. गजेन्द्र चौहान – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
28. सरोज राठिया, सराईपाली – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
29. सविता – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
30. चंपा – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
31. देवधर नायक, भुईकुर्री – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
32. बोधराम – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
33. सुंदर लाल भाई – जितने लोग जो स्वार्थी है समर्थन किये है अगर किल्न लग गया कोयला जलेगा तो कितना गर्मी होगा मैं विरोध करता हूँ।
34. भगतराम, बरपाली – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
35. अमित, सराईपाली – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
36. यादमती – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
37. विजय भोई – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
38. पवन भोई – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
39. रोहित – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
40. चंदु राठिया – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
41. मनोज – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
42. गोपाल प्रधान – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
43. ब्रजेश – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

44. आनंदराम – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

45. संतोष पण्डा, गौरमुड़ी – सराईपाली, गौरमुड़ी, देलारी, गेरवानी, चिराईपाली, लाखा 100 मीटर के अंदर कंपनी खुला कोई विरोध नहीं आज 1000 मीटर दूर खुला और सारे विरोध कर रहे है। मैं 18–19 साल से जान रहा हूँ कोई भी शिकायत नहीं करता। तराईमाल के बहुत सारे कंपनी में है। सुनील पंडा को जितने टाईम भी बुलाया जाता है वो पहुच जाते है और अभी भी पहुच रहे है। कमल अग्रवाल का सोच–विचार सबसे अलग है। आशा करता हूँ कि प्रेमभाव से समर्थन किया जाये।

46. पुनीराम, सराईपाली – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

47. समारी बाई – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

48. मानमती – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

49. रोहिणी, सराईपाली – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

50. हेमा – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

51. दीपिका, सराईपाली – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

52. सौम्या – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

53. छाया – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

54. चांदनी, सराईपाली – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

55. मनीष कुमार – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है। हमारे क्षेत्र में बड़े–बड़े प्लांट है। डस्ट ना उड़ाये। इस क्षेत्र में बहुत सारे जनसुनवाई हुये है इससे पहले क्यों नहीं आये।

56. कन्हैया लाल, सराईपाली – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पांवर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

57. रक्षपाल – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

58. डमरूधर – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

59. अमित कुमार भोय, बरपाली – आप जो पेड के नीचे बैठे हैं पेड़ काटा गया, डस्ट फिलिंग की गई उसके ऊपर आप बैठे हुए हैं यह आदिवासी क्षेत्र है वन से वनोंपजो से आजीविका प्राप्त करते हैं एक समय से ग्रम बरपाली में दो सप्ताह तीन सप्ताह तेंदूपत्ता का संग्रहण होता था। आज केवल दो दिन होता है। एक और प्लांट आ जाये तो क्या दुर्दशा होगी। सराई पेड़ के पत्तेसे पत्तल का शादी व्याह में इसका उपयोग किया जाता है यह काला हो जा रहा है। धुल धुंआ का निकराकरण होगा लेकिन पानी कहां से लायेगा। पानी तो नहीं बना सकता 24 घंटे पानी का दोहन करेगें। पॉवर प्लांट को चलाने के लिए भूमिगत पानी का उपयोग करेंगा। मैं यहां की समस्या के बारे में बताना चाहूंगा कृषि भू कम हो गया है फसल नहीं हो पा रहा है। उससे पहले गर्मी के दिनों में गाय भैंस चला जाता है तो एक फिट गोदते थे तो पानी निकल जाता था। और ये लोग नही बोलते हैं सर रोजगार मिलेगा नहीं मिलता है। नौकरी मांगने गया तो लोकल कहकर नौकरी नहीं दिया गया। पढ़ा लिखा हूं कम्प्यटर चलाने का का करता था। पोल खुलने के डर से

लोकल लोगों को नौकरी नहीं रखते हैं। तीस दिन का जो पैसा है उसको आधा पैसा एकाउंट में देते हैं आधा पैसा कैश देते हैं। अपना पैसा बचाने के लिए ऐसा काम करते हैं। विकास तो छोडिये महोदय रोड ठिक नहीं ह। आस–पास के कितना डस्ट है पेड़ काटना आता है लगाना नही आता सीएसआर के तहत् विकास कार्य नहीं होता है। जनसुनवाई हो रही है सर यह जनसुनवाई आप जो बैठे हैं ये पूंजीपती लोग इनके द्वारा माहौल बनाया जाता है। एजेंट अपॉइंट लिया जाता है इतना पैसा कमीशन लें येसा होता है जनसुनवाई में जो पांच आदमी को जोड देता ह उसको पांच हजार। गांव में बैठक बुलाइये थे सभी समर्थन में थे। और कुछ लोग विरोध करने के लिये तैयार है। उद्योग वाले कहते हैं की जो वहां बैठे रहते हैं उसको भी उद्योग वाले खरीद लिये रहते हैं। मेरे मम्मी पापा यह टिचर यह नहीं सिखायें हैं। विरोध करने बावजूद भी खुल गया तो मैं हार जाउंगा। पैसा से सबकुछ खरीद सकते हैं पूंजीपती लोग। यहां सब बिके हुए हैं। और एक बात महोदय इस स्थल के जस्ट बगल में सरकारी गोठान हैउसका क्या होगा। यहा फैक्ट्री खुलेगा। विरोध।

60. लक्ष्मी प्रसाद–हामर डोली खेत इचअंग आहे समर्थन करताह ू।

61. तुलाराम सिदार– मुआवजा खत्म हो गया तो विरोध कर रहे हैं जिस समय जमीन गया । मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

62. अंकूर– मोर कुछू नही है। मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

63. सुंद्री– मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

64. सविता रथ, बरलिया – माननीय पीठासीन अधिकारी महोदय एवं पर्यावरण संरक्षण मंडल अधिकारी महोदय। मैं सविता रथ पिछले 25 वर्षों से इन क्षेत्रों में पर्यावरण के मुद्दों, खाद्य सुरक्षा को लेकर तथा सामुदायिक वन अधिकार लेकर मैं लोगों के बीच काम करती रही हूं। खास करके आदिवासी समुदाय के बीच। महोदय आज की जो यह केलो स्टील की जनसुनवाई करवा रहे हैं। महोदय जी इस पूरी जनसुनवाई के लिए जो ईआईए बनी हुई है, क्या आप यह पढ़ कर आए हैं? क्या आपने इस रिपोर्ट को देखा है? आप नहीं देखे हैं। आपका जो पिछला रायगढ़ ईस्पात का जनसुनवाई हुआ था, उसके ईआईए तथा अभी के जनसुनवाई में केवल केलो स्टील के नाम को बदल गया है। क्योंकि यह पूरा ईआईए फर्जी है और इसमें एक भी अध्ययन नहीं है। दूसरी बात में आपको बता दूं कि इसमें कोई भी ईआईए को बनाने से पहले एसईआईए बनाया जाता है। पर्यावरणीय समघाट बनाने से पहले सामाजिक अध्ययन करके किसी भी ईआईए को बनाया जाता है। यह जो आप मेरे को 350 पेज का ईआईए दिए हैं इसमें कहीं भी एसईआईए नहीं डाला है। आपने जो यह अंग्रेजी का ईआईए थमाया है, क्या आपने सोचा है कि आप यह पढ़ सकते हैं? और इसे पढ़ कर इस जनसुनवाई में अपनी बात रख सकते हैं क्या? आप इस बात को मानते हैं क्या? आप पढ़ लीजिए यह 300 पेज का अंग्रेजी का ईआईए है आप पढ़िए मैं सुन लेती हूं, कि इस ईआईए में आपने क्या लिखा है। एक ही चीज है कि पिछले जितने भी रिपोर्ट थी उस ईआईए का केवल नाम बदलकर बिना किसी सामाजिक प्रभाव

आकलन किए हुए, बिना किसी अध्ययन के, बिना किसी रिसर्च के, बिना पेसा कानून क्षेत्र में ग्राम सभा की अनुमति लिए बिना एसईआईए बनी नहीं सकती है। यह जो कागज का पुलिंदा आपने हमें थमाया है। इसे पढ़ कर कौन हमें समझाएगा। उसके बाद ही तो हम अपना पक्ष रख पाएंगे। इसमें हिंदी का ईआईए कहां है। आपको बता दूं कि आप जो यह उत्पादन करेंगे उसे उत्पादन के विषय में स्थानीय लोगों ने और आम लोगों ने ऐसा कौन सा दिन, कौन सा तारीख मैं जिला प्रशासन ने पढ़कर लोगों को समझाया है। मेरा सवाल यह है कि इस तरीके के जो फर्जी रिपोर्ट के शिकायत हैं यह जो ईआईए बनाने वाली कंसलटेंट कंपनी है। इसको बनवाने वाली जो उद्योग है। आप उसके खिलाफ कार्रवाई करेंगे। आप लोगों को मूल रिपोर्ट के आधार पर जो यह जनसुनवाई करवा रहे हैं। महोदय आपको बता दूं कि इस पुरी जनसुनवाई में आप जिस उद्योग का जनसुनवाई करवा रहे हैं आप रिजर्व फॉरेस्ट के अंदर बैठे हैं। बिना ग्राम सभा के अनुमति लिए आप जनसुनवाई करवा रहे हैं। अनुसूचित क्षेत्र का पेसा नियम लागू है। छत्तीसगढ़ में आप जिस जगह बैठे हैं। आपको बता दूं कि वन सामुदायिक अधिकार पट्टा, सामुदायिक वन अधिकार का उल्लंघन करते हुए उसे जगह में बैठे हैं। मैं आपको इस क्षेत्र की कुल सूची को भी दे रही हूं। यह जो वन अधिकार का मुद्दा है इसको मैंने तो नहीं दिया है सरकार ने दिया है। आप आदिवासी क्षेत्र में इतना सारा जनसुनवाई करवा रहे हैं। व्यापक पैमाने में यहां पर जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण एवं ध्वंनि प्रदूषण से जल जीवन प्रभावित हो रहे हैं। रायगढ़ इस्पात प्राइवेट लिमिटेड का जो आपने जनसुनवाई करवाया उसका यह प्रतिरूप है। केलो जो हमारे नदी का नाम है, केलो आपने एक उद्योग का नाम किस आधार पर दे दिया। क्या इसके लिए जनहित में लोगों से आपसे कुछ चर्चा हुई। अनुसूचित क्षेत्र में 33 प्रतिशत महिलाओं के साथ ग्राम सभा का अनुमति लिया। ऐसा रिपोर्ट बनाने के लिए कुछ कमेटी गठित हुई। कहीं से कुछ अनुमति मिला या रिपोर्ट बनाने के लिए। कब मिला और किस महीने। इसका ध्यान किया गया है। किससे अनुमति से किया गया है। आपको बता दूं कि केंद्रीय पर्यावरण वन मंत्रालय की अधिसूचना 14 सितंबर 2006 के तहत किसी भी उद्योग के आवेदन करने के 45 दिवस के अंदर जनसुनवाई का आयोजन राज्य सरकार द्वारा करवा देना चाहिए। आपको बता दूं कि अगर किसी परिस्थिति राज्य सरकार 45 दिवस के अंदर जनसुनवाई का आयोजन नहीं करवा पाती है तो उस स्थिति में केंद्रीय पर्यावरण वन मंत्रालय द्वारा एक स्वतंत्र समिति का गठन करेगा जो संबंधित जनसुनवाई का आयोजन करेगा। इस कंपनी के द्वारा जो जनसुनवाई के लिए आवेदन किया गया है। यह परियोजना या अधिसूचना 14 सितंबर 2006 और उसके संशोधन के अनुसार 03 "ए" श्रेणी के अंतर्गत आता है। उनके द्वारा दिनांक 29 नवंबर 2024 को आवेदन किया गया है और आप आज उसकी जानसुनाई करवा रहे। आप इसका जनसुनवाई 01 साल बाद करवा रहे हैं। लगभग 01 वर्ष पहले प्रस्तुत किया गया आवेदन में जनसुनवाई करवाने आ गये आप लोग। बिना अध्ययन और बिना पढ़े आ गए हैं। कैसे प्रशासनिक अधिकारी हैं आप लोग यह स्थिति स्पष्ट से ईआईए अधिसूचना 2006 के पैराग्राफ 07 के उपखंड 03 के प्रधानों का स्पष्ट रूप से उल्लंघन है। आप इसका

उल्लंघन कर रहे हैं। राज्य सरकार को कोई हक ही नहीं है इस जनसुनवाई को करवाने का। इसको केंद्रीय पर्यावरण संरक्षण मंडल द्वारा एक टीम बनाया जाएगा और उनके द्वारा यह जनसुनवाई आयोजित किया जाएगा। आपको बता दें कि इस जनसुनवाई को किये जाने हेतु 45 दिन का समय सीमा निर्धारण किया गया था और पर्यावरण नियमों के प्रतिकुल आप इस जनसुनवाई को आज करवा रहे हैं। यह जनसुनवाई स्वतः ही निरस्त माना जाना चाहिए। आपको बता दूं कि परियोजना स्वीकृत के संपूर्ण प्रक्रिया को ईआईए अधिसूचना 2006 के अनुसार आरंभ करें, नया एवं स्वच्छ या ईआईए बनाई। इस समाज की महिलाओं पर क्या प्रभाव पड़ेगा, गर्भवती महिलाएं कितनी है, उनके ऊपर आपके इस परियोजना का क्या प्रभाव पड़ेगा, क्या अच्छा प्रभाव पड़ेगा, बुजुर्गों के स्वास्थ्य के ऊपर क्या प्रभाव पड़ेगा, युवाओं पर क्या प्रभाव पड़ेगा, लोगों के रोजगार के ऊपर क्या प्रभाव पड़ेगा आप रिजर्व फॉरेस्ट में बैठकर जनसुनवाई करवाने आ गए है। इस जनसुनवाई के संबंध में विशेष आपत्ति दर्ज कर रही हूं। केलो स्टील एंड पावर लिमिटेड का जो जनसुनवाई आयोजित की जा रही है। इस संबंध में मैं अत्यंत गंभीर आपत्तियां में दर्ज करवा रही हूं। जिससे अत्यधिक संख्या में ग्रामवासी प्रभावित हैं। इस क्षेत्र में 14 लोगों की मृत्यु सेलीकोशिस बीमारी से हुआ है। इसके बावजूद भी कंपनी द्वारा पर्यावरणीय प्रभाव आकलन में आपके द्वारा इस रिपोर्ट में गंभीर स्वास्थ्य संकट का कोई उल्लेख नहीं है। आप कैसे इस बीमारी को रोकेंगे बताइए। क्यों उनका नाम इस ईआईए रिपोर्ट में दर्ज है। कौन बनाता है ? इस कंपनी के खिलाफ कार्रवाई करेंगे। आपको बता दूं कि यह यथार्थ से जुड़ा हुआ सामाजिक या फिर वैज्ञानिक अध्ययन इस ईआईए में नहीं है। आपको बताना चाहूंगी कि यह केवल कागजी प्रक्रिया है और जमीनी स्तर के वास्तविक रूप को स्पष्ट रूप से अनदेखा किया गया है। 10 साल पुराना रिकॉर्ड के अनुसार यह ईआईए बनता जा रहा है। यह सभी कट कॉपी पेस्ट किया गया है। यह बता दूं कि या यह अधिसूचना का यह उल्लंघन ही नहीं कर रहा है बल्कि पर्यावरण सुरक्षा तथा इस क्षेत्र के लोगों के जीवन के साथ सीधा खेल खेल रहे हैं। आपको बहुत मजा आ रहा होगा। आपका चेहरे पर बहुत मुस्कुराहट फैली हुई है। लेकिन आपको बता दूं कि आपको इस तरीके की फर्जी जनसुनवाई करवाते हैं। मैं कहना चाहूंगी कि हमारे कुछ गुनाहों के सजा भी साथ चलती है। अब हम तन्हा नहीं चलते। साथ में हमारे दवा भी चलती है। तो याद रहे मेहनत का ही कमाई खाई है। बेईमानी, झूठ, फरेब का कमाई मत खाइए। आपको बताना चाहूंगी कि उस भोले–भाले आदिवासी महिलाओं को बताया गया कि उनके गर्भाशय में क्या असर पड़ेगा तथा उनके छोटे बच्चों के आंतों में क्या असर पड़ेगा। उसे डाटा का अध्ययन कहां गया। आपके इस ईआईए में तो नहीं है। सिलिकोसिस बीमारी से मृत व्यक्तियों की सूची न्यायोचित वैज्ञानिक एवं सामाजिक दृष्टिकोण से सामग्र मूल्यांकन के बिना यह ईआए बना हुआ हैं। क्या आप फर्जी अनुमति दे देंगे। प्रभावित क्षेत्र में स्वतंत्र वैज्ञानिक प्रभावित पर्यावरण का सामाजिक अध्ययन करवाने का कोई प्रमाणित रिपोर्ट आपके पास है या फिर कोई टीम है या नहीं आप बताइए। महोदय आपको बताना चाहूंगा कि स्थानीय चिकित्सा सुविधा का मूल्यांकन के बिना स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधा

करवाया बिना आप यहां के प्रदूषण का बिना अध्ययन के वायु जल और मृदा प्रदूषण का विस्तृत जांच किया बिना लैब टेक्नीशियन के टीम के द्वारा बिना जांच किया आप एक नया जनसुनवाई करवा रहे हैं। इस कंपनी के जो मालिक है उनके दूसरे कंपनी में आप कितने बार जांच करने गए हैं। किस आधार पर आप यह अंधाधुन जनसुनवाई करवा रहे हैं। मैं इस संबंध मे डब्ल्यूएचओ को चिट्ठी लिखूंगी। मैं आपको बता दूं मैं उसकी भी मेंबर हूं। मैं चिट्ठी लिखूंगी यहां के पर्यावरंण पर्यावरण प्रदूषण, यहां के मासूम बच्चों, गर्भवती महिलाओं, आंगनबाड़ी केंन्द्रो, यहां के 10 किलोमीटर परिधि के स्कूलों, कॉलेज, स्वास्थ्य केंद्र तथा यहां जो गौ रक्षा केंद्र हैं। आपके जो सिंघनपुर गुफा है इन सब के बारे में। ईआईए में इतने बेकार बातें रखते हैं कि जनसुनवाईयों में बोलने में भी सुविधा होती है। आपको बताना चाहूंगा कि वन अधिकार कानून अधिनियम 2006 अनुसूचित जनजाति एवं अन्य परंपरागत नियमों का यह जनसुनवाई स्पष्ट रूप से उल्लंघन कर रहा है। यहां कितने लोगों को राज्य सरकार द्वारा वन अधिकार पट्टा दिया गया है तथा गैर परंपरागत आदिवासियों को भी पट्टा दिया गया है। इसकी सूची आपने तो रिपोर्ट में नहीं दिया। लेकिन हम अपने रिपोर्ट में शिकायत के माध्यम से जरूर देंगें। आपको बताना चाहूंगी कि यहां के जड़, जीवन, जमीन तथा यहां के लोगों को वायु प्रदूषण के कारण सांस लेने में भी कठिनाइयां हो रही है। अगर आप इस जनसुनवाई को अनुमति देते हैं तो नियमानुसार यह कानूनी तौर पर उल्लंघन है। महोदय जी आप क्यों मोबाइल देखते रहते हैं ? सर मुझे लगता है कि मैं बहुत बुरा बोलता हूं। मेरे बात को सुनिए आप मोबाइल खेलेंगे तो मैं नहीं बोलूंगी। आपको अच्छा लगा क्या ? कि आप कुछ बोले और मैं मोबाइल में खेलती रहूं। आपको बताना चाहूंगी कि यह जो ईआईए है यह बेहद ही अपूर्ण, अधूरा एवं झूठ लिखा गया है। यह दूसरा ईआईए रिपोर्ट का कॉपी पेस्ट है। इस आधार पर आपको बताना चाहूंगी कि इस कंपनी के जनसुनवाई को तत्काल निरस्त करने की आवश्यकता है। अनावश्यक रूप से जिला प्रशासन अपने प्रशासनिक अधिकारियों को यहां हालखान कर रहा है। जिस जनसुनवाई को राज्य सरकार के जिला प्रशासन को करवाने का अधिकार है। तो आप यह जनसुनवाई क्यों करवा रहे हैं। आप एक शब्द में बोलिए कि हमसे गलती हो गई। हमारा यह स्पष्ट मांग है कि प्रस्तावित कंपनी के जनसुनवाई को तत्काल निरस्त करें। क्षेत्र में मौजूद अन्य उद्योगों द्वारा भूमि जल उपयोग के मांग को ध्यान में रखते हुए एक सामूहिक जल प्रभाव आंकलन रिपोर्ट वाटर परीक्षण करवाया जाए तथा जब तक प्रशिक्षण के निष्कर्ष सार्वजनिक रूप से संझा नहीं किऐ जाते एवं जल संरक्षण हेतु आप सतर्क योजना नहीं बनाते तब तक किसी नहीं कंपनी को अनुमति नहीं मिलना चाहिए। इस कंपनी की स्थापना के संदर्भ में हमारी ओर से गंभीर आपत्ति दर्ज कराना चाहूंगी। मेरा यह कहना कि इस क्षेत्र के पर्यावरण का मुख्य अध्ययन आज तक राज्य शासन है एवं जिला प्रशासन द्वारा नहीं करवाया गया है। जबकि इसका स्पष्ट निर्देश राज्य प्राधिकरण क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल द्वारा जारी किया गया है। तो क्या आप एनजीटी के आदेशों का अवहेलना करते हुए यह जनसुनवाई करवा रहे हैं। राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण एनजीटी के जो निर्देश हैं। आपको बता दो कि भोपाल द्वारा राज्य शासन और

जिला प्रशासन को यह स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि इस क्षेत्र में किसी भी नया उद्योग इकाई की स्थापना अथवा पूर्व स्थापित इकाइयों के विस्तार हेतु अनुमति न दिया जाए। जब तक पर्यावरणीय प्रभाव का विस्तृत एवं वैज्ञानिक अध्ययन ना किया गया हो। आपने कौन सा ध्यान करवा लिया? कि आप इस जनसुनवाई को करवाने आ गऐ। इस निर्देश का मुख्य उद्देश्य है कि एनवायरमेंटल असिसमेंट क्या आपने किया है, क्या क्षेत्र के जलवायु तथा ध्वनि प्रदूषण का वैज्ञानिक आंकलन आपने किया है, क्या औद्योगिक प्रदूषण के दीर्घकालिक प्रभाव का आंकलन किया है, क्या इसकी समीक्षा हो गई है। इसके उपरांत ही किसी नए उद्योग के स्थापना पर विचार किया जाना चाहिए। जनसुनवाई नहीं करवा देना चाहिए। बंद कर दीजिए। दिन के 3:30 बज गया है अब तक अगर इतना सुनने के बाद हम अपनी बात रखते हुए विरोध दर्ज कर रहे हैं। आपकी जगह मैं होती तो तत्काल इस जनसुनवाई को निरस्त कर देती और नए जनसुनवाई करवाने का आदेश जारी करती। आपसे जो पूर्व कलेक्टर रहे हैं उन्होंने बाकायदा ऐसी त्रुटि पूर्ण जनसुनवाई के ईआईए को सुनने के बाद तत्काल निरस्त करने का आदेश दिया है। आप भी आपके अंदर के संविधान जो है जो आपको ताकत मिला है उसे संविधान का उपयोग करते हुए इस जनसुनवाई को निरस्त करें, न की की केला सेव आइसक्रीम अंगूर को बैठकर खा रहे है। आपको बता दूं कि आज तक ना कोई भी समग्र पर्यावरण अध्ययन में गूगल भी नहीं बता पाया कि रायगढ़ के अंदर कोई पर्यावरणीय अध्ययन हुआ है। क्या नहीं मालूम आपको ? आपके क्षेत्र में समग्र पर्यावरणीय मूल्यांकन सीईओ नहीं लिया गया। इस क्षेत्र के पुराने उद्योगों के से उत्पन्न जल, ध्वनि एवं वायु प्रदूषण का विश्लेषण नही आया है। माननीय एनजीटी के आदेशों के उल्लंघन के अलावा आप लोगों ने कुछ नहीं किया। बल्कि आप लोग आम नागरिकों के जीवन और स्वास्थ्य अधिनियम राइट टू लाइफ के अंतर्गत आर्टिकल 21 के तहत् आप लोगों के अधिकार का हनन किया है। संभावित प्रभाव एवं आवश्यक सावधानी जो आपको करनी चाहिए थी। वह भी भूजल स्तर में नहीं किया गया। वायु के कणों में जो जहरीले मात्राओं का वृद्धि हुआ उसको भी कंट्रोल करने के लिए तथा ध्वनि प्रदूषण के कारण बच्चों बुजुर्गों महिलाओं के स्वास्थ्य संबंधी बीमारी देखी जा रही है। यदि बिना पर्यावरणीय अध्ययन के इस क्षेत्र में नए औद्योगिक इकाइयों को स्थापना की जाती है तो स्थानीय जैव विविधता को भारी नुकसान पहुंचेगा। आपको बता दूं कि क्षेत्र के जंगलों में व्हाइट मशरूम का अध्ययन हुआ है। प्रदूषण के कारण वे व्हाईट मशरूम जंगलों से विलुप्ति के कगार में आ गया है। आप विकास की बात करते है न तो और कितना विकास चाहिए। जल स्रोत चुके हैं हमारी मांगे हैं कि जलवायु, ध्वनि, भूमि, वनस्पतियों पर जो प्रभाव होगा, उसका वैज्ञानिक विश्लेषण किया जाना चाहिए। कम से कम 10 किलोमीटर की परिधि में आपका किलो डेम परियोजना आता है। कितने जल स्त्रोतें उसमें प्रभावित हो रहे हैं। आप जहां बैठे हैं यह रिजर्व फॉरेस्ट के अंतर्गत आता है। कितने किस्म के बड़े पेड़ हैं। क्या वन विभाग आपको सूची नहीं दिया। क्या आपने रिपोर्ट बनाने वाले कंसलटेंट कंपनी तथा वन विभाग से डाटा नहीं लिया है ? यह किस दुनिया में है आप ? लोग आपको बताना चाहूंगा कि इस उद्योग के संबंध में हमारे

और से गंभीर चिंता व्यक्त की जा रही है। क्षेत्र में पहले से बड़े हुए प्रदूषण स्तर और इसके कारण होने वाले स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव को देखते हुऐ हम यह मानते कि क्षेत्र में और नए उद्योगों की स्थापना या विस्तार को अनुमति नहीं देना चाहिए। आपको बताना चाहूंगी प्रदूषण के स्तर में दिन में दिन पीएम 2.5 तथा पीएम 10 का पर्यावरण मानकों से कई गुना अधिक हो गया है। यहां के प्रदूषण का स्तर जो वायु के सूक्ष्म क़ड़े स्थानीय समुदाय के स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ रहा है, जिसके कारण टीवी, दमा, इस्नोफीलिया, कैंसर तथा सिलिकोसिस जैसे गंभीर बीमारी हो रही है। यहां पर हर 10 व्यक्ति में से 02 व्यक्ति में कैंसर के लक्षण दिख रहा है। सीएमओ साहब ने तो कभी कैंप लगाया नहीं की इस क्षेत्र में कितने कैंसर के बीमारी से ग्रस्त है। क्या उसकी जांच करवाकर बताइए मुझे? आपको बताना चाहूंगी कि स्तनधारी जीव तथा जलवायु पर प्रभाव पर देखा गया है। प्रदूषण केवल इंसानों तक सीमित नहीं है अपितु स्तनधारी जीवों में प्रदूषण के कारण व्यापक प्रभाव पड़ा है। जो पर्यावरणीय संतुलन को और भी गहरा करता है। इस प्रकार के रोगों का फैलाव न केवल विविधता के लिए हानिकारक है, बल्कि यह प्राकृतिक तथा पारिस्थितिक तंत्र व्यापक रूप से प्रभाव पड़ रहा है। आपको बता दूं कि जो जल जीवन पर प्रभाव पड़ रहा है। सामाजिक तथा मानसिक तनाव होने के कारण समुदाय के लोग चिंता तथा अन्य मानसिक समस्याओं से जूझ रहे हैं। क्या आंपने कोई ऐसा जांच करवाया है? प्रदूषण में जो वृद्धि हुई पीएम 2.5 और पीएम 10 के धूल के कारण प्रदूषण का स्तर बढ़ता जा रहा है। सांस की बीमारी उत्पन्न हो रही है। यह केवल इंसानों को नही वन, जीवन तथा पालतू पशुओं पर क्या प्रभाव पड़ रहा है इसका कोई प्रशिक्षण करवाए हैं क्या? अभी तक नहीं हुआ है, ना तो सरकार, ना तो अधिकारियों को कोई रुचि नहीं है। हमारे वनों के अंदर रहने वाले जीवो पर क्या प्रभाव पड़ रहा है। हमारे वन में रहने वाले हाथियों इतना क्यों हिंसक हो गए हैं। उद्योग सीएसआर तथा टीएनएफ का पैसा रखते हैं लेकिन खर्च कहां में करते है इसका कोई हिसाब नही है। पैसा कहां जाता है। मूल रूप से प्रभावित आदिवासी जो क्षेत्र हैं वहां के महिलाओं, पुरुषों, युवाओं तथा फैसले नुकसान हो रही है। इसका मुख्य कारण है कि पूरे क्षेत्र के जैव विविधता का मानसिक संतुलन बिगड़ जाना है। महोदय आपको बता दूं कि सड़क दुर्घटना तथा इससे मरने वाले लोगों का आंकड़ा लगभग बराबर है। महोदय आपको बता दूं कि यहां के जीवन की गुणवत्ता में प्रमुख गिरावट आई है। एक अध्ययन कहता है कि छत्तीसगढ़ के लोगों के जीवन में खास करके रायगढ़ तथा कोरबा जैसे औद्योगिक क्षेत्र में जीवन स्तर काम हो गया है। औसत आयु से कम हो गया है। हमारा मानना है कि इस क्षेत्र में उद्योगों की स्थापना से इन समस्याओं में और वृद्धि होगी और इसलिए हम यह सुझाव देते हैं इस क्षेत्र में किसी भी नए उद्योग स्थापना की अनुमति न दिया जाए। जब तक इन मुद्दों का समग्र मूल्यांकन ना किया जाए। इस क्षेत्र में पूर्व से स्थापित उद्योग तथा नए उद्योग के स्थापना से भारी वाहनों के आवागमन के कारण सड़के जर्जर हो रही है। भारी मात्रा में सड़क दुर्घटना हो रही है। जिसका मुख्य कारण है कि भारी वाहन हेतु संकुचित सड़कों के कारण सड़के के क्षमता से अधिक दबाव होना जिससे सड़क दुर्घटना की संभावना बढ़ती जा रही

है। निपोर्ट के अनुसार दुर्घटना दर आठ गुना अधिक बढ़ गया है। आपको बता दूं वाहनों को मैं गति में वृद्धि और सड़क सुरक्षा सुविधा इस क्षेत्र के लोगों को आप नहीं दे पाया है। यह दुर्भाग्य जनक है कि इस क्षेत्र के सड़कों पर सड़क सुविधा, सिग्नल, सड़कों की मरम्मत तथा पैदल चलने वाले के लिए रास्ते का अभाव है, जिसे दुर्घटनाओं की संख्या वृद्धि होने की संभावना और अधिक बढ़ गई है। आपको बता दूं कि यह सभी यहां के जल जीवन के प्रति प्रतिकूल प्रभाव डाल रही है। आपसे निवेदन है कि सबको एक बेहतर सड़क एक बेहतर माहौल दिया जाए। आपको बताना चाहूंगी कि छत्तीसगढ़ में सड़क दुर्घटना में प्रतिदिन 19 लोगों की जाने जा रही है। रायगढ़ के अंतर्गत रोज 03 लोगों की जाने जा रही है। छत्तीसगढ़ में 108 ब्लैक स्पॉट है, जहां ज्यादा हादसे होते हैं। औद्योगिक विकास तो आपने किया, लेकिन सड़क का विकास नहीं किया। हमारे बच्चे स्कूल जाते हैं हमें डर रहता है कि हमारे बच्चे लौट कर आएंगे कि नहीं। सड़क हादसों में 19 लोगों का मौत हुआ है, जिसका दस्तावेज मेरे पास हैं। इस दस्तावेज को आप सभी लोग देख लीजिए, इस दस्तावेज को मैंने नहीं दिया है। यह रिपोर्ट डब्ल्यूएचओ के अनुसार है। आपको बता दूं कि, यहां प्रतिवर्ष सड़क दुर्घटना में लगभग 1.35 मीलियन मौत होती है। छत्तीसगढ़ में 50 मिलियन लोगों को गंभीर शारीरिक चोटें आती है। आज हम आपको छत्तीसगढ़ में बढ़ते हादसों के बारे में बता रहे हैं जिसके रिपोर्ट दिया है। इस रिपोर्ट को अजय पटेल ने लिखा है। महोदय आपको बता दूं की छत्तीसगढ़ के 05 साल के आंकड़ों में जो है कि वर्ष 2024 में रायगढ़ जिले में 691 हादसे हुए हैं, जिनमें से लगभग 379 मौतें हुई है। आज की तारीख में कम से कम 50 और हादसे जोड़ लिजिये। इसमें जो मुख्य कारण माना गया है वह सड़कों के कारण हुआ है। गाड़ियों की संख्या का बढ़ना के कारण हादसे हो रहे हैं। यहां पर हम बैठे हैं उसके 03 किलोमीटर के परिधि में सिंघनपुर गुफा एवं राम झरना है। यह रायगढ़ जिले के मुख्यालय के 20 किलोमीटर के अंदर आता है, जो की भूपदेवपुर रेलवे स्टेशन से मात्र 03 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। गुफा लगभग 30 हजार साल पुराना है। जाईये महोदय जी एक बार घूम आईयेगा अच्छा जगह है। सिंघनपुर गुफा 30 हजार साल पुराना है, इसकी खोज एंडरसन द्वारा वर्ष 1910 में की गई थी। इंडिया अपेंडिक्स 1918 में तेरहवें अंक में रायगढ़ जिले के सिंघनपुर के गुफा के चित्रों का प्रकाशन किया गया था। यहां बहुत सारे अवशेष पाया गया है। यह विश्व की सबसे प्राचीनतम मानव शीला है। इसकी ऊंचाई 300 मीटर लंबी तथा 60 फुट ऊंची है, जो कि इस क्षेत्र में स्थापित उद्योगों के कारण प्रभावित हो रहा है। जिसे आपके इस रिपोर्ट में दर्शाए नहीं गया है। महोदय जी आपको बताना चाहूंगी कि, झूठों ना झूठों से बोला है कि सच बोलो। अरे भाई सरकारी ऐलान हुआ है सच बोलो। घर के अंदर झूठों की एक मंडी है। दरवाजे पर लिखा है सच बोलो। तो फिर ईआईए के अंदर क्या है, उसको भी तो सच बोलिए ना या फिर आप ऐसा करिए ईआईए आप पढ़ लीजिए, मैं सुन लेती हूं। यह जो 350 पेज की ईआईए है जो लिखकर आपने मुझे थमाया है। संबंधित क्षेत्रों को दिए हैं। आपको बता दूं, मुझे ईआईए को पढ़ने से मना किया जा रहा है। आपको बता दूं कि आप जितना लेट करेंगे। ईआईए उतना गहरा होता जाएगा। जितना

शांत रहेंगे, उतना जल्दी होगा। उतना जल्दी बोल कर मैं निकलूंगी। मुझे बोलने दीजिए और शांत रहिए। तो आपको बता दूं महोदय की आपने जो सामुदायिक भवन, बरपाली, हर्राडीह, भुंईकुरी तथा इस पूरे क्षेत्र को सार्वजनिक सामुदायिक वन क्षेत्र का पट्टा दिया है यह रिपोर्ट पूरी तरह से गलत है। फ़र्जी है। इस ईआईए में एक भी जगह यह डाटा नहीं है। इसको आपके पास मैं लिखकर आपत्ति दे रही हूं, इसमें पूरी सूची है। आप हमें बता दीजिए कि इस सूची में एसआईए नहीं है। सामाजिक प्रभाव आकलन नहीं है। पूरा क्षेत्र वन अधिकार अधिनियम 2006 ग्राम सभा की स्पष्ट पूर्ण सहमति लेना अनिवार्य है। परियोजना के पर्यावरणीय प्रभाव आकलन जैव विविधता मूल्यांकन स्वतंत्र एवं पारदर्शी विशेषज्ञ से समीक्षा का रिपोर्ट में होना चाहिए थी। वनों तथा संरक्षित प्रजातियां, पवित्र स्थान तथा संवेदनशील क्षेत्र में परियोजना नही लगाई जाए। यह नो–गो एरिया घोषित किया जाए। आप बोलिए आप घोषित करेंगे? आपको बता दूं कि एसआईए बनने पर जो मानव अधिकारों का उद्योगों द्वारा हनन किया गया है। जिससे कि मानव संपत्तियों पर प्रभाव पड़ेगा। अतः परियोजना से प्रभावित लोगों को उचित मुआवजा, पुनर्वास तथा परियोजना से संबंधित लोगों को न्याय मिले इन सबको सुनिश्चित किए बिना एसआईए को बनाया गया है। जबकि इन सब मुद्दों को शामिल करते हुए भारत के आधार आदर्श संहिता के तहत सहयोग से रिपोर्ट बनाना चाहिए था, लेकिन नहीं बनाया गया है। अपने भूमि अधिकरण किया आदिवसियों अधिकार का उपयोग किया। आपको बता दूं कि इसमें मुख्य बातों को शामिल किए बिना एसआईए को मनाया गया है। उद्योग द्वारा या ईआईए में एसआईए के मुख्य बातों का को नजर अंदाज करना गंभीर दोष है। आपको बता दूं की परियोजना का असर विशेष कर आदिवासी समुदाय को होता है तथा जब जैव विविधता पर पड़ता है। तो यह केवल कानूनी उल्लंघन नहीं है तथापि सामाजिक अन्याय का कारण भी बन सकता है। अतः प्रशासन से एसआईए अनिवार्य रूप से कराकर पुनः मांगे तथा तब तक नई परियोजना को स्वीकृति न दिया जाए तथा इस जनसुनवाई को निरस्त कर दिया जाए। सामाजिक प्रभाव का एसआईए में अनुपस्थित, भूमि अधिकरण तथा परिणाम के प्रभाव के आकलन हेतु वर्ष 2013 के भूमि अधिग्रहण कानून के अंतर्गत एसआईए अनिवार्य था। इसे नोट किया जाए महोदय। इससे यह पता चलता है कि लोगों का जीवन जीविका तथा आजीविका, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला एवं बच्चों पर क्या प्रभाव पड़ेगा। इन सब की अनुपस्थिति में यह परियोजना कानून रूप से अधूरी एवं अवैध माना जाना चाहिए। वन अधिकार तथा पेसा कानून के तहत ग्राम सभा की अनापत्ति लेना अनिवार्य है, जो कि नहीं लिया गया है। यह सहमति लिखित रूप से होनी चाहिए, जो कि नहीं है। जैव विविधता, जंगल, खेती योग्य भूमि, पशु, पक्षी, पारंपरिक औषधि, पौधे का इस एसआईए में उल्लेख नहीं किया गया है। स्थानीय जैव विविधता का बीबीसी से कोई सूचना नहीं ली गई है। जबकि इसको लेनी चाहिए थी। सामुदायिक आजीविका तथा संस्कृति का प्रभाव आदिवासी समुदाय जंगल, नदी, खेतों पर आधारित है। इन सबसे प्रदूषण तथा पानी की कमी आदि जैसे प्रभाव निर्मित होंगे, जिसका कोई समाधान प्रस्ताव में नहीं है। आपको बता दूं कि इस रिपोर्ट में निगरानी योजना का अभाव है। प्रदूषण तथा भूजल का प्रभाव वायु

गुणवत्ता, ध्वनि प्रदूषण आदि से होने वाले दीर्घकालिन उपाय का उल्लेख नहीं है। जनसुनवाई की यह पूरी प्रक्रिया पारदर्शी नहीं है। जन सूचना उचित समय में सरल भाषा स्थानीय भाषा में संबंधित ग्रामों तक नहीं पहुंची। अतः श्रीमान जी से विनम्र निवेदन है कि रायगढ़ क्षेत्र में औद्योगिक तथा खनन परियोजनाओं की स्थापना के लिए राज्य सरकार, जिला प्रशासन तथा केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय को जनसुनवाई के लिए पूरा विचार करना चाहिए तथा जब तक समस्त कानूनी नियमों का पूर्ण पालन न हो, समस्त रिपोर्ट सार्वजनिक ना हो, संबंधित ग्राम पंचायत की सरल तथा स्पष्ट अनुमति प्राप्त न हो, जैव विविधता के लिए उचित उपाय तथा निगरानी ना हो तब तक ऐसे जनसुनवाईयों का आयोजन न करें, तब तक इस उद्योग को अनुमति न दिया जाए। मैं इसका लिखित रूप से आपत्ति करते हुए इसमें संलग्न दस्तावेज के साथ इस समय जिला प्रशासन को दे रही हूं तथा आपसे निवेदन करती हूं कि आप इसका मुझे पावती देंगे। आपने मुझे सुना इसके लिए बहुत–बहुत धन्यवाद। आपको बस एक बात कहना है कि महोदय जी की ईमानदारी से काम करें। धन्यवाद।

65. कविता, बरपाली – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
66. संतोषी, बरपाली – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
67. स्नेहा भोय – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
68. माधुरी – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
69. त्रिवेणी – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
70. सुशीला – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
71. रमिला – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
72. गुरबारी – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
73. राजकुंवर – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
74. गुरबाई साहू – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
75. सुभाष – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
76. गुप्ता, उपसरपंच – मेरे जो मित्र सभी बातो का रिकार्ड किया जाये। हम लोग कापी पुस्तक देखकर पढ़ने वाले नहीं है। मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है। मेरा रिक्वेस्ट है कि प्रभावित क्षेत्र के योग्य लोगो को रोजगार दे। प्लांट खुलने से विकास और विनाश होता है।
77. बंशीराम साहू – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है। सी.एस.आर. की राशि का भरपुर यहा पर उपयोग किया जाये।
78. विरेन्द्र कुमार – मैं कुछ बात करूंगा और जवाब भी चाहूंगा जब प्लांट लगता है तो विकास भी होता है और विनाश भी होता है। प्लांट खुलने से रोजगार मिलता है। केलो स्टील जो प्लांट लग रहा है उसके मालिक रायगढ़ इस्पात के ही है जो काम निश्वार्थ रूप से करती है। स्थानिय लोगो पर सी.एस.आर. का

पैसा खर्चा नहीं होता है। सी.एस.आर. का पैसा दूसरे जिले में उपयोग किया जाता है। स्थानिय क्षेत्र में नहीं होता। सी.एस.आर. का पैसा स्थानिय क्षेत्र में किया जाये, वहां के ग्रामपंचायत को दिया जाये। यहा रोड की क्या व्यवस्था है आप देख ही सकते है। आप गेरवानी से आते तो यहा आ ही नहीं पाते यहा 2 दिन पहले ही बनाया गया है। इसका जिम्मेदार जिला प्रशासन है। गेरवानी से रायगढ़ तक रोज एक्सिडेंट होता है, ना ही यहा रोड की व्यवस्था है और ना ही प्रदूषण की व्यवस्था है। यहा 150 प्लांट से ज्यादा है फिर भी यहां विकास नहीं है। स्थानिय जगह में विकास नहीं हो पा रहा है जिला प्रशासन ध्यान नहीं दे रही है आपको इसपर ध्यान देना पड़ेगा। रायगढ़ इस्पात बहुत सारे कांम है जो अच्छा करती है लेकिन सी.एस.आर. का पैसा स्थानिय क्षेत्र में उपयोग नहीं होता है। मैं उम्मीद करता हूॅ कि स्थानिय क्षेत्र में उपयोग हो। प्लांट नियम से एन.ओ.सी. लेकर चलती है अगर नहीं करती तो ये जिला प्रशासन की गलती है। मैं आग्रह करूंगा कि स्थानिय लोगो को फायदा होना चाहिये। मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

79. ननकीराम राठिया – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

80. उद्धव प्रसाद – मेरे जीवन काल में बहुत गरीबी देखा हूॅ। हमारे इस अंचल में गरीबी था। आदमी भुख के मारे कुछ ही खा कर जीवन यापन कर रहे है। आज कंपनी के आने से मोटर–साईकिल और चार पहिया में आ–जा रहे है। आज जनता बढ़ रहे है तो दुर्घटना तो जरूरी है। अभी के स्थिति में हम जीवन यापन सुखी से चला रहे है। यहा रायगढ़ इस्पत है जितने भी समय जाते है तो ज्यादा बोलना नहीं पड़ता है सहयोग करते है। हम अपना जीवन चला रहे है। मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

81. मनमोहन राठिया, भुईकुरी – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

82. अमर प्रसाद राठिया, भुईकुरी – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

83. गणेश, भुईकुरी – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

84. टीकाराम चौहान – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

85. गौतम राठिया – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

86. पारश, भुईकुर्री – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

87. पंकज कुमार, सराईपाली – मेरा निवेदन है कि उद्योगो की निति पर सिकंजा कसे, बेरोजगारों को रोजगार दे। आज बहुत सारे लोगो को मैं देखा, सरोज गुप्ता को भी देखा आज करीब 10–15 जनसुनवाई हो गया ये लोग आज तक विरोध नहीं किये थे आज क्या हुआ जो विरोध किये। मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है लेकिन उद्योग प्रदूषण पर अंकुश ना लगाये तो पंकज गुप्ता विरोध करेगा।

88. नवीन गुप्ता, देलारी – हमारे कमल भैया के बारे में फालतु का भाषण डाले है और हमारे क्षेत्र में बहुत लोगो को रोजगार दिये है उनको जितना भी बोला जाये वो कम है। मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

89. मित्रभानु, बरपाली – नवदुर्गा प्लांट में काम करता हूँ रायगढ़ इस्पात में नहीं रखा गया क्षेत्र के लोगो को रोजगार दिया जायेगा, मैं रायगढ़ इस्पत में काम करना चाहता था मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

90. अजय कुमार साहू – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

91. श्याम सुंदर – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

92. भगवती, बरपाली – विरोध।

93. मझी, बरपांली – विरोध।

94. ललिता सिदार – विरोध।

95. सेतकुमारी – विरोध।

96. सावित्री – विरोध।

97. कौशल्या – विरोध।

98. मालती – विरोध।

99. सुखमेत – विरोध।

100. सोनिया, बरपाली – विरोध।

101. जमुना – विरोध।

102. फुलमती – विरोध।

103. आशमति – विरोध।

104. गंगा बाई, – विरोध।

105. पदमा – विरोध।

106. रामप्यारी – विरोध।

107. धनमेत – विरोध।

108. जगमती – विरोध।

109. जमुना – विरोध।

110. रमिला – विरोध।

111. कौशल्या – विरोध।

112. सुदरो – विरोध।

113. लक्ष्मण – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

114. लक्ष्मीप्रसाद, देलारी – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

115. राजीव – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

116. कार्तिक, देलारी – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

117. राजकुमार, सराईपाली – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

118. बल्लू – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

119. चित्रसेन – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

120. गुलाप – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

121. हेमंत – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

122. रोहित, देलारी – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

123. दुर्गेश – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

124. नंदकुमार यादव – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

125. रियालाल – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

126. साखीराम – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

127. लारेन्स एक्का, रायगढ़ – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

128. भावेश – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

129. राधवेन्द्र – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

130. संदीप – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

131. ईश्वर – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

132. विजय, बरपाली – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

133. अमर श्रीवास – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

134. राजेश गुप्ता, सराईपाली – पता नहीं जनसुनवाई को समर्थन और विरोध का मंच बना दिया जाता है। इस क्षेत्र के डेवलप किया जाता तो कई लोग आई.टी.आई. पास होते और कंपनी में काम करते। इस क्षेत्र की डेवलपमेंट के लिये कार्य किया जाये। और प्रदूषण को कंट्रोल किया जाये।

135. मिथलेश साहू – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

136. नौरंग शर्मा – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

137. अविनाश – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

138. दामोदर साव – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

139. यशवंत – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

140. चंद्रकांति, बरपाली – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

141. संतोष, बरपाली – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

142. पुनीराम, बरपाली – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

143. अरूण कुमार – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

144. राजेश त्रिपाठी – सम्मानीय पीठासीन अधिकारी महोदय, सम्मानीय पर्यावरण अधिकारी, सम्मानीय पुलिस के अधिकारीगण कर्मचारीगण, पर्यावरण के समस्त अधिकारी, कर्मचारीगण और ईआईए बनाने वाली कन्सलटेंसी कमिटी एवं समस्त ग्रामीण जनों का हार्दिक अभिनंदन और स्वागत करता हूं। सर जो आज की पर्यावरणीय केलो स्टील एण्ड पॉवर प्रा. लिमिटेड, बरपाली की स्थापना की जनसुनवाई का जो आयोजन किया जा रहा है। आज की अगर जनसुनवाई को देखें तो 14 सितंबर 2006 केन्द्रीय वन पर्यावरण मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार आवेदन के 45 दिवस के अंदर जनसुनवाई का आयोजन किया जाना चाहीये। अगर किन्हीं परिस्थितिवश राज्य सरकार आवेदन के 45 दिवस के अंदर जनसुनवाई का आयोजन नहीं करवा पाती उन परिस्थितियों में केन्द्रीय वन पर्यावरण मंत्रलय एक समिति का गठन करेगा और ओ समिति जनसुनवाई का आयोजन करवायेगी। ऐसा यह प्रावधान है क्योंकि अधिसूचना जो जारी होती है केन्द्रीय पर्यावरण वन मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार होती है। सर ये जनसुनवाई की ईआईए रिपोर्ट है। वास्तव में नियम यह है कि सबसे पहले उद्योग स्थापित होने वाले क्षेत्र के 10 किलोमीटर प्रभावित क्षेत्र के अंदर एसआईए बनेगा सोशल इम्पेक्ट एसेस्मेंट रिपोर्ट की उद्योग स्थापित होने से सामाजिक प्रभाव है जो लोगों के जीवन में किस प्रकार से पड़ेगा। पर देखा यह गया कि अभी तक मैं लगभग 130 जनसुनवाईयों में हिस्सेदारी कर चुका और देखा यह कि किसी भी ईआईए के अंदर एसआईए का निर्माण नहीं किया जाता और एसआईए नहीं बनता जो कि एसआईए बनना अनिवार्य है। और अच्छी बात यह बतादूं कि 90 परसेंट लोगों को प्रशासन को भी नहीं मालूम की एसआईए बनाते कैसे हैं। जब यहां एडिशनल कलेक्टर श्याम धावड़े साहब थे उनके साथ हमने एक कोशिश किया था। की रायगढ़ जिले में औद्योगिक क्षेत्रों का एसआईए का निर्माण किया जाये और उसके माध्यम से आगे की जो औद्योगि विकास की जो रूपरेखा है उसे तैयार किया जाये। सर यह क्षेत्र में 1996 से 2010 तक मुझे राजीव गांधी जल ग्रहण विकास मिशन के तहत् काम करने का अवसर मिला और छः साल के अंदर इस क्षेत्र में हमने जो वाटर लेबल है उसमें 06 मीटर इन्क्रीयेज किया 6 मीटर 14–15 गांवों में। उस समय जो मैने देखा कि यहां आजीविका के तीन चीज हैं एक तो पहला है कृषि दूसरा है पशुधन और तीसरा वनोपज जो वनों से संग्रह करके जो धनराशि इकट्ठा होती है उस धनराशि से लोग अपने आजीविका का संचालन करते हैं। सर मैं जब इआईए का अध्ययन कर रहा था तो अभी तीन महिने पहले एक शिवपुरी में जनसुनवाई हुई थी और ओ रायगढ़ इस्पात की जनसुनवाई हुई थी, और एक एनआर कंपनी की स्थापना की जनसुनवाई हुई थी। इस ईआईए में मैं पेज बाई पेज बता सकता हूं की जहां रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर लिमिटेड होता था यहां इस ईआईए के अंदर उस शब्द हो हटाकर मेसर्स केलो स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड लिख दिया गया और उसके जो जीपीएस डाटा हैं और वहीं डाटा इसमें बताता हैं। और यहां तीन अध्ययन बताता हूं 2006 से पर्यावरणीय अध्ययन किया यहां सरंगा फाऊंडेशन

सरंगाधारा की एक अध्ययन रिपोर्ट है और उस रिपोर्ट में यह कहा गया कि सन् 2015 तक यहां लगभग 10 से 12 परसेंट लोगों को कैंसर जैसे गंभीर बिमारियां यहां पैदा हुई है। इसके बाद एससीएससी ने यहां अध्ययन किया सुनीता नारायणन जिनका नाम है जो देश की जाने माने पर्यावरण विद हैं, और उन्होने रायगढ़ में पर्यावरणीय मापदंडों का अध्ययन किया और उन्होने कहा कि देश के सबसे प्रदूषित क्षेत्रों में छत्तीसगढ़ के दो जिले कोरबा और दूसरे नंबर पर रायगढ़ और दूनिया के सबसे प्रदूषित क्षेत्रों में अभी ग्रीनपिस की सर एक हफ्ते पहले 10 दिन पहले रिपोर्ट आया है। ग्रीनपिस ने कहा कि दूनिया के सबसे प्रदूशित क्षेत्रों में रायगढ़ का 48 नंबर है और छत्तीसगढ़ के कोरबा का चौंथा नंबर है प्रदूषण के मामले में। और यहां अगर हम देखें इनके ईआईए में ये बरपाली गांव है और इसके दो किलोमीटर आगे सराईपाली गांव हैं। इस गांव में 2015 में 15 जनवरी 2015 में एक कैम्प लगाये और उस कैम्प में वहां हमने हेल्थ चेकअप करवाया तो इस क्षेत्र में 45 लोग सिलिकोसिस के मरीज निकले उसके दस्तावेज मेरे पास है पर आपके ईआईए के अंदर सिलिकोसिस का जिक्र तक नहीं है।। 9 लोग सर उसमें सराईपाली के सिलिकोसिस प्रभावित की मृत्यु हो चुकी है और उसमें जो 1–2 लोग जो बरपाली के मजदूर वहां काम करते थे सिलिका पत्थर पीसने कंपनी जो सराईपाली की वहां 3 मजदूरों की सिलिकोसिस की वजह से मृत्यु हो गई और अभी भी सराईपाली में 4 ऐसे मजदूर हैं जो अभी सिलिकोसिस प्रभावित जिंदा हैं जिनके लिये न तो जिला प्रशासन न राज्य सरकार और न तो कोई उद्योग किसी प्रकार का मदद नही किया है। सर सबसे बड़ी बात यह है कि जब हम उद्येगों की ईआईए को पढ़ते हैं। एक पतली सी किताब है उसको पढ़ रहा था उसमें सीएसआर के तहत् विकास किया जायेगा। और यह हर ग्राम पंचायत या थाना क्षेत्र हो चाहे वह उद्योग का क्षेत्र हो विकास के दावे का नया नमूना यह है सर की तमनार जिले के 17 गांवों में अनुविभागीय अधिकारी घरघोड़ा द्वारा सभी तरह के विकास कार्यों पर प्रतिबंध लगा दिया गया और एक तरफ उन गांवों के लोगों को यह बोला गया की अगर कोयला खदान आ गया की अगर कोयला खदान और उद्योग आयेंगे तो विकास होगा ये दोनों बात हमको जमी नहीं और उस एसडीएम साहब के पत्र को भी मैने लगाया है की 14 गांवों में प्रधानमंत्री आवास के तहत् किसी भी प्रकार का कोई निर्माण कार्य नहीं किया जायेगा। रायगढ़ जिले के अंदर तो तरीके के फंड है एक है सीएसआर का है अभी आपको बात दूं सर की एक महिने पहले रायगढ़ में जो 04 केस हैं जो मस्क्यूलर डिस्टॉर्फी के मरीज हैं और वो मरीजों के लिए मैं कुछ उद्योगों को पत्र लिखा जो सीएसआर के तहत् जो मस्क्यूलर डिस्टॉर्फी के जो मरीज हैं जिनकी दुनिया में अभी तक कोई दवा नहीं बनी है। और जिनके ओ बच्चे हैं उन बच्चों का उम्र 20 साल होती है सर जब मैने उद्योगों को पत्र लिखा तो एक उद्योग ने हमको जवाब यह दिया की आप पहले कलेक्टर साहब से आप अनुमोदन करवाईये दूसरा दिन मंगलवा था मैं उस कागज को लेकर कलेक्टर साहब के पास गया और बोला की सर ऐसे–ऐसे उस बच्चे की मेडिकल रिपोर्ट है आप ऐसा करिये की डीएमएफ और सीएआर मद से अगर मदद कर सकें तो कर जिजिये मैने कई उद्योगों को पत्र लिखा और

उद्योग बोलते हैं कि कलेक्टर से अनुमोदन करवा के लायें और कलेक्टर बोलता है कौन सा उद्योग बोला क्या नाम है। मैने उनको नाम बता दिया और उसकी प्रतिक्रिया जो भी हुई होगी तो जो प्रतिक्रिया उसकी हुई हो। दूसरे दिन उद्योग के मालिक ने मेरे को फोन करके बोला कि आप कलेक्टर साहब के सामने मेरा नाम क्यों ले लिये और उस उद्योग की दो महिने पहले जनसुनवाई हुई है और उस समय यह बोलाकि आप जो बोलोगे बिजली, पानी, शिक्षा, चिकित्सा, स्वास्थ्य, रोजगार के लिए हम 24 घंटे कर्बद्ध कार्य करने के लिए तैंयार हैं। आज स्थिति यह है कि सभी लोगों ने अपने–अपने विकास का जो पैमाना बताया और लोगों को लगता है कि वास्तव में जो पर्यावरणीय लोकसनुवाई है यह पक्ष और विपक्ष ये विरोध और समर्थन की जनसुनवाई है। मेरा मानना यह है की जो ईआईए बनाने वाली जो कंसल्टेंसी है इन्होने अपने ईआईए में तीन सीजन का जो यहां पर्यावरणीय अध्ययन किया है। उस कृटिक ईआई को फाइनल ईआईए बनाने के लिए इस दस्तावेज को आम जनमा के बीच में रख रही है। न ये समर्थन है और न विरोध है। इस ईआईए के अंदर कोई चीजें छूट गई हैं उसके लिए मैं जोड़ने आया हूं। अगर इसमें कोई डाटा गलत हो गया उस डाटा को हम सही करने आये हैं। सर हमने आज दो तरीके का अपना प्रतिवेदन बनाया है। एक मेरा प्रतिवेदन एमओईएफ से लेके जिला प्रशासन तक के लिए है की रायगढ़ की जो स्थिति पर्यावरण प्रदूषण को लेके है ध्वनि प्रदूषण हो, जल प्रदूषण हो वायु प्रदूषण हो इसको कैसे नियंत्रित किया जा सके। और सबसे बड़ा संकट तो यह है की रायगढ़ में लगभग 7676 मेगावाट आज के डेट में बिजली पैदा होती है सर और उससे 1 करोड़ 92 लाख मै. टन जो राख निकलती है उसके निस्तारण का कोई जगह नहीं है। और आपको बता दूं कि दो साल के बाद रायगढ़ जिले के अंदर तीन करोड़ मै. टन तक उत्पादन होगा आप सोंचिये रायगढ़ रहने लायक है क्या? और आपको बता दूं कि विगत मैं अब तक रायगढ़ जिले में 25 कैंसर के मरीजों को उसमें से मेरा एक भाई भी है जिसको अभी चार दिन पहले हैदराबाद से लेकर के आया हूं। विरंची हॉस्पिटल से एसे 10 लोगों को यहां से लेकर के रायपुर एम्स, रायपुर संजीवनी और आपका एक बालको हॉस्पिटल वहां तक लोगों को लेकर जा रहा हूं। अभी मस्क्यूलर डिस्टॉर्फी के 3 बच्चों के को लेकर बैंगलोर जा रहा हूं उनका चेकअप कराने तो सबसे बड़ी बात यह है तो इस तरीके के गंभीर बिमारियों का अपनी इआई के अंदर किसी तरीके का कोई दस्तावेज नहीं है। और दूसरा आते हैं शिक्षा के लिए अगर 10 किलोमीटर के रेडियस के अंदर देखें तो लगभग 12–15 हायर सेकेण्डरी स्कूल है, 20–25 यहां मिडिल स्कूल हैं और लगभग 35–40 लगभग प्राइमरी स्कूल हैं और अगर पूरे क्षेत्र में यदि देखा जाये लगभग 125 से ज्यादा आंगनबाड़ी हैं जहां 2 साल तक बच्चे अपनी प्राथमिक शिक्षा लेते हैं जो व्यवस्था है जीवन जीने की शैली है परंतु देखा यह गया है इस अध्ययन के अंदर कोई स्टडी ऐसी नहीं है। जब इतने गंभीर मामला जब ये तराईमाल का क्षेत्र हो गेरवानी का क्षेत्र हो, लाखा का क्षेत्र हो, सराईपाली का क्षेत्र हो अगर प्रदूषण की यह स्थिति है तो क्या यहां के लोगों का कोई स्वास्थ्य परीक्षण किया गया है। और ग्रीनपिस की रिपोर्ट आज की डेट में यह बोल रही है कि आप देख सकते हैं आप चाहे तो ले लें ग्रीनपिस

की रिपोर्ट यह है कि पीएम 2.5 एवं पीएम 10 की अभी यह मात्रा है कि रायगढ़ जिले के अंदर हर आठवें घर में घरघोड़ा, तमनार और पुसौर क्षेत्र में और रायगढ़ शहर में हर आठवें घर में एक कैंसर का मरीज है कोई ईमानदारी से जांच तो करे। और उनमें से 80 परसेंट कैंसर का है सर और मजे की बात यह है कि वह कैंसर महिलाओं को है 20 परसेंट जो कैंसर है ओ पुरूषों पर हैं, और इसके बावजूद भी आप स्थापना पर स्थापना करते हैं। दूसरी बात हम आते हैं सड़क की व्यवस्था जब मैं इस क्षेत्र में वाटर शेड का काम करता था 2–2 लाख 3–3 लाख रूपये मजदूरों का पैमेंट करने के लिए अपने बैग में रख कर दे आ जाता था इतनी सुरक्षा थी अपराध नहीं था। जितने अपराध 1996 में रायगढ़ जिले में होते थे उतने अपराध हमारे जिले में एक साल में एक थाने में होता है, तो अपराध जो है उद्योग के साथ–साथ अपराधियों का बहुत ज्यादा व्यापक पैमाने पर बढ़ोतरी हुई। फिर आप लोग दुर्घटना पर आइये की अगर 1996 में रायगढ़ जिले में 5000 वाहन होंगें तो आप 25000 वाहन है उसमें से 10,000 वाहन भारी वाहन हैं, और जो भारी वाहन हैं उनकी क्षमता साहब 35 टन है और ओव्हर लोडिंग की वजह से 80 टन की गाड़ियां चलती हैं। सर अभी हमीरपुर रोड में हमीरपुर की एक महिला का पैदल जा रही थी उसका पति जाम लगा हुआ था पति ने कहा की तुम उतरो गाड़ी से पैदल चलों मैं गाड़ी आगे निकालता हूं उस महिला का क्या दोष था पीछे से ट्रक आया बगल में गढ्ढा था कट मारा और डम्फर के जो दोनो टायर थे उसके बीच में फंसके मर गई। और ये बहुत सामान्य बात होती है की लोग एक्सिडेंट में इसलिये मरते हैं कि शराब पीते हैं, बहुत तेज गाड़ी चलाते हैं, और जिन महिलाओं और लड़कियों की मौत होती है ओ न तो शराब पी हुई थी और नहीं गाड़ी चला रही थी ओ पैदल जा रही थी। तो सड़क दुर्घटनाओं में जितना छत्तीसगढ़ के अंदर नक्सली हमले में लोग शहीद नहीं हो रहे जीतने मारे नहीं जा रहें हैं हमारे पुलिस के नौजवान देखें तो आये दिन माने जा रहे हैं। उससे कहीं ज्यादा यदि रायगढ़ जिले के अंदर देखें की हमारे लोग सड़क दुर्घटनाओं में मर रहे हैं और पिछले 2024 में सर यहां 374 मौते सड़क दुर्घटना में लोगों की हुई है। और इतना किसी दूसरे राज्य के अंदर नहीं है और जो माफिया है ना उनको कौन रोकेगा सवाल यह आता है इस पूरे क्षेत्र में ईआईए में लिखा है सर की यहां कोई जंगली जानवर नहीं पाया जाता और मैं यह बोलता हूं कि 10 किलोमीटर के रेडियस में मेरे साथ चलिये 25–25 लाख के वन विभाग में 2 एलिफेंट वाच टॉवर बनाया है और देखने सामारूमा चले जाईयेगा और एक तमनार रोड में जाईयेगा दो टावर बने हुए हैं। और कल की स्थिति में रायगढ़ के बंगुरसियां रेंज के अंदर हाथी पाये गये झूण्ड में हाथी हैं और आपका ईआईए बोलता है की कोई जंगली जानवर नहीं है। अभी वन विभाग के कुछ दिन पहले जो हिरण होता है ओ ट्रक के चपेट में आने से सामारूमा के आगे मारा गया ओ भी नहीं हैं। अभी कल की रिपोर्ट है कि भालूयों ने जो तेंदूपत्ता तोड़ने गये मजदूर हैं उनके ऊपर हमला किया और ओ भी आपके ईआईए में नहीं है, बंदर भी आपकी ईआईए में नहीं है, जंगल के सांप भी आपके ईआईए में नहीं हैं तो आपके ईआईए का अध्ययन में यह कह सकता हूं। और यहां सरपंच और उपसरपंच अपनी बात कह के गये हैं। अगर उनसे पूछा जाये

की क्या ईआईए बनाने वाली एजेंसी 10 किलोमीटर एरिया के अंदर किन ग्राम पंचायतों में कौन–कौन सरपंच है उनका नाम बता दिजिये शायद उनको नहीं मालूम। मालूम इसलिये नहीं है क्योंकि ग्राउण्ड लेबल पर कोई एक्सरसाईज नहीं है। आप केलो डेम का कौन सा सेम्पल लिये है, आप राबो डेम का कौन सा सेम्पल लिये हैं आप यहां से 10 किलोमीटर दूर बिलासपुर डेम का कौन सा सेम्पल लिये हैं। आप 10 किलोमीटर रेंज के अंदर इस पहाड़ के उस पार एक बिलासपुर डेम बना हुआ है वहां से कौन सा सेम्पल आपने लिया, जिंदल का एअर स्ट्रीप बना हुआ है वहां का कौन सा सैम्पल लिया और जब ये जनसुनवाई करावाया तो वहां की जो 10 किलोमीटर के रेडियस में 11, 12 ग्राम पंचायतें है वहां क्या किसी ग्राम को जनसुनवाई की जानकारी या सूचना है। तो दो चीजें हैं सर यहां ग्राउण्ड लेबल पर जो वास्तव में आप पानी का पीएम जो पीएच नापने का काम है आपने नहीं किया एक भी आपके पानी का पीएच न तो हैण्डपम्प का है न नदियों का है न, तालाब है। यहां से 10 किलोमीटर दूर जो सराईपाली गांव है सर उस गांव में मैं 6 साल रहा हूं। उस गांव में 14 एकड़ का तालाब है सर उस गांव में मैं वाटर शेड मीशन के अंदर आस्थामुड़ा के तहत् मछली पालन करवाता था सर और लगभ 80, 80, 90,90 क्वींटल उस तालाब में मछली निकलते हैं। आज की स्थिति यह है की उद्योगों द्वारा जो भू जल का दोहन किया जा रहा है उसके चलते उस तालाब में एक बूंद पानी नहीं है इधर से जायेंगे तो बांए तरफ देख लिजियेगा। आज स्थिति यह है कि गांवों में जिन गांवों में 2006 में 6 मीटर सरप्लस वाटरशेड के काम में पानी का लेबल लेके आया था ओ आज की डेट में सब सुखे रूखे हैं और अभी भी मान लिजिये की आपको पानी की अनुमति नहीं मिलेगी तो कैसे चलेगा क्या एन आर कंपनी जैसे की शिवपुरी के जंगल में 4 किलोमीटर जंगल के अंदर उन्होने पानी टंकी बना दिया, 800 हजार मीटर पाईप लाईन भी बिछा दिया, बिजली कनेक्शन भी दे दिया और अभी तक इन्वायरमेंट क्लीयरेंस औ बाकी क्लीयरेंस नहीं मिला। और हमारे जिले के वन विभाग के अधिकारियों को देखेंगे तो हमारे डीएफओ को पता नहीं था ओ एक दिन जो चीजें बन रहीं थी पर असलीयत जो है हमको मालूम है। हामरी डीएफओ मैडम ने वास्तव में ओ काम करवा रहे थे, और उन्होने जो फाईल बनाई थी ओ फाईल जो सीएफ साहब मिश्रा जी जो बिलासपुर में बैठते हैं ओ तीन महीने बाद वह रिटायर होने वाले हैं, तो उनका एक मात्र एक सूत्रीय अभियान है ओ सीएफ साहब का वसूली अभियान है। और ये फाईल लेके कंपनी के जो मालिक है ओ चले गये वहां की साहब इसमें परमिशन लेना है, आप तो रिटायर होने वाले हो तो जब तुम चढ़ोतरी नहीं दिये हो तो तुमको अनुमति किस बात की। और जब वहां हम लोगों ने जांच किया पूरी रिपोर्ट जब बायलर किये तो दूसरे दिन रायपुर से फॉरेस्ट विभाग का विजिलेंस आया और ओ विजिलेंस सर कार्यवाही किया और जो हर विभाग में होता है, की अगर अच्छा काम होगा तो विभाग का जो कप्तान होता है तो उसको राष्ट्रपति पदक, प्रधानमंत्री पदक मिलता है। चाहे वह पुलिस विभाग हो, चाहे वह वन विभाग हो, चाहे राजस्व विभाग हो पर अगर जब गलती होती है तो पुलिस विभाग का सिपाही सस्पेंड होता है, वन विभाग का नाका और चौकीदार सस्पेंड होता हैं और राजस्व

विभाग का सबसे बढ़िया पटवारी सस्पेंड होता है। और हमारे यहां कमाल–कमाल की चीजें होती है रायगढ़ किसी जीच में प्रथम स्थान हो की न हो हम भ्रष्टाचार के मामले में प्रथम स्थान पर हैं। हमारे जिले में 200, 500 करोड़ का ऐसे ही भ्रष्टाचार हो जाता है, धान खरीदी में हम लोग 1000, 2000 करोड़ का भ्रष्टाचार कर लेते हैं। जमीन मुआवजा भू अर्जन में हम 1000, 500 करोड़ का हम भ्रष्टाचार कर लेते हैं और उसका जीता जागता उदाहरण कल के पेपर में हैं। बजरमुड़ा 115 करोड़ रूपयें किसानों को जमीन के बदले मुआवजा मिलना था, और वहां जो मुआवजा बटा ओ 415 करोड़ रूपये बटा और वहां बड़े–बड़े मकान किसके बने थे ओ तहसीलदार साहब के थे, पटवारी साहब के थे, वन विभाग के स्टेनो साहब के थे, और वहां जमीन किसके पूर्व में छत्तीसगढ़ राज्यपाल अनुशुईया उईके के भतीजे का नाम से डाई एकड़ जमीन निकल रही थी। यहां दो चार करोड़ का भ्रष्टाचार को भ्रष्टाचार नहीं मानते और अभी तीन साल के लंबी लड़ाई के बाद रायगढ़ कलेक्टर ने सात लोगों के ऊपर एफआईआर करने का आदेश दिया है। एसडीएम घरघोड़ा जो पूर्व में थे मारबल साहब, एक भरत सांहब तहसीलदार थे ओ एक उद्यान विभाग के एक अधिकारी थे, एक अधिकारी पीडब्ल्यूडी के त्रिपाठी जो कोई थे यहां गलती से हम भी त्रिपाठी हैं ओ भ्रष्टाचार के आरोपी हैं। दो पटवारी है और एक वन विभाग के नाका और जंगल कटवाने का काम कौन किया डीएफओ मैडम सस्पेंड कौन हुआ नाका तो हमारे यहां कार्यवाही नहीं होती। क्योंकि राजनीति और प्रशासन दोनों मिलकर के लूट करते हैं, और लूट ऐसे करते हैं की हजार पंद्रह सौ करोड़ तो छोटी मोटी लूट है। एनटीपीसी में लूट हो गई, रेलवे लाईन में करोड़ों की लूट हो गई भारतमाला प्रोजेक्ट में रायगढ़ के अंदर करोड़ों की लूट हो गई। जांच कौन करेगा सब तो चोर बैठे हुए हैं। सरकार के अंदर दो चार बहुत अच्छे अधिकारी होते हैं या तो ओ मुख्यालय में रहेंगे और गलती से कोई अच्छा अधिकारी यहां आ गया तो उनके ऊपर राजनीतिक दबाव स्थापना कुछ ऐसे भी अधिकारी हमारे जिले में है जिन्होने अपने मूल्यों से समझौता नहीं किया और रायगढ़ जिले में जो यहां वहां तीन साल से जंगलों में तालाबों में स्कूल के मैदान में फ्लाई ऐश डाली जा रही थी। हमारे जिले के पर्यावरण अधिकारी को जब ओ अधिकार मिला उन्होने 1500 रूपये प्रति टन के हिसाब से फ्लाई ऐश का यहां वहां फेंकने में लगभग 4.50 करोड़ रूपये का जुर्माना किया ये सबसे बड़ी सफलता थी और आज मैं यह कह सकता हूं कि 2025 में रायगढ़ जिले के अंदर मुझे अवैध तरीके से अभी तक कोई फ्लाई ऐश नहीं दिखा हैं, तो हमारे जिले में ऐसे भी अधिकारी हैं। पर उनके ऊपर कितना दबाव आता होगा इस बात को हम जानते और समझते हैं तो एक तो दबाव में काम करना और दूसरा दबाव से हटकर काम करना तो अच्छे अधिकारी हैं। अच्छे प्रशासन में काम करने वाले लोग हैं पुलिस प्रशासन में अच्छे अधिकारी व काम करने वाले लोग हैं, वन विभाग में अच्छे काम करने वाले लोग हैं, राजस्व विभाग में यदि देखे तो अच्छे काम करने वाले लोग हैं पर होता यह है कि उनके ऊपर जिस तरीके से कार्यवाही जिस तरह के दबाव डाले जाते हैं ओ दबाव कहीं न कहीं जो काम होना चाहीये वह नहीं पा रहा। यहां की जो पर्यावरणीय स्थिति है मैं आज की स्थिति में यह कहता हूं सर की

रायगढ़ जिले में एक पर्यावरणीय अध्ययन होना चाहीये और अध्यन रिपोर्ट के आधार पर और उद्योगों की स्थापना और विस्तार पुर्नविचार करना चाहीये। कल एक सुनीता नारायणन का देशबंधु में दैनिक भास्कर में बहुत अच्छा लेख आया था की इंसान के मूल्यों पर विकास का माध्यम निर्धारित नहीं होना चाहीये और सही बात है ये डेवलोपमेंट किसके लिये है मैं भी चाहता हूं विकास हो पर जब देखता हूं कि विकास के जो पैमाने हैं अभी कोई बोल रहा था वह बोलते–बोलते सच्चाई बोल गया तो बोलता है यहां से लेके गेरवानी तक सड़क ही नहीं था। और गेरवानी से लेके बरपाली तक लगभग 15 से 20 उद्योग हैं सर, अगर वह ईमानदारी से 10–10 लाख रूपये हर उद्योग सड़क में यदि खर्च कर दे तो जो सिंगल रोड है वह डबल रोड हो जाये। उससे यह होगा कि जो उद्योगों के कच्चे माल आते हैं और पक्का माल जाता है ओ आने–जाने में सुविधा हो जायेगी। और दूसरा इधर के जो 30–35 गांव हैं जो यहां से आने–जाने का काम करते हैं उनको एक बेहत्तर सड़क मिल जायेगी। पर देखा यह गया है कि 20 साल में विकास के झूठे कार्य विकास के झूठे दावे करेन वाले चाहे ओ उद्योग हों चाहे वह सरकार हो, आम जनता के जन विकास के हितों के लिए जवाबदेह नहीं बन पाई। हमारे जिले में लगभग 356 करोड़ रूपये डीएमएफ का पैसा आता है, वर्तमान नियम के मुताबिक 70 परसेंट राशि 10 किलोमीटर कोयला प्रभावित क्षेत्र के भीतर खर्च होना है और दूसरा यह की 30 परसेंट राशि 25 किलोमीटर रेडियस के अंदर खर्च करना है। अगर ईमानदारी से पैसा खर्च किया जाये तो अगर यहां पंच सरपंच बैठे हुए हैं तो इनको बता दूं की एक–एक ग्राम पंचायत को 20, 20 करोड़ रूपये मिल सकता है। और हर ग्राम पंचायत अच्छी सड़क, अच्छी नाली, अच्छा बिजली, अच्छी शिक्षा, अच्छा स्वास्थ्य अपने ग्रामवासियों को उपलब्ध कराया जा सकता है परंतु वह पैसा डीएमएफ का पैसा कहां खर्च होगा हमारे यहां श्रीदेवी जयाप्रदा रायगढ़ में वह नृत्य होता है क्या बोलते हैं चक्रधर समारोह उसमें सीएसआर का पैसा खर्च हो जाता है, उसमें डीएमएफ का पैसा खर्च हो जाता है, और जो मूल जरूरतमंद हैं उनको वह सुविधा नहीं मिल पाती तो धन्यवाद मुझे इतनी बात कहनी थी। और आप सभी लोगों ने मेरी बात को सुना और उन सभी साथियों को भी धन्यवाद जिन्होंने आज पीछे से हल्ला नहीं किया उन सबका मैं आभारी हूं, बहुत–बहुत धन्यवाद।

145. आशुतोष उपाध्याय, रायगढ़ – सभी को मेरा नमस्कार एवं सभी जो योगदान दे रहे है सभी को धन्यवाद। हमारा रायगढ़ शहर पूर्व में प्रसिद्ध था आज रायगढ़ को नया आयाम मिला है उसका कारण उद्योग ही है। दूख का विषय यह है कि मैं पिछले 2–3 जनसुनवाई में देख रहा हूँ लोग विरोध कर रहे है। मैं इतिहास की ओर आप सभी का ध्यान आकर्षण करना चाह रहा हूँ भारत पहले पिछड़ा था बहुत बुरे स्थिति में था आज की स्थिति में भारत बहुत अच्छा है इसका कारण उद्योग है। यहां पर औद्योगिक क्रांति ही है। रायगढ़ भी एक अपना अलग पहचान बनाया हुआ है। मेरा अनुरोध है कि उद्योग का विरोध ना करें। मैं किसी के विचारों का विरोध नहीं करता हूँ। संयोग हमको करनी चाहिये। रायगढ़ इस्पात का नाम भी रायगढ़ से ही

रखा गया है। मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है। और भी उद्योग आयेंगे तो भी मैं समर्थन करूंगा।

146. श्याम दौरान – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

147. चैतराम चौहान, देलारी – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

148. फेरूराम, देलारी – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

149. केशव भोय – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

150. कमलेश, बरपाली – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

151. रामकुमार, बरपाली – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

152. रामेश्वर, बरपाली – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

153. नंदकुमार, बरपाली – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

154. हेतलाल – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

155. धनंजय – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

156. जयलाल, देलारी – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

157. रमेश कुमार – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

158. ललित कुमार – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

159. जशकेतन – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

160. परदेशी – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

161. प्रमोद – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

162. आशिष कुमार, देलारी – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है। इस प्लांट में बाहरी व्यक्ति को प्राथमिकता दिया जाता है जो काम वो करते है वही काम मैं भी करता हूँ इस पर किसी भी प्रकार का कार्यवाही नहीं होता। मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

163. सुशील कुमार – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

164. जयलाल – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

165. बब्बल – मेसर्स केलो स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

क्षेत्रीय अधिकारी – और कोई अपनी बात रखना चाहता है तो कृपया माईक पर आकर दर्ज करे और कोई आना चाहता है तो आ सकता है।

पीठासीन अधिकारी – कंपनी के रिप्रजेटेटिव कृपया अपना जवाब प्रस्तुत करेंगे।

कंपनी कंसलटेंट मैं अक्षय सिंघानिया मेसर्स ग्रास रूट रिसर्च एण्ड क्रिएशन इंडिया प्राईवेट लिमिटेड आप सबका इस जनसुनवाई सभा में उपिस्थति और भागीदारी के लिये स्वागत करता हूँ। मेरे साथ सुनील पण्डा जी है जो महाप्रबंधक मेसर्स केलो स्टील एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड के है। हमारा बिन्दुवार जवाब प्रस्तुत है।

पहला जल स्तर पर प्रभाव हेतु परियोजना द्वारा भूमिगत जल का उपयोग होना प्रस्तावित नहीं है, परियोजना में सतही जल का उपयोग किया जायेगा जो सतही जल के उपयोग के संबंध में जल संसाधन विभाग से अनुमति प्रापत किया जायेगा इसके अतिरिक्त परियोजना में शुन्य निस्सारण का पालन किया जाना प्रस्तावित है। तदैव परियोजना के आस–पास जल स्त्रोतो पर किसी भी प्रकार का दुष्प्रभाव संभावित नहीं है। वायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु परियोजना में पर्यावरण प्रबंधन योजना अर्थात ई.एम.पी. के तहत लगभग 44.5 करोड़ का व्यय किया जाना प्रस्तावित है इसमें वायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु ई.एस.पी., वेट स्क्रबर, बैग फिल्टर, स्प्रिंकलर तथा पक्के मार्गो का प्रस्ताव है। परियोजना में पार्टिकुलेट मेटर एमिशन धुल उत्सर्जन को निर्धारित 30 मिलीग्राम प्रतिघनमीटर रखने का प्रस्ताव है इसमें ई.एस.पी. एवं उच्च दक्षता के बैग फिल्टर का प्रस्ताव है इस हेतु ऑनलाईन मानिटरिंग सिस्टम भी प्रस्तावित है जो सी.ई.सी.बी., सी.पी.सी.बी. के सर्वर से जुड़ा हुआ रहेगा। तदैव परियोजना में आस–पास के क्षेत्र में प्रभाव नगण्य होगा। स्वास्थ्य पर प्रभाव के हेतु उद्योग का संचालन विधिसम्मत ढंग से आवश्यक अनुमतियां प्राप्त करने के बाद किया जायेगा। परियोजना में पार्टिकुलेट मेटर का स्तर निर्धारित मानक 30 मिलीग्राम के नियंत्रण में रखना प्रस्तावित है। जल का शुन्य निस्त्राव प्रस्तावि है तथा परियोजना का स्वास्थ्यगत प्रभाव नगण्य होंगे। स्थानिय लोगो को रोजगार के लिये परियोजना में लगभग 830 रोजगार की संभावना उत्पन्न होगी जिसे हम स्थानिय लोगो को प्राथमिकता देंगे और छत्तीसगढ़ शासन की निति का पालन किया जायेगा। सड़को पर दबाव के लिये कुछ पाईट आये थे उसमे परियोजना में उपयोग होने वाले वाहनो से दुर्घटना से बचाव हेतु निम्न उपाय किये जावेंगे चालको का वैध लाईसेंस होना अनिवार्य होगा, चालको को समय–समय पर सुरक्षित वाहन चालन हेतु प्रशिक्षित एवं प्रोत्साहित किया जावेगा एवं नशे की हालत में वाहन चालक पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा, उचित रख–रखाव वाले वाहनों को प्राथमिकता दी जायेगी, परिवहन ढक कर किये जायेंगे। गतिसीमा को नियंत्रित रखने हेतु चालको को समय–समय पर प्रोत्साहित किया जायेगा। कृषि के संबंध में परियोजना मे ई.एम.पी. 44.5 करोड़ प्रस्तावित है तदैव पर्याप्त समनकारी प्रभावों को अपनाने का प्रस्ताव है जिससे परियोजना के आस–पास के क्षेत्र का नगण्य प्रभाव संभावित है। वायु प्रदूषण के पर्याप्त उपाय तथा शुन्य निस्सारण के कारण आस–पास के कृषि पर दुषप्रभाव संभावित नहीं है। एनिमल और बायोलाजिकल कंजरवेशन में एलिफेंट कारिडोर से संबंधित हालांकि 10 किलोमीटर परिधि में किसी भी प्रकार को कोई एलिफेंट कारिडेर नहीं है परन्तु वन क्षेत्र आस–पास होने के कारण परियोजना हेतु बायोलाजिकल कंजरवेशन प्लान बनाया गया है जिसमें कुल 15 लाख रूपये वन विभाग को कंजरवेशन हेतु प्रदाय करना प्रस्तावित है। ई.आई.ए. रिपोर्ट से रिलेटेड ई.आई.ए. जो है ई.आई.ए. नोटिफिकेशन 2006 के नियम के हिसाब से बनाया गया है। पर्यावरण मंत्रालय द्वारा हमे इसके तहत टी.ओ.आर. जो एक्सपर्ट कमेटी द्वारा अनुमोदित था इसके तहत हमने 01 मार्च 2024 से 31 मई 2024 तक डेटा कलेक्शन किया यह रिपोर्ट को फाईनल करने के उपरांत एक्सपर्ट कमेटी के पास रखा जायेगा और पर्यावरण मंत्रालय द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी। इसमें सोसल सर्वे भी चेप्टर 3 में किया गया है और इनक्लुड किया गया है। इसमें कुल पाईट नाम पर भी आ रहे थे हम आपको सुचित करना चाहते है कि यह नाम केलो स्टील भारत सरकार में

कार्पोरेट मंत्रालय द्वारा विधिवत स्वीकृत किया गया है और कंपनी की पंजीकरण इसी नाम से किया जा चुका है जोकि अप्रुव्ड है। इसके बाब हमारे द्वारा 6.6 करोड़ का सी.ई.आर. प्रपोजल प्रस्तावित है उसके तहत उठाये गये मुद्दे आमने–सामने नोट कर लिये है और एक अच्छा प्रस्ताव बनाकर एम.ओ.ई.एम. दिल्ली के साथ पर्यावरण मंत्री दिल्ली के समक्ष रखा जायेगा जो की प्रपोजल अप्रुव्ड होने के बाद उसका पूर्ण पालन करेंगे। आप सभी के आपत्तियों और सुझावों का सम्मान करते है और परियोजना में समुचित सुधार करने हेतु हम प्रतिबद्ध है और हम नियमानुसार आगे की कार्यवाही करेंगे। धन्यवाद।

पीठासीन अधिकारी – सुनवाई के दौरान 05 अभ्यावेदन प्रस्तुत किये गये तथा पूर्व में 01 अभ्यावेदन प्राप्त हुये है। लोक सुनवाई में लगभग 300 लोगों का जन समुदाय एकत्रित हुआ। उपस्थिति पत्रक पर 21 लोगों ने हस्ताक्षर किये। संपूर्ण लोक सुनवाई की वीडियोग्राफी की गई है। लोक सुनवाई में उपस्थित सभी लोगों का धन्यवाद! आज की लोकसुनवाई की समाप्ति की घोषणा की जाती है।

(अंकुर साहू)
क्षेत्रीय अधिकारी
छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल, रायगढ़ (छ.ग.)

(अपूर्व प्रियेश टोप्पो)
अपर कलेक्टर
जिला–रायगढ़ (छ.ग.)